बाइबलि का इतिहास
भगवान का वादा

वॉल्यूम 1

जुलाई 2016

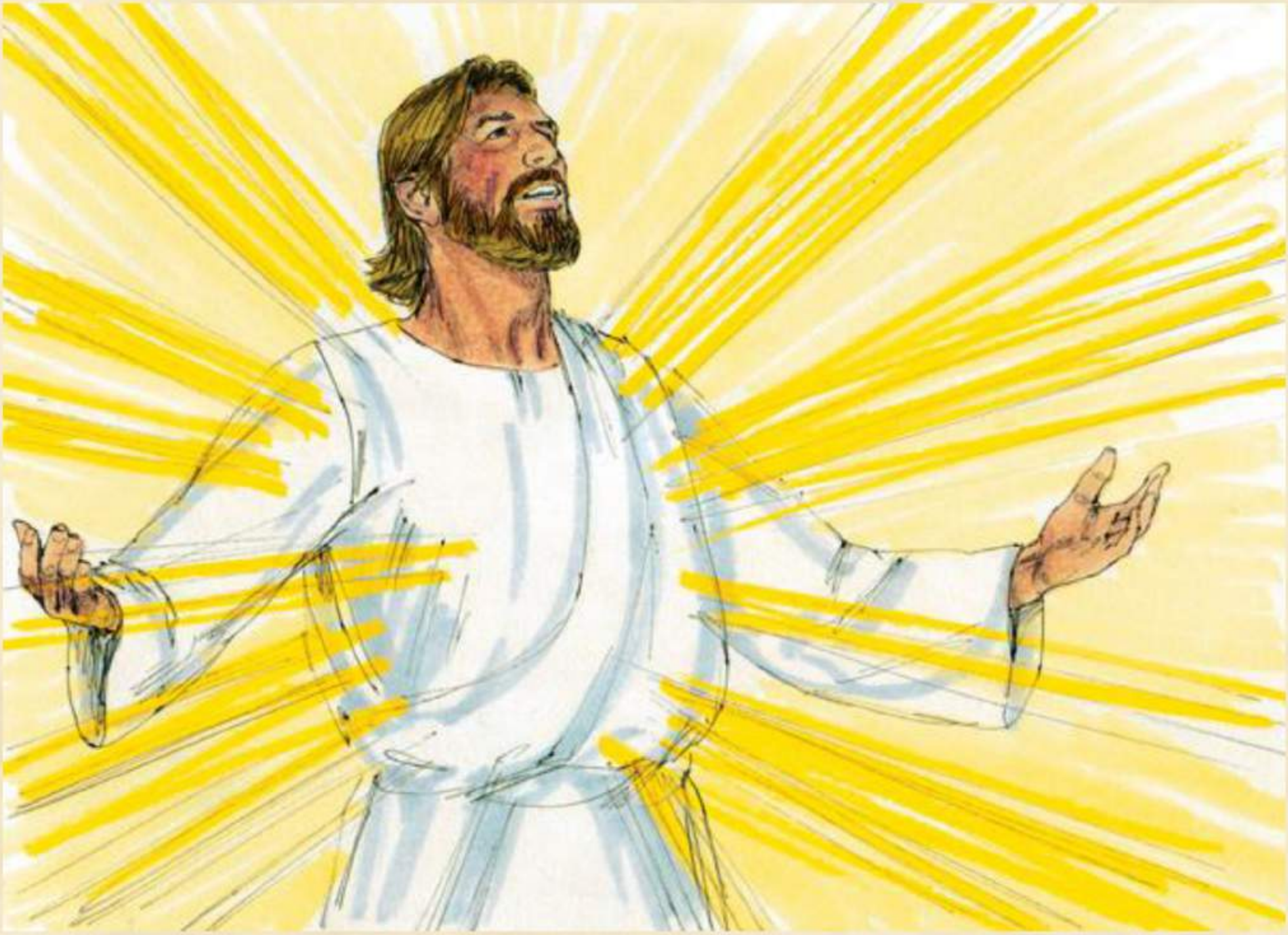

70 कुंजी शास्त्र संदर्भ के साथ 30 बाइबल पाठ
के माध्यम से, उत्पत्ति से रहस्योद्घाटन तक।
शास्त्र संदर्भ के सभी, यीशु के अंक, मानव जाति
के उद्धारक के रूप में,
भगवान का पहला वादा, उत्पत्ति 3: 14-15 में किए गए

बाइबलि का इतहिास

भगवान का वादा

Also available: 30 Bible Study Lessons to explain The Redemption Story.
http://meditatewithpower.blogspot.com

Go to the archive section dated January 5 through February 3, 2014 to read the complete study series in 30 lessons.

©New Harvest Ministries International, Inc. 2014 All rights reserved.

बाइबलि का इतहिास

मुक्ता के भगवान का वादा !

उत्पत्ता से रहस्योद्घाटन तक !

70 महत्वपूर्ण ऐताहिासकि घटनाओं

परमेश्वर की ओर से कए िगए वादे,

एक उद्धारक भेजने के बारे में !

Go To: Http//theredemptionstory.org – For a free PDF download for your laptop, tablet or smart phone. Also a free 30 Day – 30 Lesson Bible Study, Youtube video or for more information.

All illustrations used by permission of Free Bible Images and Sweet Publishing. Any questions regarding the use of these images can be directed to either of these organizations at Free Bible Images at www.freebibleimages.org or to Sweet Publishing at http://sweetpublishing.com

**Scripture taken from the New King James Version.
Copyright c 1979, 1980, 1982 by ©Thomas Nelson, Inc.
Used by permission. All rights reserved.**

God's Promise of Redemption!
©New Harvest Ministries International Inc.
**For more information http://newharvest.org
Contact: Questions or Comments
Meditate.with.power@gmail.com**

Please note: This is a free publication. If you would like to consider a donation please visit our website to learn about our ministry. http://newharvest.org

Our Focus and Our Message!

भगवान ने पृथ्वी बनाया! 4000 B.C.में, या उससे पहले।

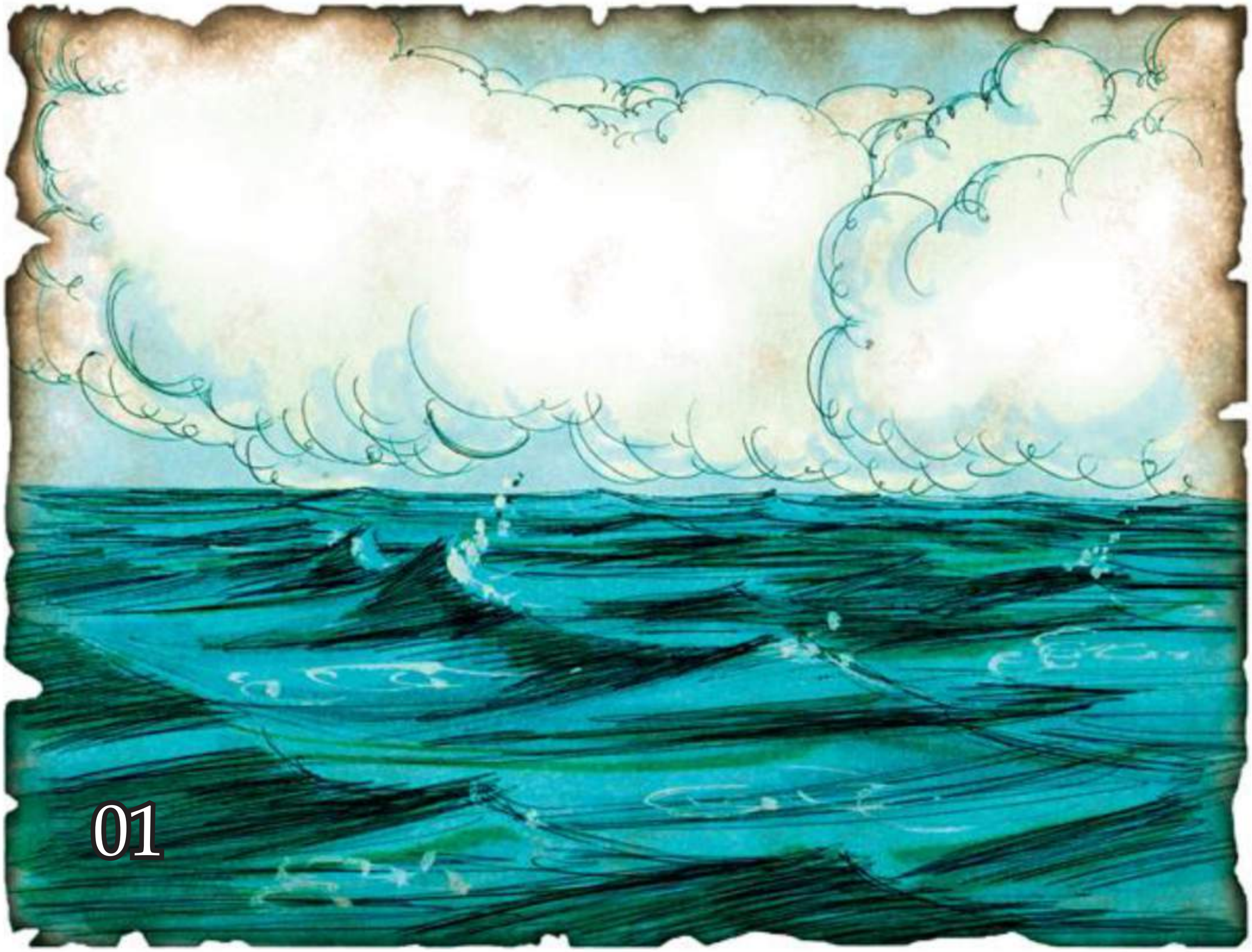

उत्पत्ति 1:1-2

1 आदि में परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी की सृष्टि की।
2 और पृथ्वी बेडौल और सुनसान पड़ी थी;
और गहरे जल के ऊपर अन्धियारा था:
तथा परमेश्वर का आत्मा जल के ऊपर मण्डलाता था।

भगवान आदमी और औरत बनाया! 4000 बी.सी.+

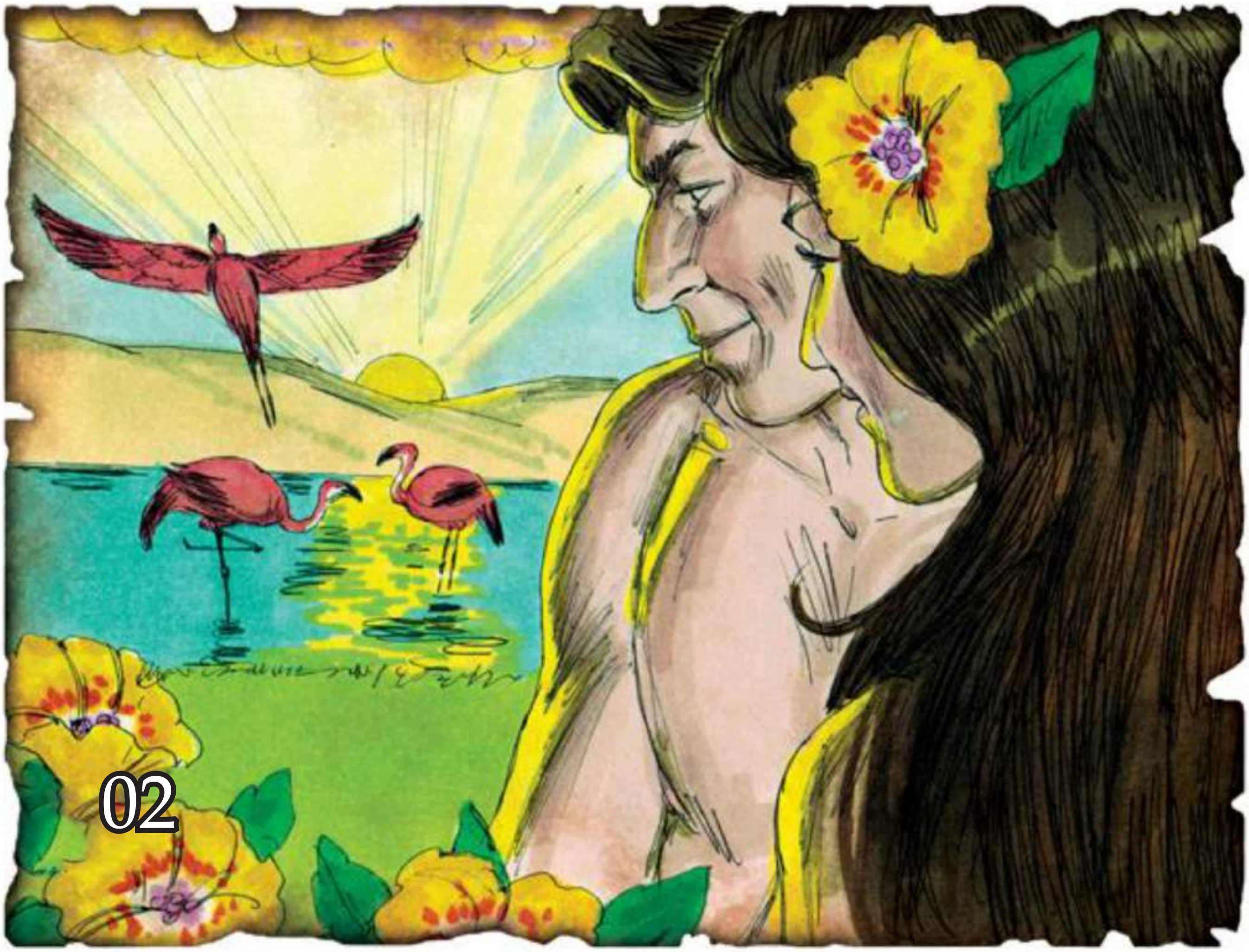

उत्पत्ति 2:7

7 और यहोवा परमेश्वर ने आदम को
भूमि की मिट्टी से रचा
और उसके नथनों में जीवन का श्वास फूंक दिया;
और आदम जीवता प्राणी बन गया।

आदमी पाप कयिा!400 बी.सी.+

उत्पत्ति 3:4-6

4 लेकनि साँप ने स्त्री से कहा, "तुम मरोगी नहीं।
5 परमेश्वर जानता है कयिदि तुम लोग उस पेड़ से फल खाओगे तो
अच्छे और बुरे के बारे में जान जाओगे
और तब तुम परमेश्वर के समान हो जाओगे।"

6 स्त्री ने देखा कि पेड़ सुन्दर है। उसने देखा कि फल खाने के लिए अच्छा है
और पेड़ उसे बुद्धिमान बनाएगा।
तब स्त्री ने पेड़ से फल लिया और उसे खाया।
उसका पति भी उसके साथ था इसलिए उसने कुछ फल उसे दिया
और उसने उसे खाया।

भगवान ने मानव जाति के एवज में करने का वादा किया 4000 ईसा पूर्व की

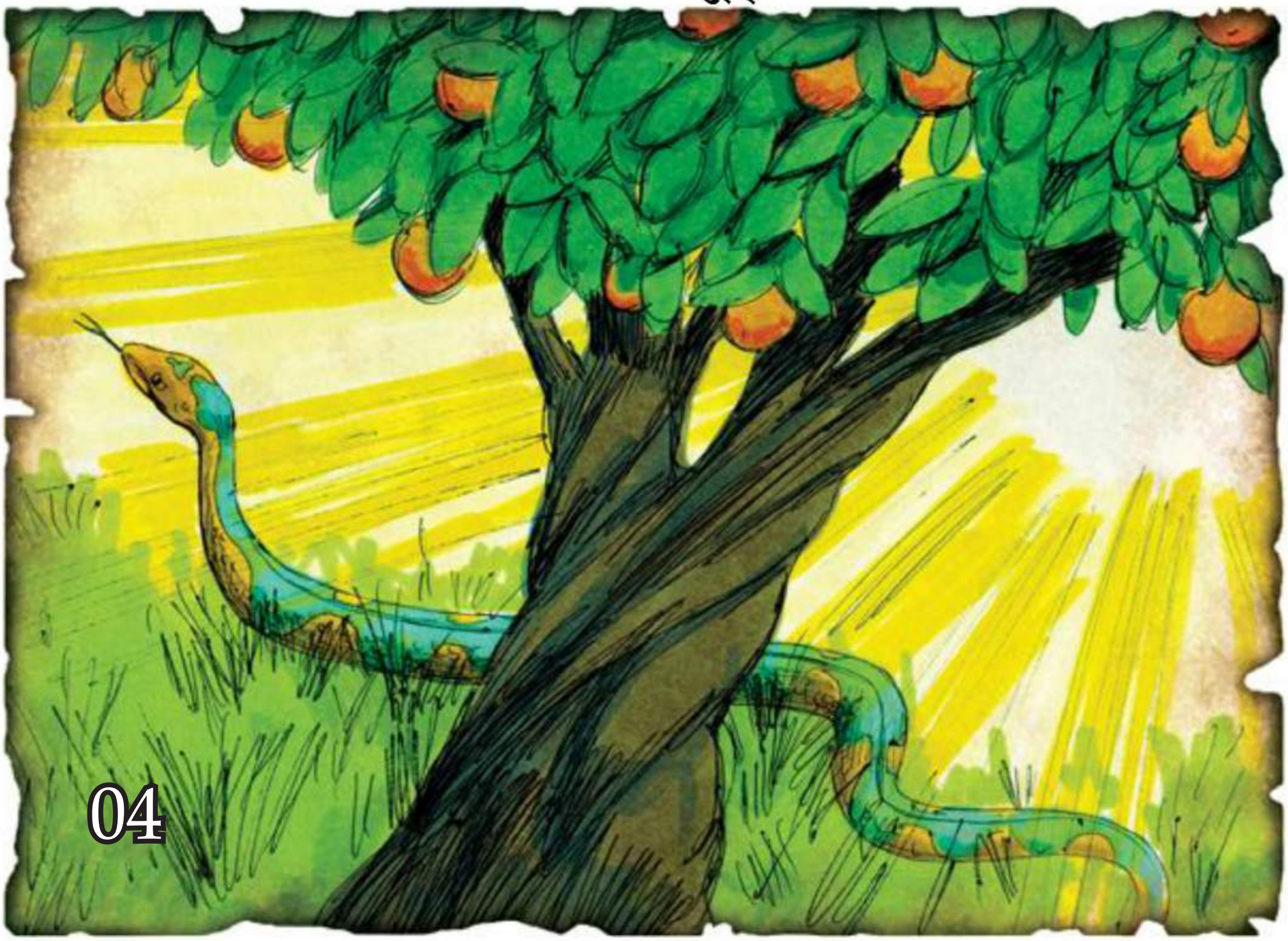

उत्पत्ति 3:14-15

14 तब यहोवा परमेश्वर ने साँप से कहा,

"तुने यह बहुत बुरी बात की। इसलिए तुम्हारा बुरा होगा।
अन्य जानवरों की अपेक्षा तुम्हारा बहुत बुरा होगा।
तुम अपने पेट के बल रेंगने को मजबूर होगे।
और धूल चाटने को विवश होगा जीवन के सभी दिनों में।
15 मै तुम्हें और स्त्री को एक दूसरे का दुश्मन बनाऊँगा।
तुम्हारे बच्चे और इसके बच्च
आपस में दुश्मन होंगे। तुम इसके बच्चे के पैर में डसोगे
और वह तुम्हारा सिर कुचल देगी।"

भगवान बाढ़ से पृ्थ्वी को नष्ट कऱ देता !3500 ईसा पूर्व की

उत्पत्ति 6:5-8

5 यहोवा ने देखा कि पृथ्वी पर मनुष्य बहुत अधिक पापी है।
यहोवा ने देखा कि मनुष्य लगातार बुरी बातें ही सोचता है।
6 यहोवा को इस बात का दुःख हुआ, कि मैंने पृथ्वी पर मनुष्यों को क्यों बनाया?
यहोवा इस बात से बहुत दुःखी हुआ।
7 इसलिए यहोवा ने कहा, "मै अपनी बनाई पृथ्वी के सारे लोगों को खत्म कर दूँगा।
मै हर एक व्यक्ति, जानवर और पृथ्वी पर रेंगने वाले हर एक जीवजन्तु को खत्म करूँगा।
मै आकाश के पक्षियों को भी खत्म करुँगा।
क्यों? क्योंकि मै इस बात से दुःखी हूँ कि मैंने इन सभी चीजों को बनाया।"

8 लेकिन पृथ्वी पर यहोवा को खुश करने वाला एक व्यक्ति था—नूह।

परमेश्वर ने इब्राहीम के माध्यम से एक राष्ट्र को बुलाया

उत्पत्ति 12

परमेश्वर अब्राम को बुलाता है
12 यहोवा ने अब्राम से कहा,

"अपने देश और अपने लोगों को छोड़ दो। अपने पिता के परिवार को छोड़ दो
और उस देश जाओ जिसे मै तुम्हें दिखाऊँगा। 2 मै तुम्हें आशीर्वाद दूँगा।
मै तुझसे एक महान राष्ट्र बनाऊँगा। मै तुम्हारे नाम को प्रसिद्धि करूँगा।
लोग तुम्हारे नाम का प्रयोग दूसरों के कल्यान के लिए करेंगे।
3 मै उन लोगों को आशीर्वाद दूँगा, जो तुम्हारा भला करेंगे।
किन्तु उनको दण्ड दूँगा जो तुम्हारा बुरा करेंगे।

पृथ्वी के सारे मनुष्यों को आशीर्वाद देने के लिए
मैं तुम्हारा उपयोग करूँगा।"

इब्राहीम ने अपने बेटे को बलदिान करने के लिए तैयार होता है! भगवान इसहाक के माध्यम से उनका वादा फैली!

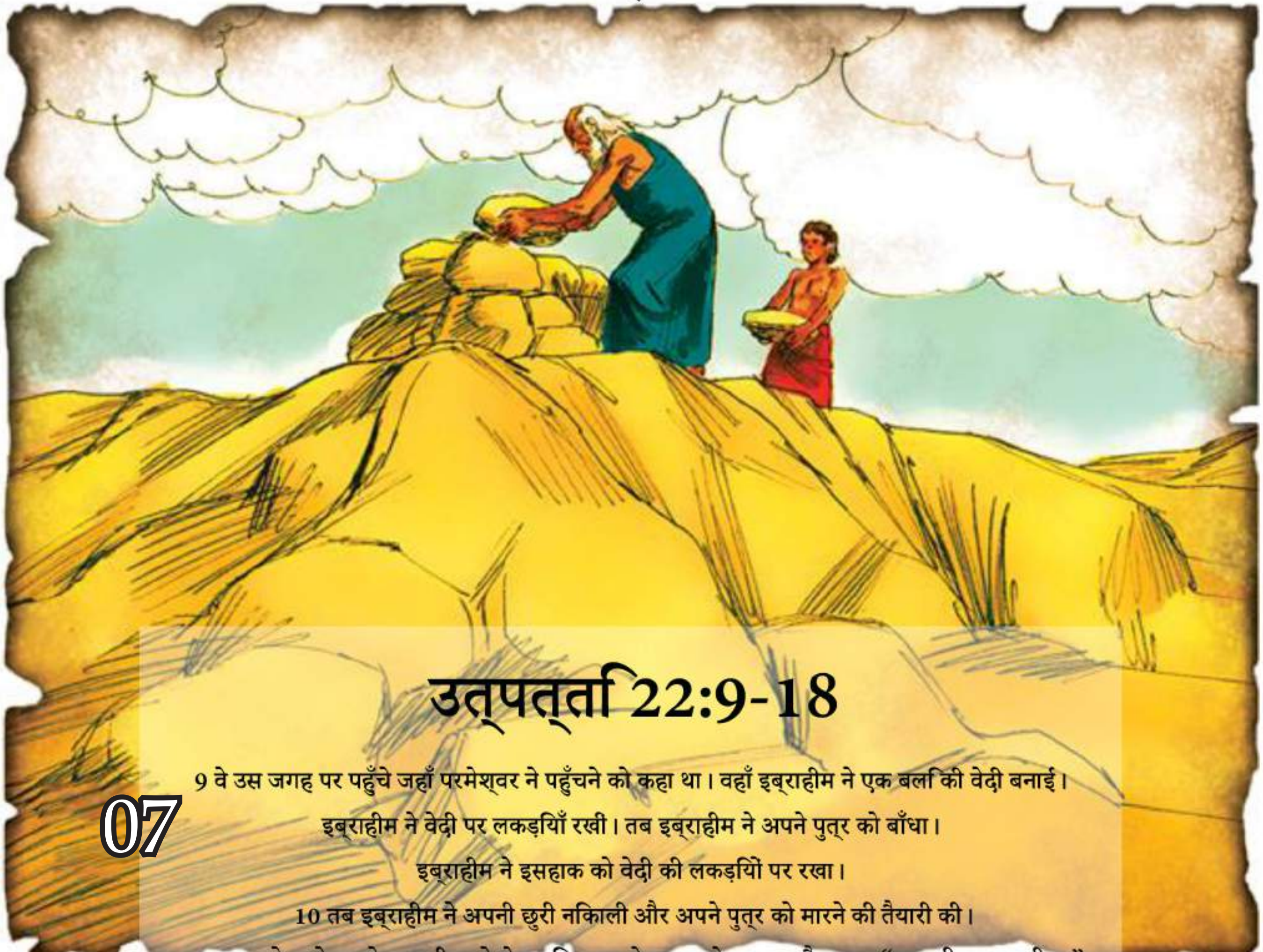

उत्पत्ति 22:9-18

07

9 वे उस जगह पर पहुँचे जहाँ परमेश्वर ने पहुँचने को कहा था। वहाँ इब्राहीम ने एक बलि की वेदी बनाई।
इब्राहीम ने वेदी पर लकड़ियाँ रखी। तब इब्राहीम ने अपने पुत्र को बाँधा।
इब्राहीम ने इसहाक को वेदी की लकड़ियों पर रखा।
10 तब इब्राहीम ने अपनी छुरी निकाली और अपने पुत्र को मारने की तैयारी की।
11 तब यहोवा के दूत ने इब्राहीम को रोक दिया। दूत ने स्वर्ग से पुकारा और कहा, "इब्राहीम, इब्राहीम।"
इब्राहीम ने उत्तर दिया, "हाँ।"
12 दूत ने कहा, "तुम अपने पुत्र को मत मारो अथवा उसे किसी प्रकार की चोट न पहुँचाओ।
मैंने अब देख लिया कि तुम परमेश्वर का आदर करते हो और उसकी आज्ञा मानते हो।
मैं देखता हूँ कि तुम अपने एक लौते पुत्र को मेरे लिए मारने के लिए तैयार हो।"
13 इब्राहीम ने ऊपर दृष्टि की और एक मेढ़े को देखा। मेढ़े के सींग एक झाड़ी में फँस गए थे।
इसलिए इब्राहीम वहाँ गया, उसे पकड़ा और उसे मार डाला।
इब्राहीम ने मेढ़े को अपने पुत्र के स्थान पर बलि चढ़ाया। इब्राहीम का पुत्र बच गया।
14 इसलिए इब्राहीम ने उस जगह का नाम "यहोवा यिरे" रखा।
आज भी लोग कहते है, "इस पहाड़ पर यहोवा को देखा जा सकता है।"
15 यहोवा के दूत ने स्वर्ग से इब्राहीम को दूसरी बार पुकारा।
16 दूत ने कहा, "तुम मेरे लिए अपने पुत्र को मारने के लिए तैयार थे। यह तुम्हारा एकलौता पुत्र था।
तुमने मेरे लिए ऐसा किया है इसलिए मैं, यहोवा तुमको वचन देता हूँ कि,
17 मैं तुम्हें निश्चय ही आशीर्वाद दूँगा। मैं तुम्हें उतने वंशज दूँगा जितने आकाश में तारे हैं।
ये इतने अधिक लोग होंगे जितने समुद्र के तट पर बालू के कण और तुम्हारे लोग अपने सभी शत्रुओं को हराएंगे।
18 संसार के सभी राष्ट्र तुम्हारे परिवार के द्वारा आशीर्वाद पाएंगे।
मैं यह इसलिए करूँगा क्योंकि तुमने मेरी आज्ञा का पालन किया।"

परमेश्वर ने याकूब के माध्यम से उनका वादा फैली !
1990 ईसा पूर्व की

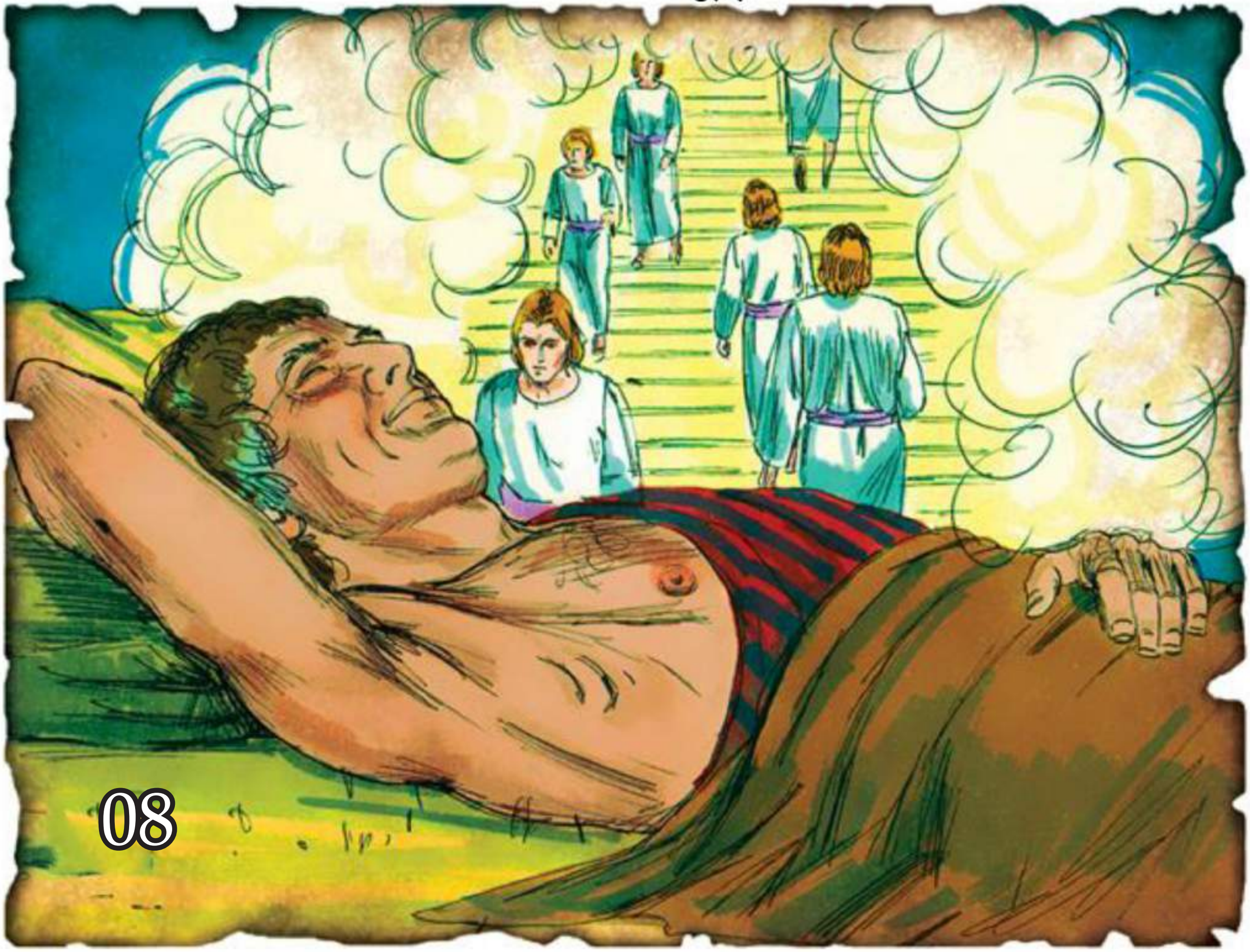

उत्पत्ति 28:12-15

12 तब उसने स्वप्न में क्या देखा, कि एक सीढ़ी पृथ्वी पर खड़ी है, और उसका सिरा स्वर्ग तक पहुंचा है:
और परमेश्वर के दूत उस पर से चढ़ते उतरते हैं।
13 और यहोवा उसके ऊपर खड़ा हो कर कहता है, कि मैं यहोवा, तेरे दादा इब्राहीम का परमेश्वर,
और इसहाक का भी परमेश्वर हूं: जिस भूमि पर तू पड़ा है, उसे मैं तुझ को और तेरे वंश को दूंगा।
14 और तेरा वंश भूमि की धूल के किनकों के समान बहुत होगा,
और पच्छिम, पूरब, उत्तर, दक्खिन, चारों ओर फैलता जाएगा:
और तेरे और तेरे वंश के द्वारा पृथ्वी के सारे कुल आशीष पाएंगे।
15 और सुन, मैं तेरे संग रहूंगा, और जहां कहीं तू जाए वहां तेरी रक्षा करूंगा,
और तुझे इस देश में लौटा ले आऊंगा:
मैं अपने कहे हुए को जब तक पूरा न कर लूं तब तक तुझ को न छोड़ूंगा।

यूसुफ गुलामी में बेच दिया जाता है ! 1898 ईसा पूर्व की

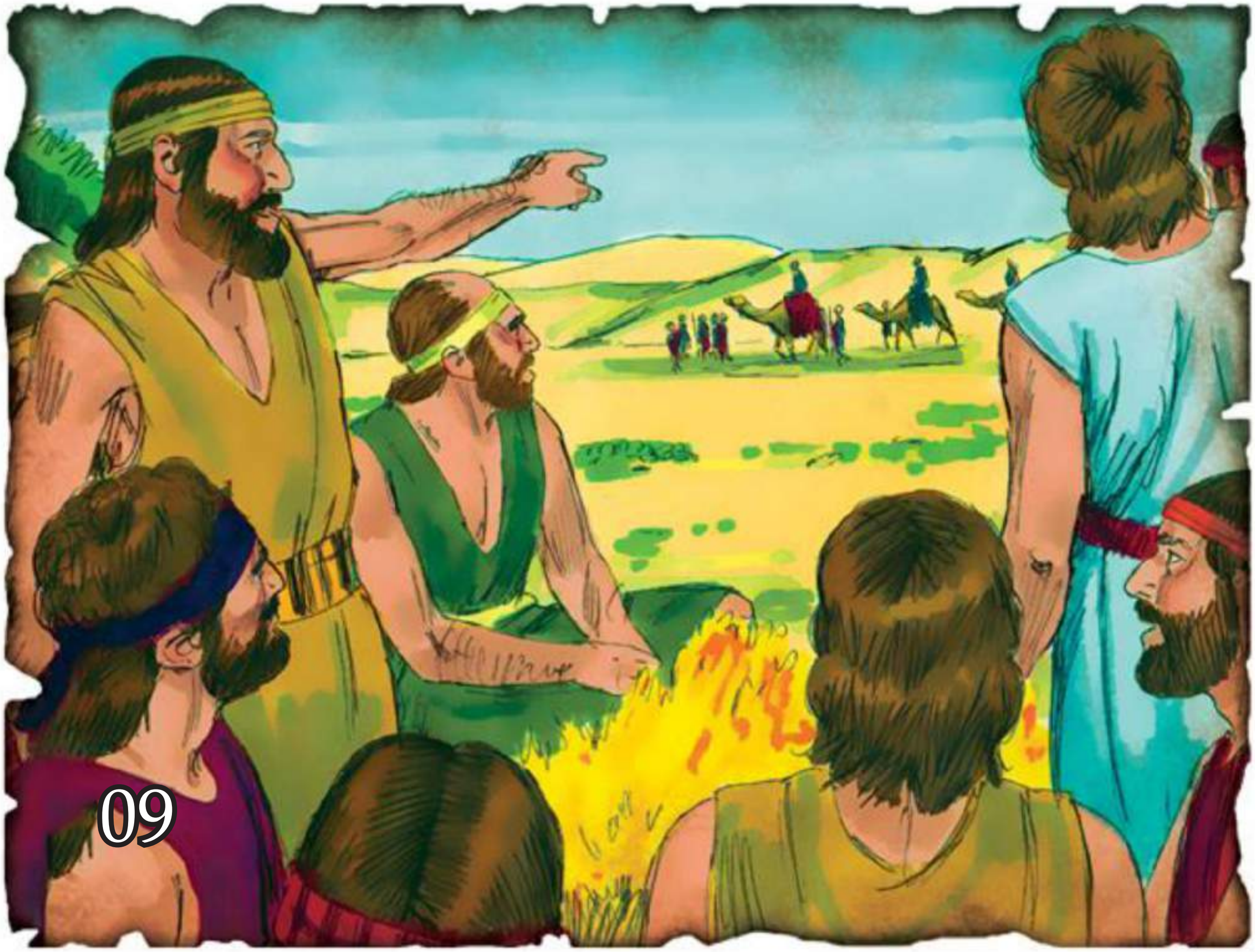

उत्पत्ति 37:25-28

25 तब वे रोटी खाने को बैठ गए: और आंखे उठा कर क्या देखा,
कि इश्माएलियों का एक दल ऊंटो पर सुगन्धद्रव्य, बलसान,
और गन्धरस लादे हुए, गिलाद से मिस्र को चला जा रहा है।
26 तब यहूदा ने अपने भाइयों से कहा,
अपने भाई को घात करने और उसका खून छिपाने से क्या लाभ होगा?
27 आओ, हम उसे इश्माएलियों के हाथ बेच डालें, और अपना हाथ उस पर न उठाएं,
क्योंकि वह हमारा भाई और हमारी हड्डी और मांस है, सो उसके भाइयों ने उसकी बात मान ली।
तब मिद्यानी व्यापारी उधर से होकर उनके पास पहुंचे:
28 सो यूसुफ के भाइयों ने उसको उस गड़हे में से खीच के बाहर निकाला,
और इश्माएलियों के हाथ चांदी के बीस टुकड़ों में बेच दिया: और वे यूसुफ को मिस्र में ले गए।

यूसुफ मस्रि में आदेश में फरीैन के बगल में बन जाता है!
1886 ईसा पूर्व की

उत्पत्ति 41:33-43

33 इसलयि अब फरीैन कसिी समझदार और बुद्धमिान् पुरूष को ढूंढ़ करके उसे मस्रि देश पर प्रधानमंत्री ठहराए।
34 फरीैन यह करे, कि देश पर अधकिारयिों को नयिुक्त करे, और जब तक सुकाल के सात वर्ष रहें तब तक वह मस्रि देश की
उपज का पंचमांश लयिा करे। 35 और वे इन अच्छे वर्षों में सब प्रकार की भोजन वस्तु इकट्ठा करें,
और नगर नगर में भण्डार घर भोजन के लयि फरीैन के वश में करके उसकी रक्षा करें। 36 और वह भोजनवस्तु अकाल के उन सात वर्षों के लयि,
जो मस्रि देश में आएंगे, देश के भोजन के नमित्ति रखी रहे, जसि से देश उस अकाल से सत्यानाश न हो जाए। 37 यह बात फरीैन
और उसके सारे कर्मचारयिों को अच्छी लगी। 38 सो फरीैन ने अपने कर्मचारयिोंसे कहा, कि क्या हम को ऐसा पुरुष जैसा यह है,
जसि में परमेश्वर का आत्मा रहता है, मलि सकता है? 39 फरि फरीैन ने यूसुफ से कहा, परमेश्वर ने जो तुझे इतना ज्ञान दयिा है,
कि तेरे तुल्य कोई समझदार और बुद्धमिान् नहीं; 40 इस कारण तू मेरे घर का अधकिारी होगा, और तेरी आज्ञा के अनुसार
मेरी सारी प्रजा चलेगी, केवल राजगद्दी के वषिय मैं तुझ से बड़ा ठहरूंगा। 41 फरि फरीैन ने यूसुफ से कहा, सुन,
मैं तुझ को मस्रि के सारे देश के ऊपर अधकिारी ठहरा देता हूं 42 तब फरीैन ने अपने हाथ से अंगूठी नकिाल के यूसुफ के हाथ में पहनिा दी;
और उसको बढयिा मलमल के वस्त्र पहनिवा दएि, और उसके गले में सोने की जंजीर डाल दी; 43 और उसको अपने दूसरे रथ पर चढ़वाया;
और लोग उसके आगे आगे यह प्रचार करते चले, कि घुटने टेककर दण्डवत करो और उसने उसको मस्रि के सारे देश के ऊपर प्रधान मंत्री ठहराया।

भगवान का वादा अटूट है!
यूसुफ ने अपने भाइयों को माफ कर दिया !1859 ईसा पूर्व की

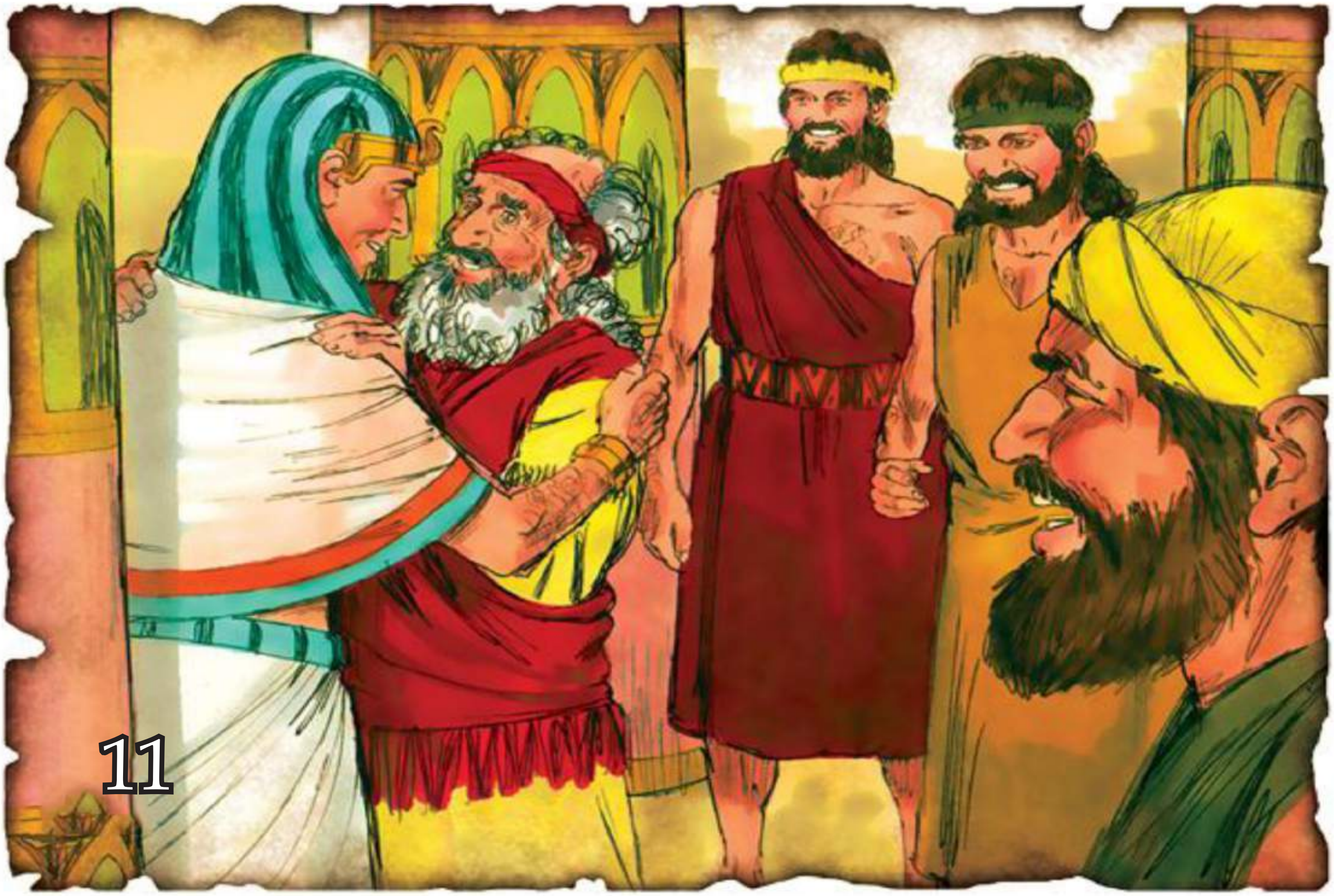

उत्पत्ति 50:19-24

19 यूसुफ ने उन से कहा, मत डरो, क्या मैं परमेश्वर की जगह पर हूं?
20 यद्यपि तुम लोगों ने मेरे लिये बुराई का विचार किया था;
परन्तु परमेश्वर ने उसी बात में भलाई का विचार किया,
जिस से वह ऐसा करे, जैसा आज के दिन प्रगट है, कि बहुत से लोगों के प्राण बचे हैं।
21 सो अब मत डरो: मैं तुम्हारा और तुम्हारे बाल-बच्चों का पालन पोषण करता रहूंगा;
इस प्रकार उसने उन को समझा बुझाकर शान्ति दी॥
22 और यूसुफ अपने पिता के घराने समेत मिस्र में रहता रहा,
और यूसुफ एक सौ दस वर्ष जीवित रहा।
23 और यूसुफ एप्रैम के परपोतों तक देखने पाया: और मनश्शे के पोते, जो माकीर के पुत्र थे,
वे उत्पन्न हो कर यूसुफ से गोद में लिए गए।
24 और यूसुफ ने अपने भाइयों से कहा मैं तो मरने पर हूं;
परन्तु परमेश्वर निश्चय तुम्हारी सुधि लेगा,
और तुम्हें इस देश से निकाल कर उस देश में पहुंचा देगा, जिसके देने की उसने इब्राहीम,
इसहाक, और याकूब से शपथ खाई थी।

मिस्र में 400 साल बाद - परमेश्वर ने मूसा को बुला !
1446 ईसा पूर्व की

निर्गमन 3: 2-10

12

2 और परमेश्वर के दूत ने एक कटीली फाड़ी के बीच आग की लौ में उसको दर्शन दिया;

और उस ने दृष्टि उठाकर देखा कि फाड़ी जल रही है, पर भस्म नही होती।

3 तब मूसा ने सोचा, कि मैं उधर फिरके इस बड़े अचम्भे को देखूंगा, कि वह फाड़ी क्योंनही जल जाती।

4 जब यहोवा ने देखा कि मूसा देखने को मुड़ा चला आता है,

तब परमेश्वर ने फाड़ी के बीच से उसको पुकारा, कि हे मूसा, हे मूसा। मूसा ने कहा, क्या आज्ञा।

5 उस ने कहा इधर पास मत आ, और अपके पांवोंसे जूतियोंको उतार दे, क्योंकि जिस स्यान पर तू खड़ा है वह पवित्र भूमि है।

6 फिर उस ने कहा, मैं तेरे पिता का परमेश्वर, और इब्राहीम का परमेश्वर, इसहाक का परमेश्वर,

और याकूब का परमेश्वर हूं। तब मूसा ने जो परमेश्वर की ओर निहारने से डरता या अपना मुंह ढ़ाप लिया।

7 फिर यहोवा ने कहा, मैं ने अपक्की प्रजा के लोग जो मिस्र में हैं उनके दु:ख को निश्चय देखा है,

और उनकी जो चिल्लाहट परिश्रम करानेवालोंके कारण होती है उसको भी मैं ने सुना है, और उनकी पीड़ा पर मैं ने चित्त लगाया है ;

8 इसलिथे अब मैं उतर आया हूं कि उन्हें मिस्रियोंके वश से छुड़ाऊं, और उस देश से निकालकर एक अच्छे

और बड़े देश में जिस में दूध और मधु की धारा बहती है, अर्यात् कनानी, हित्ती, एमोरी, परिज्जी, हिव्वी,

और यबूसी लोगोंके स्यान में पहुंचाऊं। 9 सो अब सुन, इस्राएलियोंकी चिल्लाहट मुझे सुनाई पक्की है,

और मिस्रियोंका उन पर अन्धेर करना भी मुझे दिखाई पड़ा है,

10 इसलिथे आ, मैं तुझे फिरौन के पास भेजता हूं कि तू मेरी इस्राएली प्रजा को मिस्र से निकाल ले आए।

भगवान कहते हैं , "मेरे लोगों को जाने दो"
और मस्रि पर 10 वपित्तयिां भेजता है! 1446 बी.सी.

नर्गिमन 12:12-14

12 क्योंकि उस रात को मैं मस्रि देश के बीच में से हो कर जाऊंगा,

और मस्रि देश के क्या मनुष्य क्या पशु, सब के पहलौठों को मारूंगा;

और मस्रि के सारे देवताओं को भी मैं दण्ड दूंगा; मैं तो यहोवा हूं।

13 और जनि घरों में तुम रहोगे उन पर वह लोहू तुम्हारे नमित्ति चन्हि ठहरेगा;

अर्थात मैं उस लोहू को देखकर तुम को छोड़ जाऊंगा,

और जब मैं मस्रि देश के लोगों को मारूंगा, तब वह वपित्ति तुम पर न पड़ेगी और तुम नाश न होगे।

14 और वह दनि तुम को स्मरण दलिाने वाला ठहरेगा,

और तुम उसको यहोवा के लयि पर्ब्ब करके मानना;

वह दनि तुम्हारी पीढयि़ों में सदा की वधि जिानकर पर्ब्ब माना जाए।

मूसा ने मिस्र से बाहर इसराइल लेता है!
भगवान भागों लाल सागर ! 1446 ईसा पूर्व की

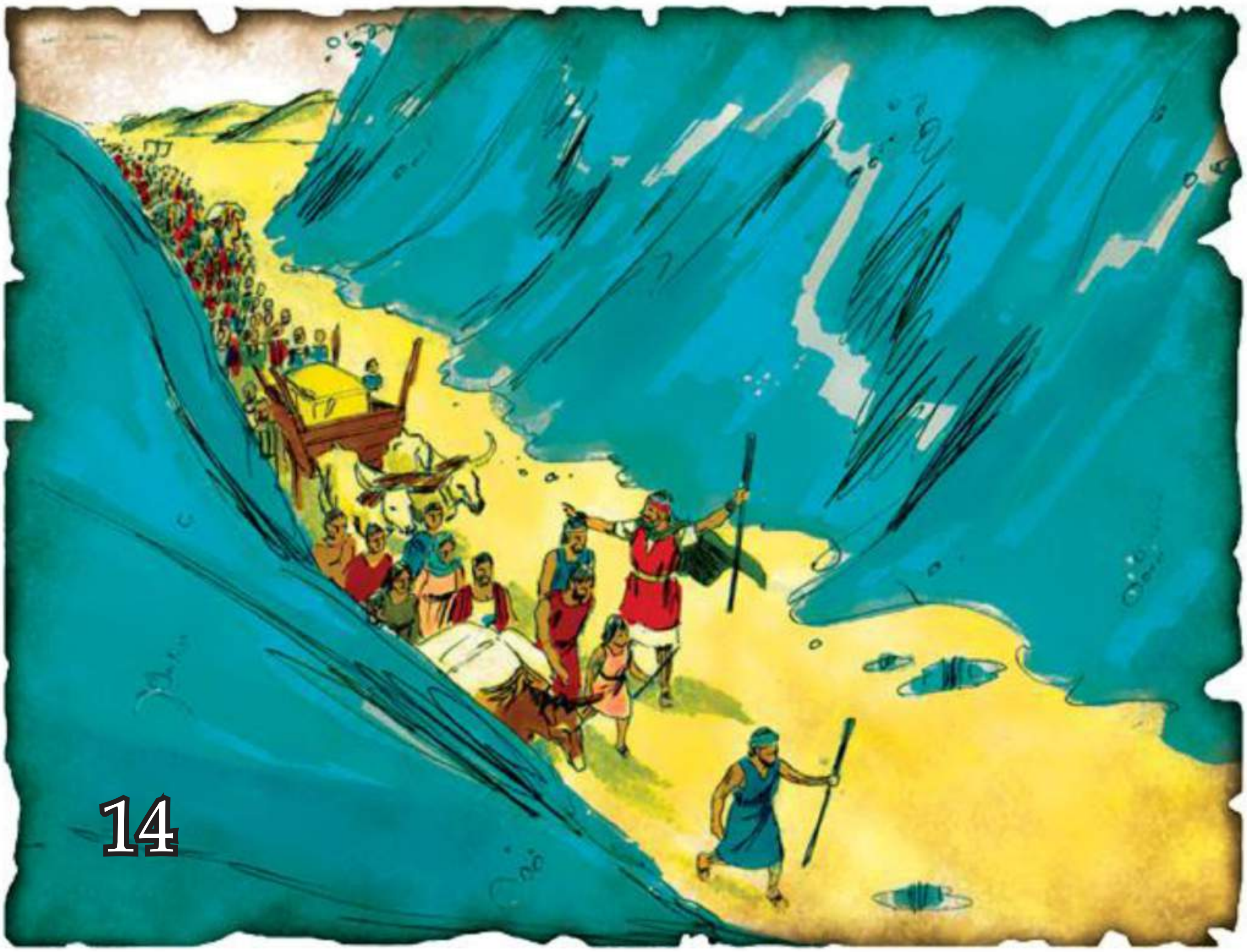

निर्गमन 14:21-27

21 और मूसा ने अपना हाथ समुद्र के ऊपर बढ़ाया; और यहोवा ने रात भर प्रचण्ड पुरवाई चलाई,
और समुद्र को दो भाग करके जल ऐसा हटा दिया, जिससे कि उसके बीच सूखी भूमि हो गई।
22 तब इस्राएली समुद्र के बीच स्थल ही स्थल पर हो कर चले,
और जल उनकी दाहिनी और बाईं ओर दीवार का काम देता था।
23 तब मिस्री, अर्थात फिरौन के सब घोड़े, रथ,
और सवार उनका पीछा किए हुए समुद्र के बीच में चले गए।
24 और रात के पिछले पहर में यहोवा ने बादल और आग के खम्भे में से मिस्रियों की सेना पर दृष्टि करके उन्हें घबरा दिया।
25 और उसने उनके रथों के पहियों को निकाल डाला, जिससे उनका चलना कठिन हो गया; तब मिस्री आपस में कहने लगे, आओ,
हम इस्राएलियों के साम्हने से भागें; क्योंकि यहोवा उनकी ओर से मिस्रियों के विरुद्ध युद्ध कर रहा है॥
26 फिर यहोवा ने मूसा से कहा, अपना हाथ समुद्र के ऊपर बढ़ा, कि जल मिस्रियों, और उनके रथों, और सवारों पर फिर बहने लगे।
27 तब मूसा ने अपना हाथ समुद्र के ऊपर बढ़ाया, और भोर होते होते क्या हुआ, कि समुद्र फिर ज्यों का त्योंअपने बल पर आ गया;
और मिस्री उलटे भागने लगे, परन्तु यहोवा ने उन को समुद्र के बीच ही में झटक दिया।

जंगल में मन्ना !
इसराइल के राष्ट्र रेगसि्तान में 40 साल से भटक !

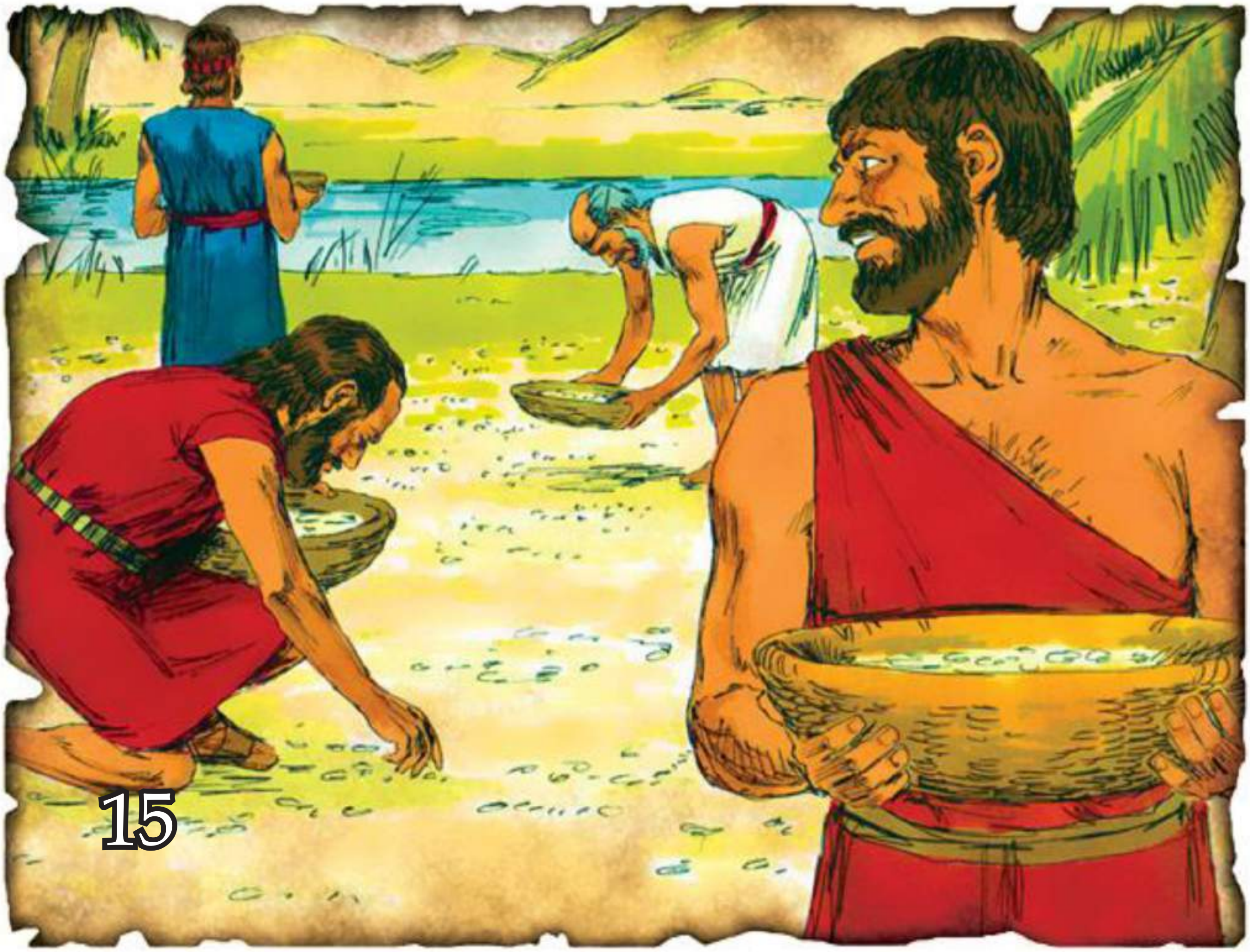

नरि्गमन 16:31-36

31 और इस्राएल के घराने वालों ने उस वस्तु का नाम मन्ना रखा; और वह धनयिा के समान श्वेत था,
और उसका स्वाद मधु के बने हुए पुए का सा था। 32 फरि मूसा ने कहा, यहोवा ने जो आज्ञा दी वह यह है,
कि इस में से ओमेर भर अपने वंश की पीढ़ी पीढ़ी के लयि रख छोड़ो,
जसिसे वे जानें कि यहोवा हम को मसि्र देश से नकिाल कर जंगल में कैसी रोटी खलिाता था।
33 तब मूसा ने हारून से कहा, एक पात्र ले कर उस में ओमेर भर ले कर उसे यहोवा के आगे धर दे,
कि वह तुम्हारी पीढयिों के लयि रखा रहे।34 जैसी आज्ञा यहोवा ने मूसा को दी थी, उसी के अनुसार हारून ने उसको साक्षी के सन्दूक
के आगे धर दयिा, कि वह वहीं रखा रहे। 35 इस्राएली जब तक बसे हुए देश में न पहुंचे तब तक, अर्थात चालीस वर्ष तक मन्ना को खाते रहे;
वे जब तक कनान देश के सविाने पर नहीं पहुंचे तब तक मन्ना को खाते रहे। 36 एक ओमेर तो एपा का दसवां भाग है।

रेगसि्तान में पाप-एक छड़ी पर नागनि-
देखो, वशि्वासे कर और जयिो! 1410 ईसा पूर्व की

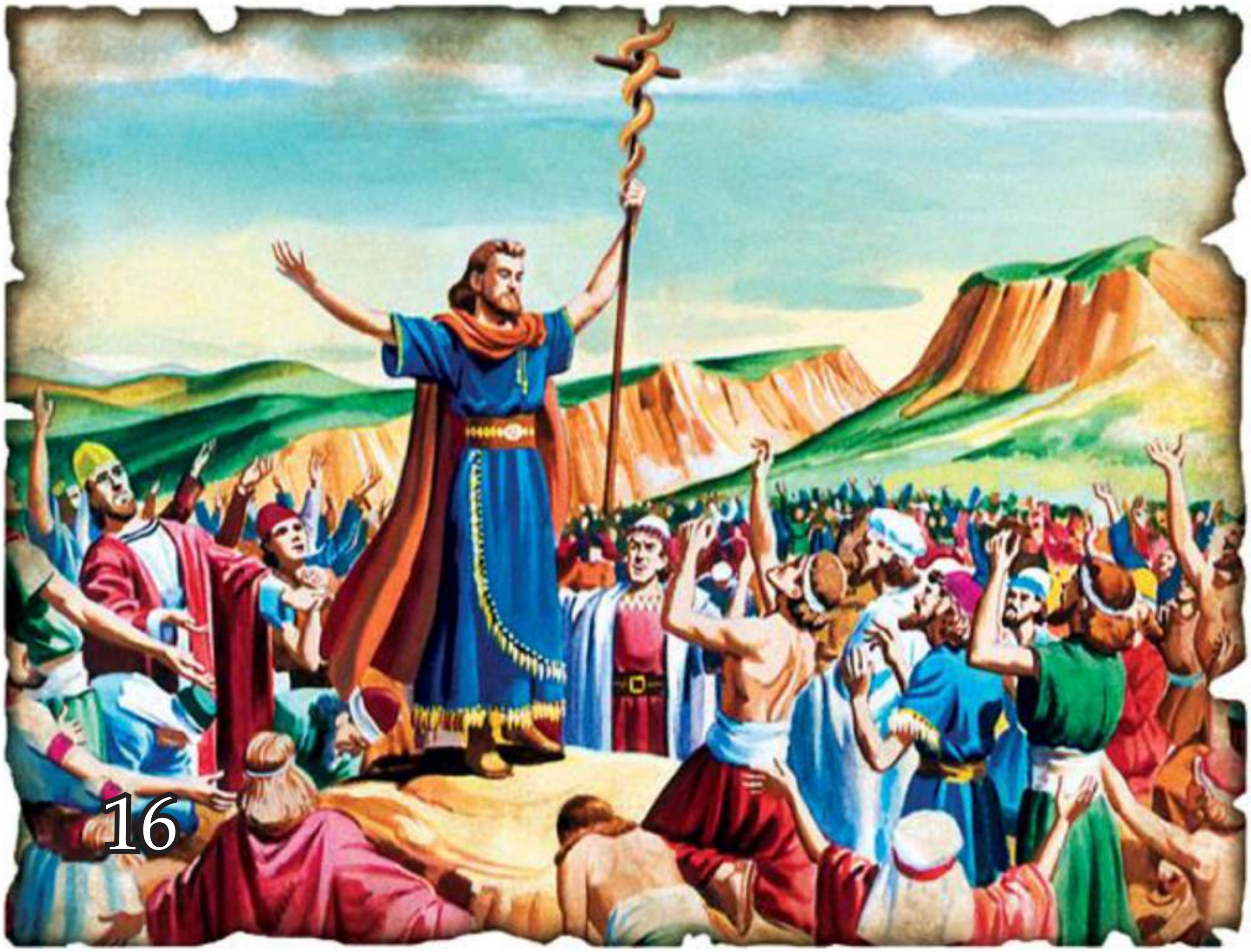

गनिती 21:5-9

5 सो वे परमेश्वर के वरिुद्ध बात करने लगे, और मूसा से कहा, तुम लोग हम को मसि्र से जंगल में मरने के लयि क्यों ले आए हो?

यहां न तो रोटी है, और न पानी, और हमारे प्राण इस नकिम्मी रोटी से दुखति हैं।

6 सो यहोवा ने उन लोगों में तेज वषि वाले सांप भेजे, जो उन को डसने लगे, और बहुत से इस्त्राएली मर गए।

7 तब लोग मूसा के पास जा कर कहने लगे, हम ने पाप कयिा है, कि हम ने यहोवा के और तेरे वरिुद्ध बातें की हैं;

यहोवा से प्रार्थना कर, कि वह सांपों को हम से दूर करे। तब मूसा ने उनके लयि प्रार्थना की।

8 यहोवा ने मूसा से कहा एक तेज वषि वाले सांप की प्रतमिा बनवाकर खम्भे पर लटका;

तब जो सांप से डसा हुआ उसको देख ले वह जीवति बचेगा।

9 सो मूसा ने पीतल को एक सांप बनवाकर खम्भे पर लटकाया;

तब सांप के डसे हुओं में से जसि जसिने उस पीतल के सांप को देखा वह जीवति बच गया।

यहोशू वादा किया देश में इसराइल ले लिया! 1405 ईसा पूर्व की

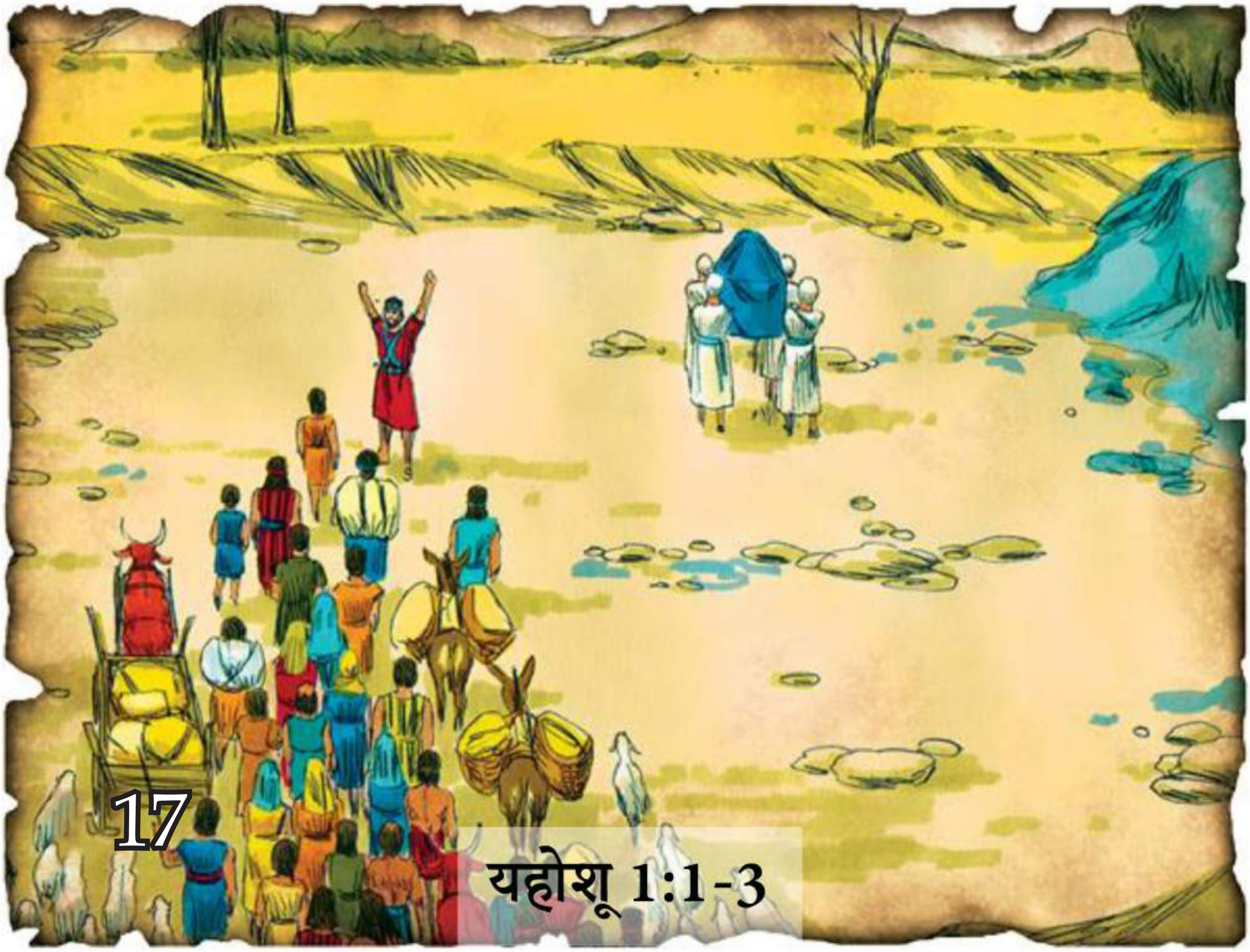

1 यहोवा के दास मूसा की मृत्यु के बाद यहोवा ने उसके सेवक यहोशू से जो नून का पुत्र था कहा, 2 मेरा दास मूसा मर गया है;
सो अब तू उठ, कमर बान्ध, और इस सारी प्रजा समेत यरदन पार हो कर उस देश को जा जिसे मैं उन को अर्थात इस्राएलियों को देता हूं।
3 उस वचन के अनुसार जो मैं ने मूसा से कहा, अर्थात जिस जिस स्थान पर तुम पांव धरोगे वह सब मैं तुम्हे दे देता हूं।

यहोशू 3:10

10 और यहोशू कहने लगा, कि इस से तुम जान लोगे कि जीवित ईश्वर तुम्हारे मध्य में है, और वह तुम्हारे सामहने से निःसन्देह कनानियों, हित्तियों, हिव्वियों, परिज्जियों, गिर्गाशियों, एमोरियों, और यबूसियों को उनके देश में से निकाल देगा।

यहोशू 3:14-16

14 सो जब प्रजा के लोगों ने अपने डेरों से यरदन पार जाने को कूच किया, और याजक वाचा का सन्दूक उठाए हुए प्रजा के आगे आगे चले,
15 और सन्दूक के उठाने वाले यरदन पर पहुंचे, और सन्दूक के उठाने वाले याजकों के पांव यरदन के तीर के जल में डूब गए
(यरदन का जल तो कटनी के समय के सब दिन कड़ारों के ऊपर ऊपर बहा करता है), 16 तब जो जल ऊपर की ओर से बहा आता था वह बहुत दूर,
अर्थात आदाम नगर के पास जो सारतान के निकट है रूककर एक ढेर हो गया, और दीवार सा उठा रहा, और जो जल अराबा का ताल,
जो खारा ताल भी कहलाता है, उसकी ओर बहा जाता था, वह पूरी रीति से सूख गया; और प्रजा के लाग यरीहो के साम्हने पार उतर गए।

गिदोन, 300 पुरुषों और भगवान राष्ट्र उद्धार! 1190 ईसा पूर्व की

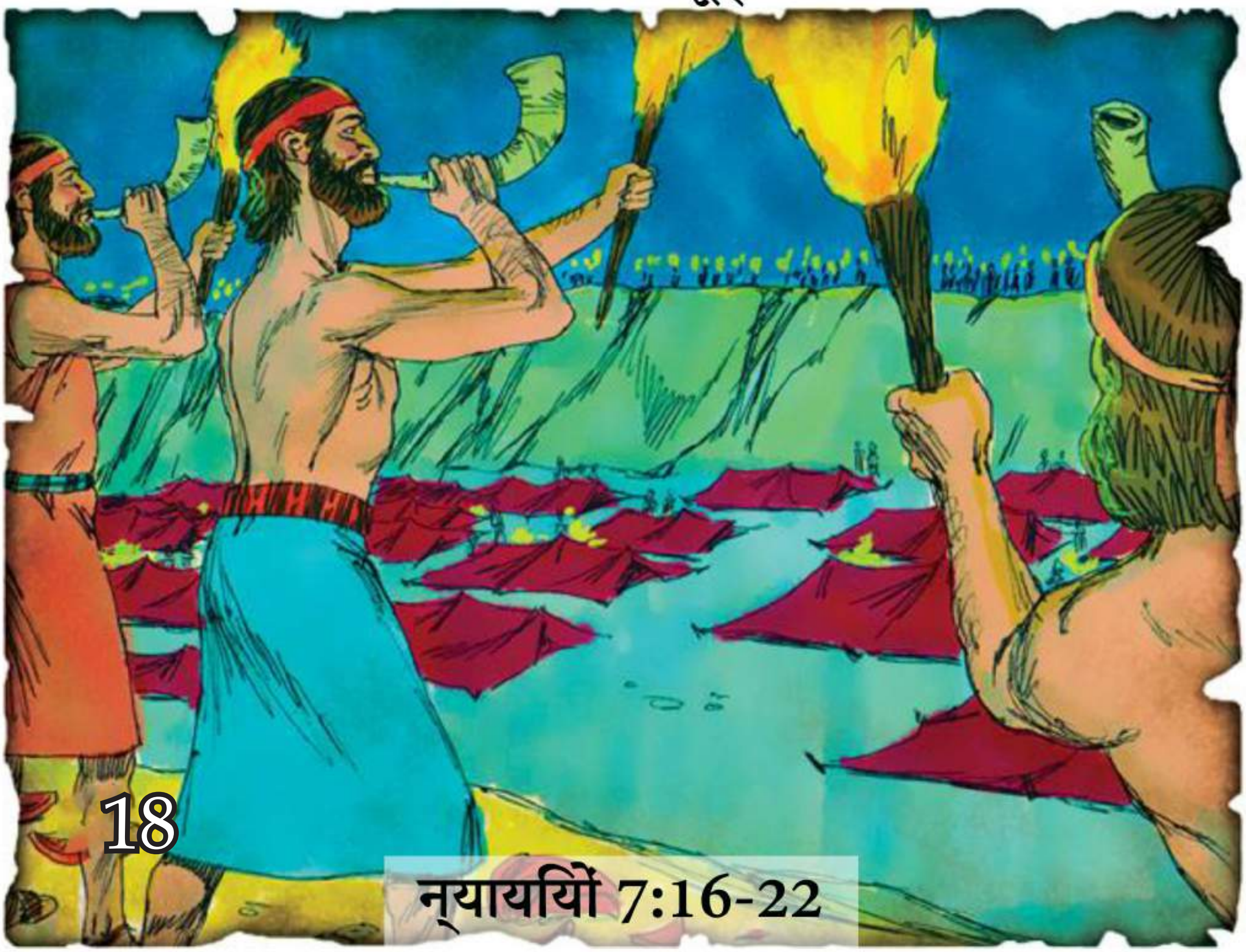

16 तब उसने उन तीन सौ पुरूषों के तीन झुण्ड किए, और एक एक पुरुष के हाथ में एक नरसिंगा और खाली घड़ा दिया,
और घड़ों के भीतर एक मशाल थी। 17 फिर उसने उन से कहा, मुझे देखो, और वैसा ही करो; सुनो,
जब मै उस छावनी की छोर पर पहुंचूं, तब जैसा मै करूं वैसा ही तुम भी करना।
18 अर्थात जब मैं और मेरे सब संगी नरसिंगा फूंकें तब तुम भी छावनी की चारों ओर नरसिंगे फूंकना,
और ललकारना, कि यहोवा की और गिदोन की तलवार॥ 19 बीच वाले पहर के आदि में ज्योंही पहरूओं की बदली हो गई थी
त्योंही गिदोन अपने संग के सौ पुरूषों समेत छावनी की छोर पर गया; और नरसिंगे को फूंक दिया
और अपने हाथ के घड़ों को तोड़ डाला। 20 तब तीनों झुण्डों ने नरसिंगों को फूंका और घड़ों को तोड़ डाला;
और अपने अपने बाएं हाथ में मशाल और दाहिने हाथ में फूंकने को नरसिंगा लिए हुए चिल्ला उठे, यहोवा की तलवार
और गिदोन की तलवार। 21 तब वे छावनी के चारों ओर अपने अपने स्थान पर खड़े रहे, और सब सेना के लोग दौड़ने लगे;
और उन्होंने चिल्ला चिल्लाकर उन्हें भगा दिया। 22 और उन्होंने तीन सौ नरसिंगों को फूंका,
और यहोवा ने एक एक पुरूष की तलवार उसके संगी पर और सब सेना पर चलवाई; तो सेना के लोग सरेरा की
ओर बेतशित्ता तब और तब्बात के पास के आबेलमहोला तक भाग गए।

भगवान इसराइल के लिए अपनी पहली राजा देता है! राजा शाऊल! 1050 ईसा पूर्व की

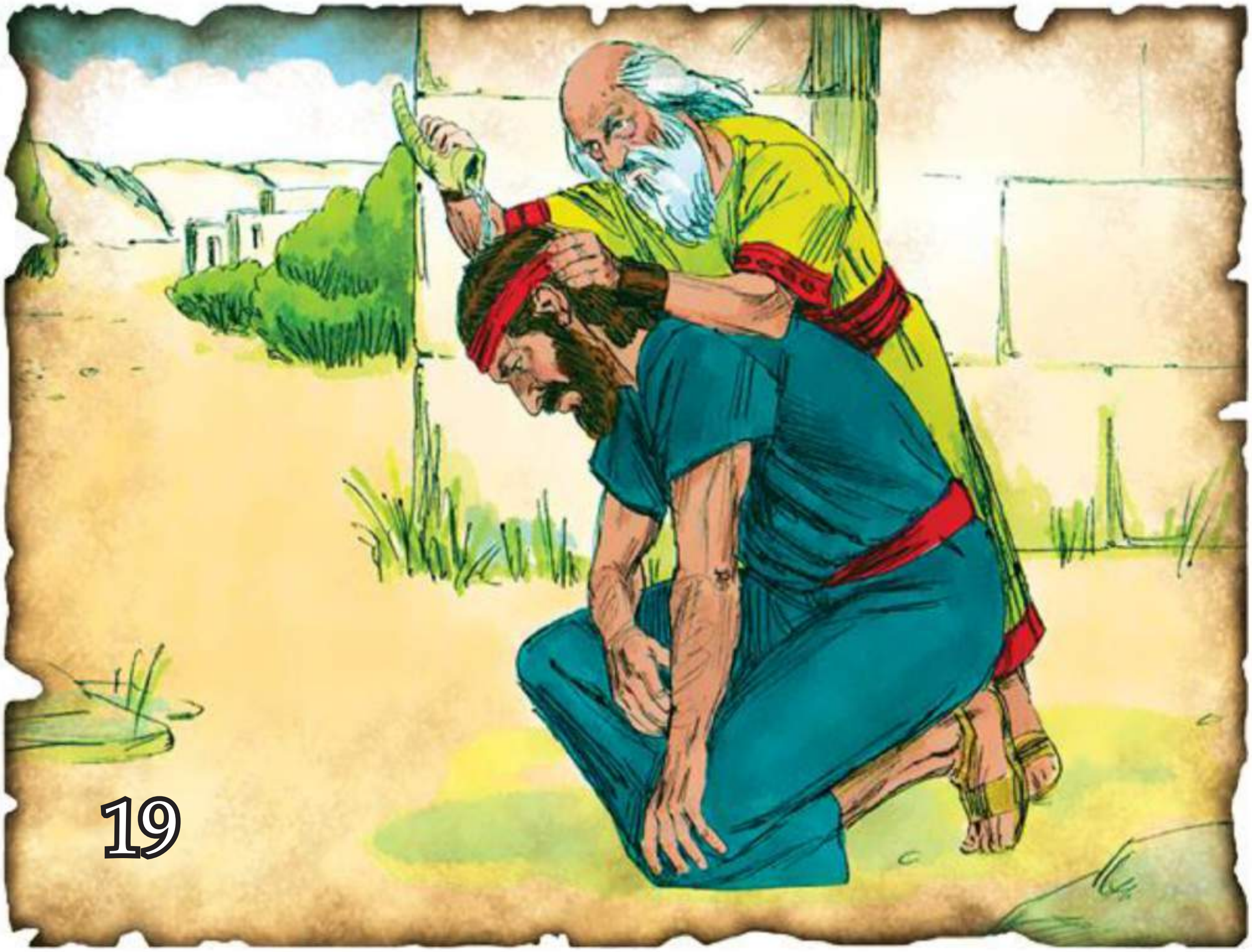

1 शमूएल 9:1-2

1 बिन्यामीन के गोत्र में कीश नाम का एक पुरुष था, जो अपनीह के पुत्र बकोरत का परपोता, और सरोर का पोता,
और अबीएल का पुत्र था; वह एक बिन्यामीनी पुरुष का पुत्र और बड़ा शक्तिशाली सूरमा था।
2 उसके शाऊल नाम एक जवान पुत्र था, जो सुन्दर था, और इस्राएलियों में कोई उस से बढ़कर सुन्दर न था;
वह इतना लम्बा था कि दूसरे लोग उसके कान्धे ही तक आते थे।

भगवान उनकी अपने दलि के बाद एक राजा चुनता है ! राजा दाऊद ! 1018 ईसा पूर्व की

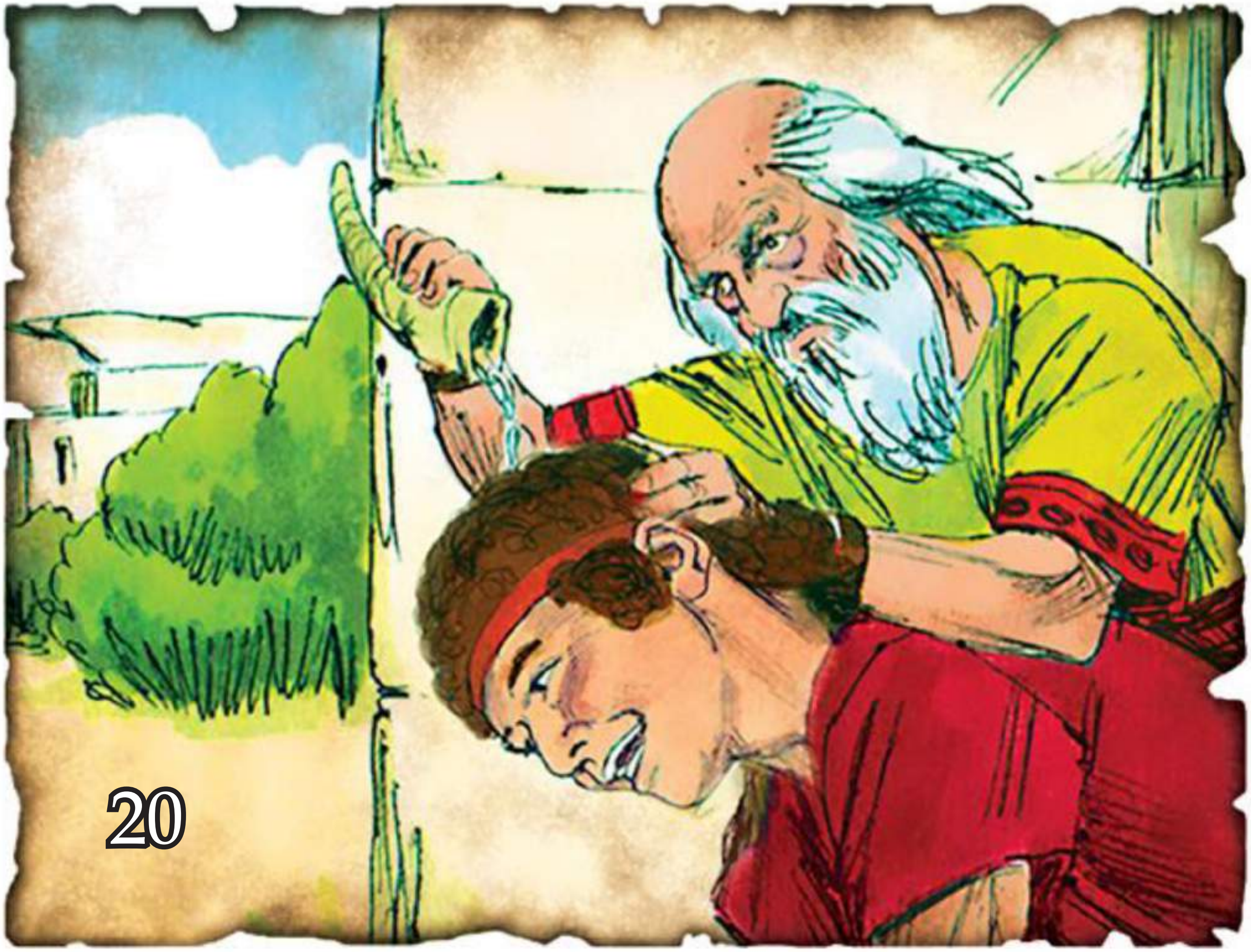

1 शमूएल 16:7

7 परन्तु यहोवा ने शमूएल से कहा, न तो उसके रूप पर दृष्टि कर, और न उसके डील की ऊंचाई पर,

क्योंकि मैं ने उसे अयोग्य जाना है; क्योंकि यहोवा का देखना मनुष्य का सा नहीं है;

मनुष्य तो बाहर का रूप देखता है, परन्तु यहोवा की दृष्टि मन पर रहती है।

भगवान दाऊद से स्थापति करता वाचा, जो यीशु मसीहा से आ जाएगा! 1010 ईसा पूर्व की

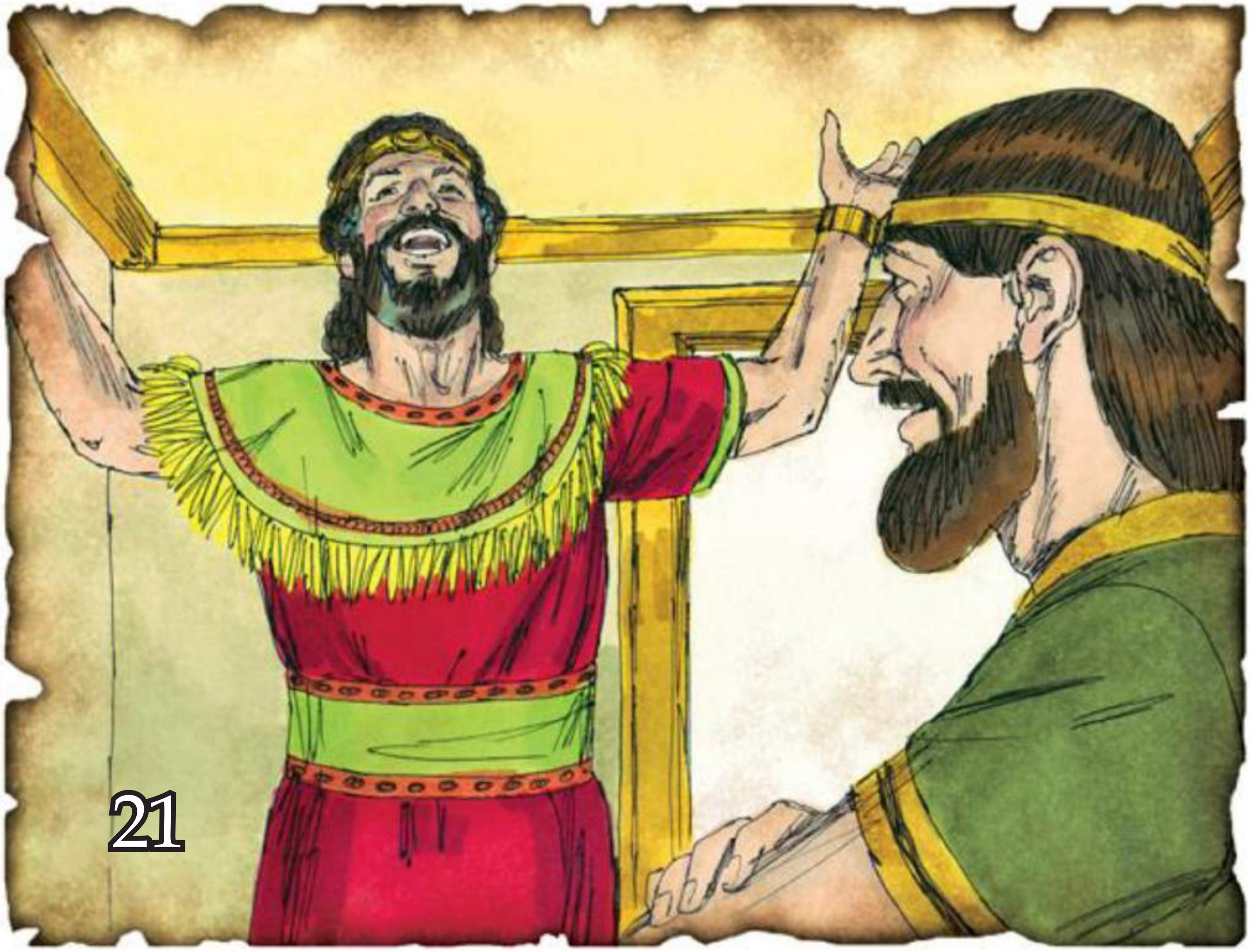

2 शमूएल 7:8-16

8 इसलिये अब तू मेरे दास दाऊद से ऐसा कह, कि सेनाओं का यहोवा यों कहता है, कि मै ने तो तुझे भेड़शाला से,
और भेड़-बकरियों के पीछे पीछे फिरने से, इस मनसा से बुला लिया कि तू मेरी प्रजा इस्राएल का प्रधान हो जाए।
9 और जहां कहीं तू आया गया, वहां वहां मै तेरे संग रहा, और तेरे समस्त शत्रुओं को तेरे साम्हने से नाश किया है; फिर मै तेरे नाम को पृथ्वी
पर के बड़े बड़े लोगों के नामों के समान महान कर दूंगा। 10 और मै अपनी प्रजा इस्राएल के लिये एक स्थान ठहराऊंगा, और उसको स्थिर करूंगा,
कि वह अपने ही स्थान मे बसी रहेगी, और कभी चलायमान न होगी; और कुटिल लोग उसे फिर दु:ख न देने पाएंगे, जैसे कि पहिले दिनों में करते थे,
11 वरन उस समय से भी जब मै अपनी प्रजा इस्राएल के ऊपर न्यायी ठहराता था; और मै तुझे तेरे समस्त शत्रुओं से विश्राम दूंगा।
और यहोवा तुझे यह भी बताता है कि यहोवा तेरा घर बनाए रखेगा। 12 जब तेरी आयु पूरी हो जाएगी, और तू अपने पुरखाओं के संग सो जाएगा,
तब मै तेरे निज वंश को तेरे पीछे खड़ा करके उसके राज्य को स्थिर करूंगा। 13 मेरे नाम का घर वही बनवाएगा, और मै उसकी राजगद्दी को सदैव स्थिर रखूंगा।
14 मै उसका पिता ठहरूंगा, और वह मेरा पुत्र ठहरेगा। यदि वह अधर्म करे, तो मै उसे मनुष्यों के योग्य दण्ड से, और आदमियों के योग्य मार से ताड़ना दूंगा।
15 परन्तु मेरी करुणा उस पर से ऐसे न हटेगी, जैसे मै ने शाऊल पर से हटाकर उसको तेरे आगे से दूर किया।
16 वरन तेरा घराना और तेरा राज्य मेरे साम्हने सदा अटल बना रहेगा; तेरी गद्दी सदैव बनी रहेगी।

दाऊद यीशु के बारे में भजन में लखिते ह !1000 ईसा पूर्व कैं

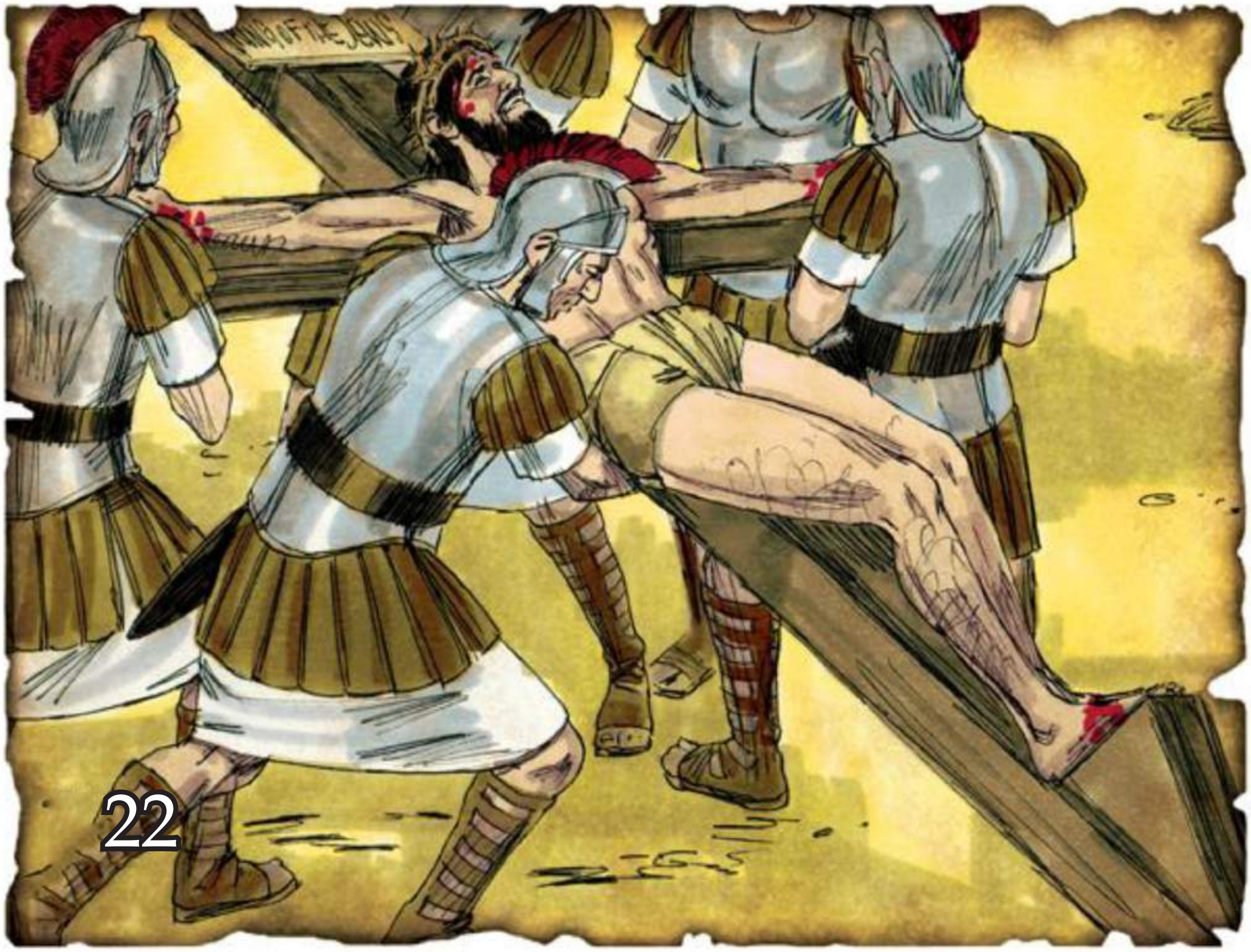

भजन संहति 22:14-18

14 मै जल की नाईं बह गया, और मेरी सब हड्डियों के जोड़ उखड़ गए: मेरा हृदय मोम हो गया, वह मेरी देह के भीतर पघिल गया।

15 मेरा बल टूट गया, मै ठीकरा हो गया; और मेरी जीभ मेरे तालू से चपिक गई; और तू मुझे मारकर मट्टिी में मलिा देता है।

16 क्योंक कुित्तों ने मुझे घेर लयिा है; कुकर्मयिों की मण्डली मेरी चारों ओर मुझे घेरे हुए है; वह मेरे हाथ और मेरे पैर छेदते हैं।

17 मै अपनी सब हड्डियां गनि सकता हूं; वे मुझे देखते और नहिारते हैं;

18 वे मेरे वस्त्र आपस में बांटते हैं, और मेरे पहरिावे पर चट्ठिी डालते हैं।

राजा सुलैमान बनाता भगवान के मंदिर इस्राएल में!
946 ईसा पूर्व की

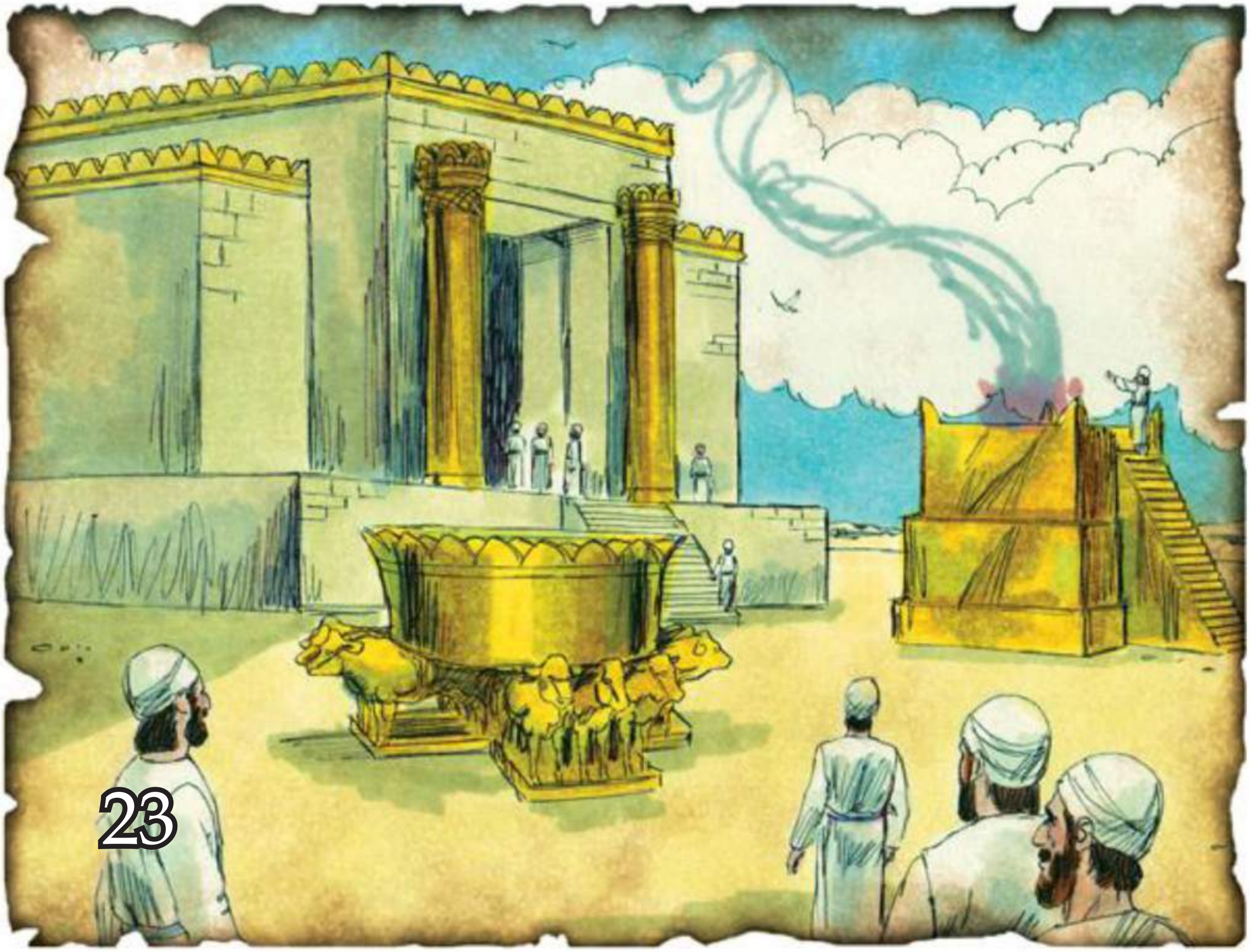

1 राजा 5:4-7

4 परन्तु अब मेरे परमेश्वर यहोवा ने मुझे चारों ओर से विश्राम दिया है और न तो कोई विरोधी है, और न कुछ विपत्ति देख पड़ती है।
5 मै ने अपने परमेश्वर यहोवा के नाम का एक भवन बनवाने को ठाना है अर्थात उस बात के अनुसार जो यहोवा ने मेरे पिता दाऊद से कही थी;
कि तेरा पुत्र जिसे मै तेरे स्थान में गद्दी पर बैठाऊंगा, वही मेरे नाम का भवन बनवाएगा। 6 इसलिये अब तू मेरे लिये लबानोन पर से देवदारु काटने की आज्ञा दे,
और मेरे दास तेरे दासों के संग रहेंगे, और जो कुछ मज़दूरी तू ठहराए, वही मै तुझे तेरे दासों के लिये दूंगा, तुझे मालूम तो है,
कि सीदोनियों के बराबर लकड़ी काटने का भेद हम लोगों में से कोई भी नहीं जानता। 7 सुलैमान की ये बातें सुनकर, हीराम बहुत आनन्दित हुआ,
और कहा, आज यहोवा धन्य है, जिसने दाऊद को उस बड़ी जाति पर राज्य करने के लिये एक बुद्धिमान पुत्र दिया है।

10 उत्तरी जनजातियों कैद में किया जाता है अश्शूर से! - 722 ईसा पूर्व की

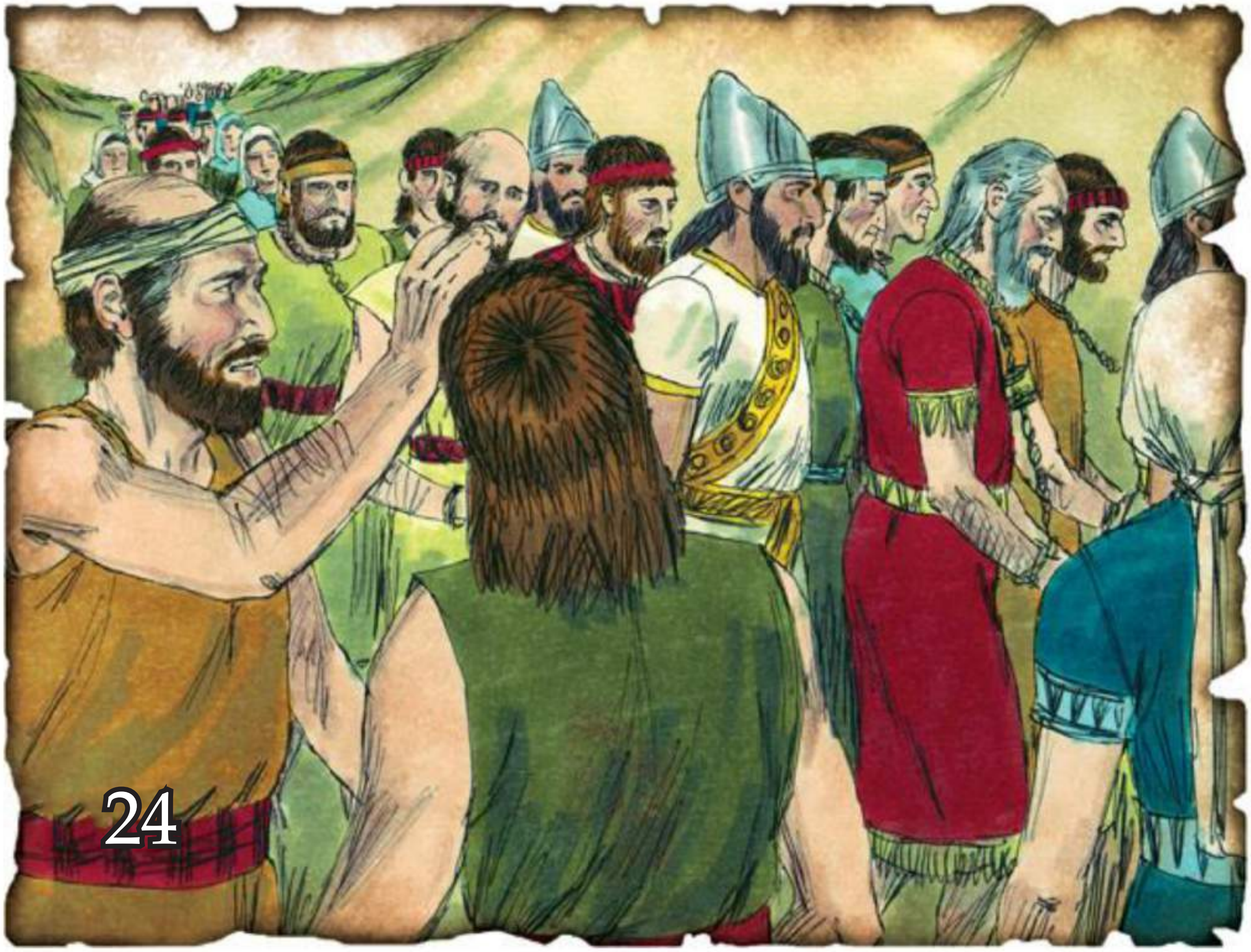

2 राजा 15:27-29

27 यहूदा के राजा अजर्याह के बावनवें वर्ष में रमल्याह का पुत्र पेकह शोमरोन में इस्राएल पर राज्य करने लगा, और बीस वर्ष
तक राज्य करता रहा। 28 उसने वह किया, जो यहोवा की दृष्टि में बुरा था, अर्थात नबात के पुत्र यारोबाम, जिसने इस्राऐल से पाप कराया था,
उसके पापों के अनुसार वह करता रहा, और उन से वह अलग न हुआ। 29 इस्राएल के राजा पेकह के दिनों में अश्शूर के राजा तिग्लत्पिलेसेर
ने आकर इय्योन, अबेल्बेत्माका, यानोह, केदेश और हासोर नाम नगरों को और गिलाद और गालील,
वरन नप्ताली के पूरे देश को भी ले लिया, और उनके लोगों को बन्धुआ कर के अश्शूर को ले गया।

भगवान एक उद्धारक जो सभी मानव जाति आशीष देगा वादा किया! 711 ईसा पूर्व की

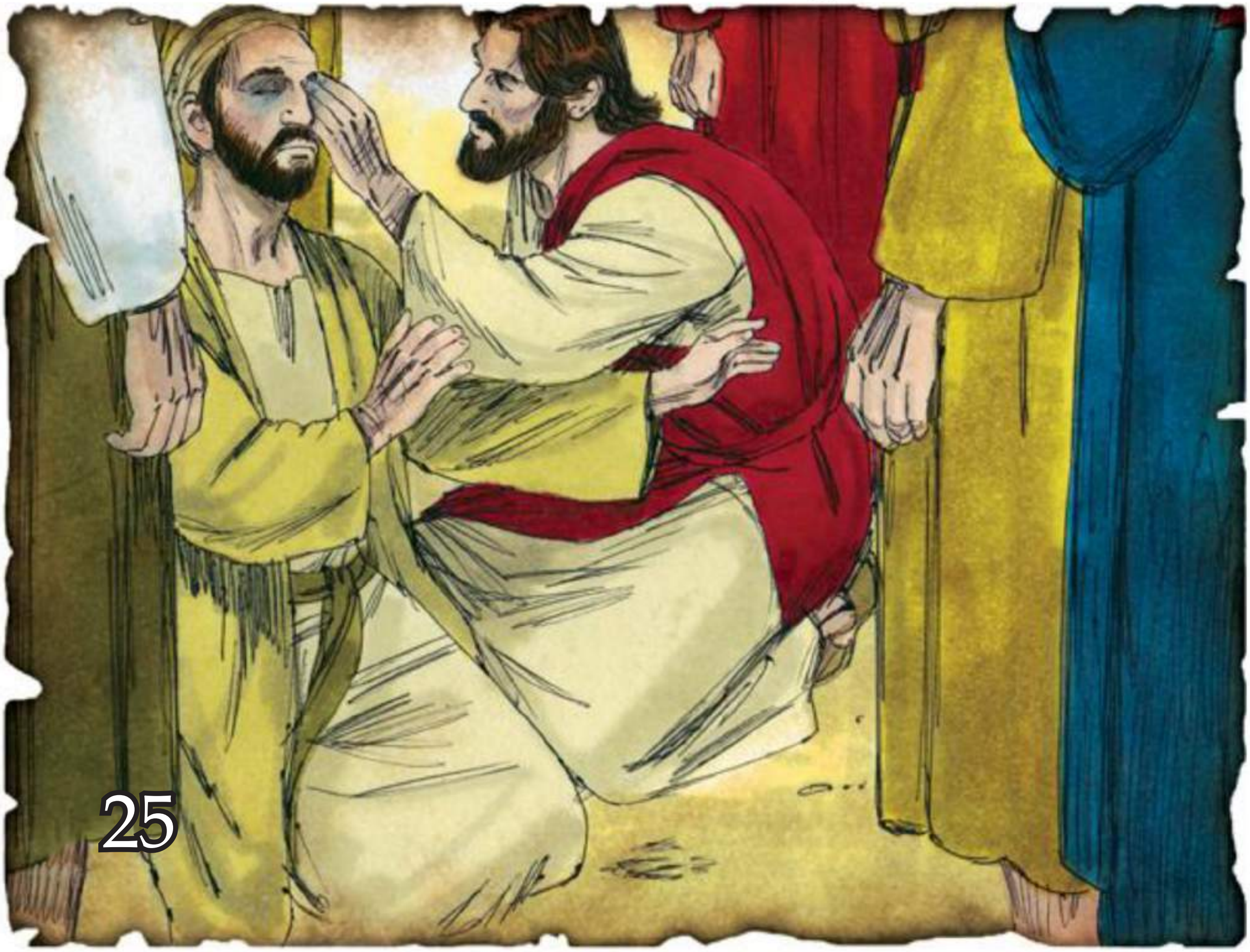

यशायाह 42:6-7

6 मुझ यहोवा ने तुझ को धर्म से बुला लिया है; मै तेरा हाथ थाम कर तेरी रक्षा करूंगा; मै तुझे प्रजा के लिये वाचा
और जातियों के लिये प्रकाश ठहराऊंगा; कि तू अन्धों की आंखें खोले,
7 बंधुओं को बन्दीगृह से निकाले और जो अन्धियारे में बैठे है उन को काल कोठरी से निकाले।

यीशु के बारे में यशायाह की भविष्यिद्वाणी ! 711 ईसा पूर्व की

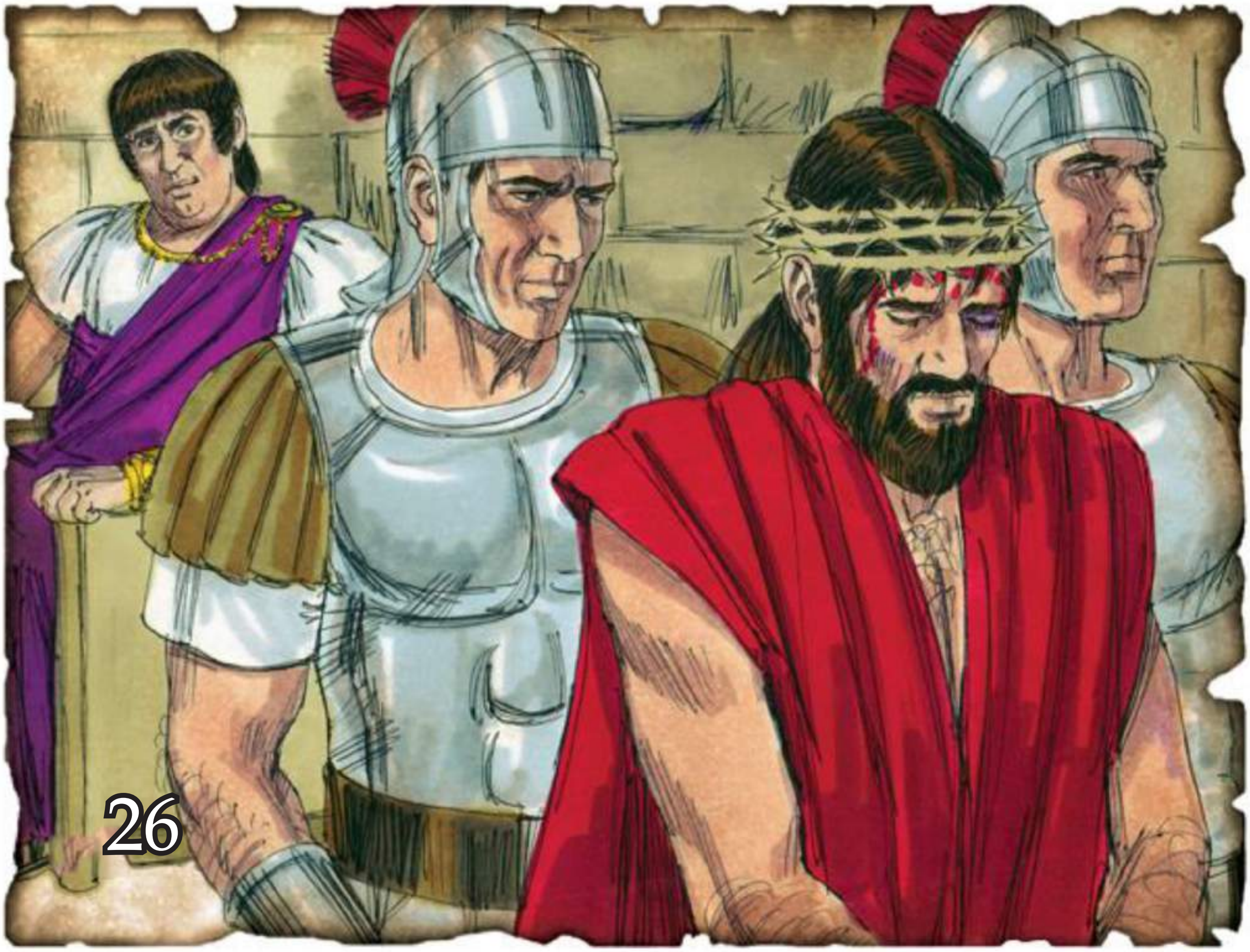

यशायाह 53: 4-6

4 निश्चय उसने हमारे रोगों को सह लिया और हमारे ही दु:खों को उठा लिया; तौभी हम ने उसे परमेश्वर का मारा-कूटा
और दुर्दशा में पड़ा हुआ समझा। 5 परन्तु वह हमारे ही अपराधो के कारण घायल किया गया, वह हमारे अधर्म के कामों के हेतु कुचला गया;
हमारी ही शान्ति के लिये उस पर ताड़ना पड़ी कि उसके कोड़े खाने से हम चंगे हो जाएं। 6 हम तो सब के सब भेड़ों की नाईं भटक गए थे;
हम में से हर एक ने अपना अपना मार्ग लिया; और यहोवा ने हम सभों के अधर्म का बोझ उसी पर लाद दिया॥

डैनयिल राजा नबूकदनेस्सर की ड्रीम व्याख्या !
604 ईसा पूर्व की

दानयि्येल 2: 36-45

27

36 स्वपन तो यों ही हुआ; और अब हम उसका फल राजा को समझा देते है। 37 हे राजा, तू तो महाराजाधरिाज है, क्योंकि स्वर्ग के परमेश्वर ने
तुझ को राज्य, सामर्थ, शक्ति और महिमा दी है, 8 और जहां कहीं मनुष्य पाए जाते हैं, वहां उसने उन सभों को, और मैदान के जीवजन्तु,
और आकाश के पक्षी भी तेरे वश में कर दिए हैं; और तुझ को उन सब का अधिकारी ठहराया है। यह सोने का सरि तू ही है।
39 तेरे बाद एक राज्य और उदय होगा जो तुझ से छोटा होगा; फरि एक और तीसरा पीतल का सा राज्य होगा जसि में सारी पृथ्वी आ जाएगी।
40 और चौथा राज्य लोहे के तुल्य मजबूत होगा; लोहे से तो सब वस्तुएं चूर चूर हो जाती और पसि जाती हैं;
इसलयि जसि भांति लोहे से वे सब कुचली जाती हैं, उसी भांति, उस चौथे राज्य से सब कुछ चूर चूर हो कर पसि जाएगा।
41 और तू ने जो मूर्ति के पांवों और उनकी उंगलयिों को देखा, जो कुछ कुम्हार की मिट्टी की और कुछ लोहे की थीं, इस से वह चौथा राज्य बटा हु
आ होगा; तौभी उस में लोहे का सा कड़ापन रहेगा, जैसे कि तू ने कुम्हार की मिट्टी के संग लोहा भी मिला हुआ देखा था।
42 और जैसे पांवों की उंगलयिां कुछ तो लोहे की और कुछ मिट्टी की थीं, इसका अर्थ यह है, कि वह राज्य कुछ तो दृढ़ और कुछ निर्बल होगा।
43 और तू ने जो लोहे को कुम्हार की मिट्टी के संग मिला हुआ देखा, इसका अर्थ यह है, कि उस राज्य के लोग एक दूसरे मनुष्यों से मिले जुले तो रहेंगे,
परन्तु जैसे लोहा मिट्टी के साथ मेल नहीं खाता, वैसे ही वे भी एक न बने रहेंगे। 44 और उन राजाओं के दिनों में स्वर्ग का परमेश्वर,
एक ऐसा राज्य उदय करेगा जो अनन्तकाल तक न टूटेगा, और न वह किसी दूसरी जाति के हाथ में किया जाएगा। वरन वह उन सब राज्यों को चूर चूर करेगा,
और उनका अन्त कर डालेगा; और वह सदा स्थिर रहेगा; 45 जैसा तू ने देखा कि एक पत्थर किसी के हाथ के बिन खोदे पहाड़ में से उखड़ा, और उसने लोहे,
पीतल, मिट्टी, चान्दी, और सोने को चूर चूर किया, इसी रीति महान् परमेश्वर ने राजा को जताया है कि इसके बाद क्या क्या होने वाला है।
न स्वप्न में और न उसके फल में कुछ सन्देह है॥

दो जनजातियों शेष बाबुल में कैद में ले! 586 ईसा पूर्व की

2 इतहिास 36: 5-8

5 और पीतल की जो वेदी ऊरी के पुत्र बसलेल ने, जो हूर का पोता था, बनाई थी, वह गबिोन में यहोवा के नविास के साम्हने थी।
इसलयि सुलैमान मण्डली समेत उसके पास गया। 6 और सुलैमान ने वहीं उस पीतल की वेदी के पास जा कर, जो यहोवा के साम्हने
मलिापवाले तम्बू के पास थी, उस पर एक हजार होमबलि चिड़ाए। 7 उसी दनि रात को परमेश्वर ने सुलैमान को दर्शन देकर उस से कहा,
जो कुछ तू चाहे कि मैं तुझे दूं, वह मांग। 8 सुलैमान ने परमेश्वर से कहा, तू मेरे पति दाऊद पर बड़ी करुणा करता रहा
और मुझ को उसके स्थान पर राजा बनाया है।

कैद से 70 साल के बारे में यिर्मयाह की भविष्यद्वाणी ! 586 ईसा पूर्व की

यिर्मयाह 25: 8-11

8 इसलिये सेनाओं का यहोवा यों कहता है कि तुम ने जो मेरे वचन नही माने, 9 इसलिये सुनो,

मै उत्तर में रहने वाले सब कुलों को बुलाऊंगा, और अपने दास बाबुल के राजा नबूकदनेस्सर को बुलवा भेजूंगा;

और उन सभों को इस देश और इसके निवासियों के विरुद्ध और इसके आस पास की सब जातियों के विरुद्ध भी ले आऊंगा;

और इन सब देशों का मै सत्यानाश कर के उन्हें ऐसा उजाड़ दूंगा कि लोग इन्हें देख कर ताली बजाएंगे;

वरन ये सदा उजड़े ही रहेंगे, यहोवा की यही वाणी है।

10 और मै ऐसा करूंगा कि इन मे न तो हर्ष और न आनन्द का शब्द सुनाईं पड़ेगा, और न दुल्हे वा दुल्हिन का,

और न चक्की का भी शब्द सुनाई पड़ेगा और न इन में दिया जलेगा।

11 सारी जातियों का यह देश उजाड़ ही उजाड़ होगा, और ये सब जातियां सत्तर वर्ष तक बाबुल के राजा के आधीन रहेंगी।

भगवान इसराइल के लिए एक नया दलि देने का वादा कयिा !
586 ईसा पूर्व की

यर्मियाह 31: 33-34

33 परन्तु जो वाचा मैं उन दनिों के बाद इस्राएल के घराने से बान्धूंगा, वह यह है: मैं अपनी व्यवस्था उनके मन में समवाऊंगा,

और उसे उनके हृदय पर लखिूंगा; और मैं उनका परमेश्वर ठहरूंगा, और वे मेरी प्रजा ठहरेंगे, यहोवा की यह वाणी है।

34 और तब उन्हें फरि एक दूसरे से यह न कहना पड़ेगा कयिहोवा को जानो, क्योंकि यहोवा की यह वाणी है कि छोटे से ले कर बड़े तक,

सब के सब मेरा ज्ञान रखेंगे; क्योंकि मैं उनका अधर्म क्षमा करूंगा, और उनका पाप फरि स्मरण न करूंगा।

देवदूत गैब्रियल डैनियल का दौरा किया और ईसा मसीह की वापसी के बारे में भगवान की भविष्यद्वाणी उद्धार!

539 ईसा पूर्व की

31

दानिय्येल 9: 20-27

20 इस प्रकार मैं प्रार्थना करता, और अपने और अपने इस्राएली जातिभाइयों के पाप का अंगीकार करता हुआ, अपने परमेश्वर यहोवा के सम्मुख
उसके पवित्र पर्वत के लिये गिड़गिड़ाकर बिनती करता ही था, 21 तब वह पुरूष जिब्राएल जिसे मैं ने उस समय देखा जब मुझे पहिले दर्शन हुआ था,
उसने वेग से उड़ने की आज्ञा पाकर, सांझ के अन्नबलि के समय मुझ को छू लिया; और मुझे समझाकर मेरे साथ बातें करने लगा।
22 उसने मुझ से कहा, हे दानिय्येल, मैं तुझे बुद्धि और प्रविणता देने को अभी निकल आया हूं। 23 जब तू गिड़गिड़ाकर बिनती करने लगा,
तब ही इसकी आज्ञा निकली, इसलिये मैं तुझे बताने आया हूं, क्योंकि तू अति प्रिय ठहरा है; इसलिये उस विषय को समझ ले
और दर्शन की बात का अर्थ बूझ ले॥ 24 तेरे लोगों और तेरे पवित्र नगर के लिये सत्तर सप्ताह ठहराए गए है कि उनके अन्त तक अपराध का होना बन्द हो,
और पापों को अन्त और अधर्म का प्रायश्चित्त किया जाए, और युगयुग की धार्मिकता प्रगट होए; और दर्शन की बात पर और भविष्यवाणी पर छाप दी जाए,
और परमपवित्र का अभिषेक किया जाए। 25 सो यह जान और समझ ले, कि यिरूशलेम के फिर बसाने की आज्ञा के निकलने से ले कर अभिषिक्त प्रधान
के समय तक सात सप्ताह बीतेंगे। फिर बासठ सप्ताहों के बीतने पर चौक और खाई समेत वह नगर कष्ट के समय में फिर बसाया जाएगा।
26 और उन बासठ सप्ताहों के बीतने पर अभिषिक्त पुरूष काटा जाएगा: और उसके हाथ कुछ न लगेगा; और आने वाले प्रधान की प्रजा नगर
और पवित्रस्थान को नाश तो करेगी। परन्तु उस प्रधान का अन्त ऐसा होगा जैसा बाढ़ से होता है; तौभी उसके अन्त तक लड़ाई होती रहेगी;
क्योंकि उसका उजड़ जाना निश्चय ठाना गया है। 27 और वह प्रधान एक सप्ताह के लिये बहुतों के संग दृढ़ वाचा बान्धेगा,
परन्तु आधे सप्ताह के बीतने पर वह मेलबलि और अन्नबलि को बन्द करेगा; और कंगूरे पर उजाड़ने वाली घृणित वस्तुएं दिखाई देंगी
और निश्चय से ठनी हुई बात के समाप्त होने तक परमेश्वर का क्रोध उजाड़ने वाले पर पड़ा रहेगा॥

इजरायल के यरूशलेम पर लौटने- मंदरि का पुनर्नरि्माण कयिा जाएगा! 538 ईसा पूर्व की

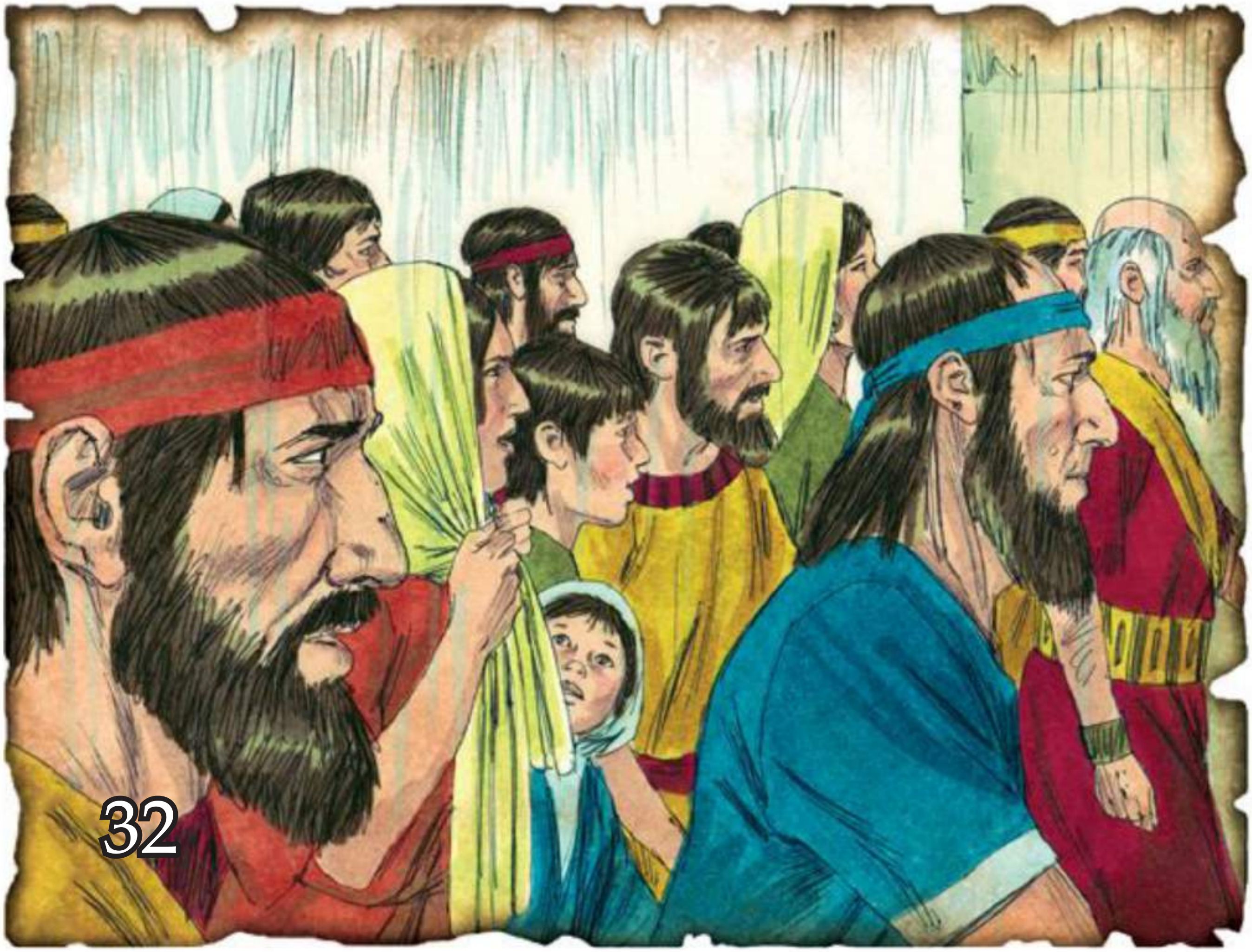

एज्रा 1: 1-3

1 फारस के राजा कुस्रू के पहलि वर्ष में यहोवा ने फारस के राजा कुस्रू का मन उभारा कयिहोवा का जो वचन यरि्मयाह के मुंह से नकिला
था वह पूरा हो जाए, इसलयि उसने अपने समस्त राज्य में यह प्रचार करवाया और लखिवा भी दयिा: 2 कफिारस का राजा कुस्रू यों कहता है:
कस्विर्ग के परमेश्वर यहोवा ने पृथ्वी भर का राज्य मुझे दयिा है, और उसने मुझे आज्ञा दी, कयिहूदा के यरूशलेम में मेरा एक भवन बनवा।
3 उसकी समस्त प्रजा के लोगों में से तुम्हारे मध्य जो कोई हो, उसका परमेश्वर उसके साथ रहे, और वह यहूदा के यरूशलेम को
जा कर इस्राएल के परमेश्वर यहोवा का भवन बनाए - जो यरूशलेम में है वही परमेश्वर है।

मंदिर बहाल किया गया और फिर से बनाया जाता है!
535- 515 ईसा पूर्व

एज्रा 3: 8-11

8 उनके परमेश्वर के भवन में, जो यरूशलेम में है, आने के दूसरे वर्ष के दूसरे महीने में, शालतीएल के पुत्र जरुब्बाबेल ने और योसादाक के पुत्र येशू ने
और उनके और भाइयों ने जो याजक और लेवीय थे, और जितने बन्धुआई से यरूशलेम में आए थे उन्होंने भी काम को आरम्भ किया,
और बीस वर्ष अथवा उस से अधिक अवस्था के लेवियों को यहोवा के भवन का काम चलाने के लिये नियुक्त किया।
9 तो येशू और उसके बेटे और भाई और कदमीएल और उसके बेटे, जो यहूदा की सन्तान थे, और हेनादाद की सन्तान और उनके बेटे परमेश्वर के भवन में
कारीगरों का काम चलाने को खड़े हुए। 10 और जब राजों ने यहोवा के मन्दिर की नेव डाली तब अपने वस्त्र पहिने हुए, और तुरहियां लिये हुए याजक,
और झांझ लिये हुए आसाप के वंश के लेवीय इसलिये नियुक्त किए गए कि इस्राएलियों के राजा दाऊद की चलाई हुई रीति के अनुसार यहोवा की स्तुति करें।
11 सो वे यह गा गाकर यहोवा की स्तुति और धन्यवाद करने लगे, कि वह भला है, और उसकी करुणा इस्राएल पर सदैव बनी है।
और जब वे यहोवा की स्तुति करने लगे तब सब लोगों ने यह जान कर कि यहोवा के भवन की नेव अब पड़ रही है, ऊंचे शब्द से जयजयकार किया।

दीवार का पुनर्निर्माण कर रहे हैं, यरूशलेम फरि से बसे हुए है!
433 ईसा पूर्व की

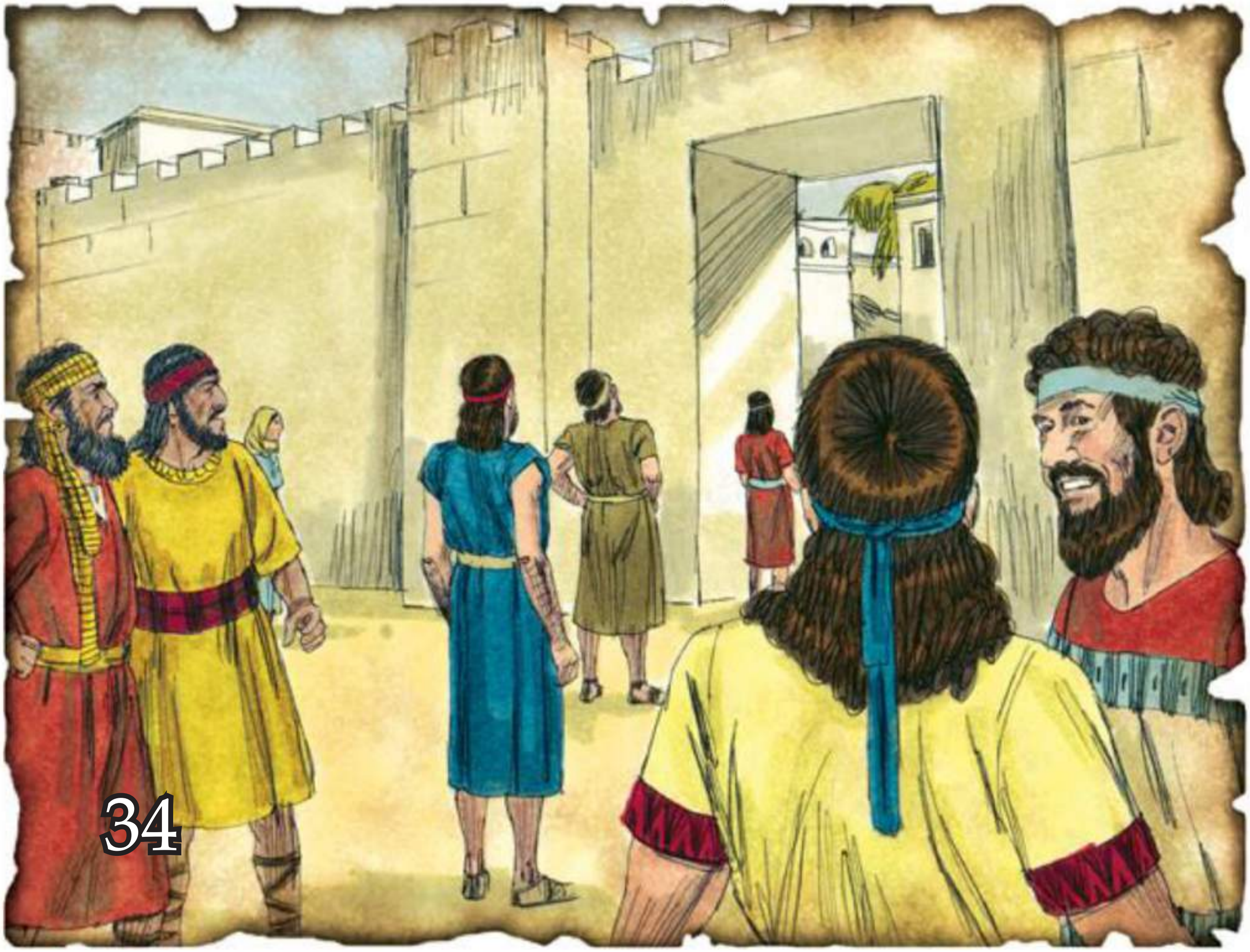

नहेमायाह 12: 27-30

27 और यरूशलेम की शहरपनाह की प्रतष्ठिा के समय लेवीय अपने सब स्थानों में ढूंढ़े गए, कयिरूशलेम को पहुंचाए जाएं,

जसि से आनन्द और धन्यवाद कर के और झांझ, सारंगी और वीणा बजाकर, और गाकर उसकी प्रतष्ठिा करें।

28 तो गवैयों के सन्तान यरूशलेम के चारों ओर के देश से और नतोपातयिों के गांवों से,

29 और बेतगलिगाल से, और गेबा और अज्मावेत के खेतों से इकट्ठे हुए; क्योंकि गवैयों ने यरूशलेम के आस-पास गांव बसा लयि थे।

30 तब याजकों और लेवयिों ने अपने अपने को शुद्ध कयि; और उन्होंने प्रजा को, और फाटकों और शहरपनाह को भी शुद्ध कयि।

यीशु मसीहा पैदा होता है! 4 बी.सी.

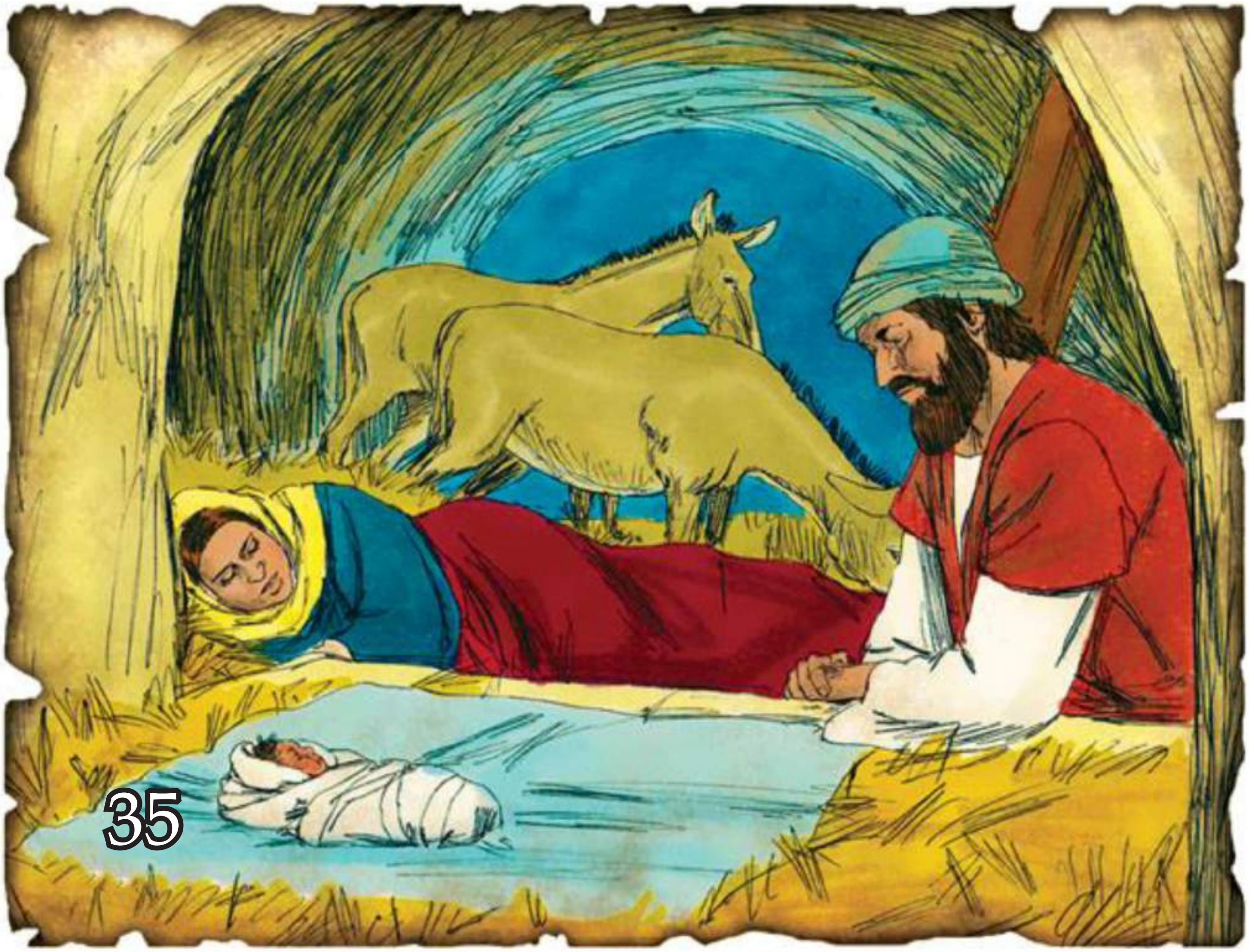

लूका 2: 9-12

9 और प्रभु का एक दूत उन के पास आ खड़ा हुआ; और प्रभु का तेज उन के चारों ओर चमका, और वे बहुत डर गए।

10 तब स्वर्गदूत ने उन से कहा, मत डरो; क्योंकि देखो मैं तुम्हें बड़े आनन्द का सुसमाचार सुनाता हूं जो सब लोगों के लिये होगा।

11 कि आज दाऊद के नगर में तुम्हारे लिये एक उद्धारकर्ता जन्मा है, और यही मसीह प्रभु है।

12 और इस का तुम्हारे लिये यह पता है, कि तुम एक बालक को कपड़े में लपिटा हुआ और चरनी में पड़ा पाओगे।

यीशु जॉन बैपटसि्ट बपतसि्मा कयिा गया है! 27 ईस्वी

यूहन्ना 1: 29-31

29 दूसरे दनि उस ने यीशु को अपनी ओर आते देखकर कहा, देखो, यह परमेश्वर का मेम्ना है, जो जगत के पाप उठा ले जाता है।

30 यह वही है, जसि के वषिय में मैं ने कहा था, कि एक पुरुष मेरे पीछे आता है, जो मुझ से श्रेष्ठ है, क्योंकि वह मुझ से पहलि था।

31 और मैं तो उसे पहचानता न था, परन्तु इसलयि मैं जल से बपतसि्मा देता हुआ आया, कि वह इस्राएल पर प्रगट हो जाए।

मत्ती 3: 13-17

13 उस समय यीशु गलील से यरदन के कनिारे पर यूहन्ना के पास उस से बपतसि्मा लेने आया।

14 परन्तु यूहन्ना यह कहकर उसे रोकने लगा, कि मुझे तेरे हाथ से बपतसि्मा लेने की आवश्यक्ता है, और तू मेरे पास आया है?

15 यीशु ने उस को यह उत्तर दयिा, कि अब तो ऐसा ही होने दे, क्योंकि हमें इसी रीति से सब धामर्कि्ता को पूरा करना उचति है,

तब उस ने उस की बात मान ली। 16 और यीशु बपतसि्मा लेकर तुरन्त पानी में से ऊपर आया, और देखो, उसके लयि आकाश खुल गया;

और उस ने परमेश्वर के आत्मा को कबूतर की नाईं उतरते और अपने ऊपर आते देखा।

17 और देखो, यह आकाशवाणी हुई, कि यह मेरा प्रयि पुत्र है, जसि से मैं अत्यन्त प्रसन्न हूं॥

यीशु ने आराधनालय में उनके मंत्रालय की घोषणा की ! 27 ईस्वी

लूका 4: 16-19

16 और वह नासरत में आया; जहां पाला पोसा गया था; और अपनी रीति के अनुसार सब्त के दिन आराधनालय में जा कर पढ़ने के लिये खड़ा हुआ।

17 यशायाह भविष्यिद्वक्ता की पुस्तक उसे दी गई, और उस ने पुस्तक खोलकर, वह जगह निकाली जहां यह लिखा था।

18 कि प्रभु का आत्मा मुझ पर है, इसलिये कि उस ने कंगालों को सुसमाचार सुनाने के लिये मेरा अभिषेक किया है, और मुझे इसलिये भेजा है,

कि बन्धुओं को छुटकारे का और अन्धों को दृष्टि पाने का सुसमाचार प्रचार करूं और कुचले हुओं को छुड़ाऊं।

19 और प्रभु के प्रसन्न रहने के वर्ष का प्रचार करूं।

यीशु मोचन के भगवान की योजना का नीकुदेमुस बताता है: देखो, वशि्वास करें और जीओ! 27 ईस्वी

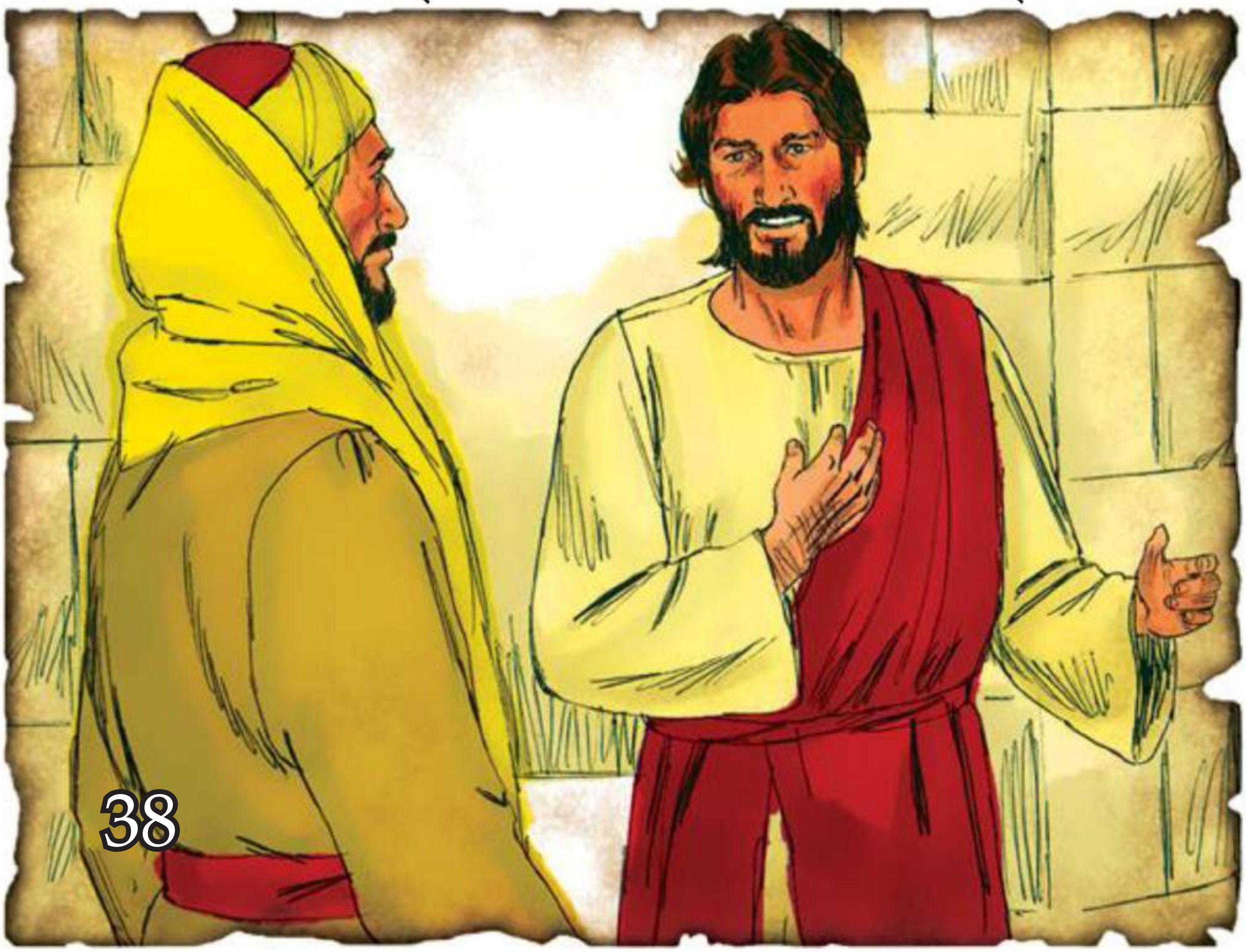

यूहन्ना 3; 14-17

14 और जसि रीतसि मूसा ने जंगल में सांप को ऊंचे पर चढ़ाया, उसी रीतसि अवश्य है कमिनुष्य का पुत्र भी ऊंचे पर चढ़ाया जाए।

15 ताकजिो कोई वशि्वास करे उस में अनन्त जीवन पाए॥

16 क्योंकपिरमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कउिस ने अपना एकलौता पुत्र दे दयिा, ताकजिो कोई उस पर वशि्वास करे,

वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए। 17 परमेश्वर ने अपने पुत्र को जगत में इसलयि नहीं भेजा,

कजिगत पर दंड की आज्ञा दे परन्तु इसलयि कजिगत उसके द्वारा उद्धार पाए।

Numbers 21:8-9

यीशु ने दृष्टान्तों के माध्यम से खोई हुई भेड़ों के बारे में, भगवान के प्यार के बारे में सिखाता है! 28 ईस्वी

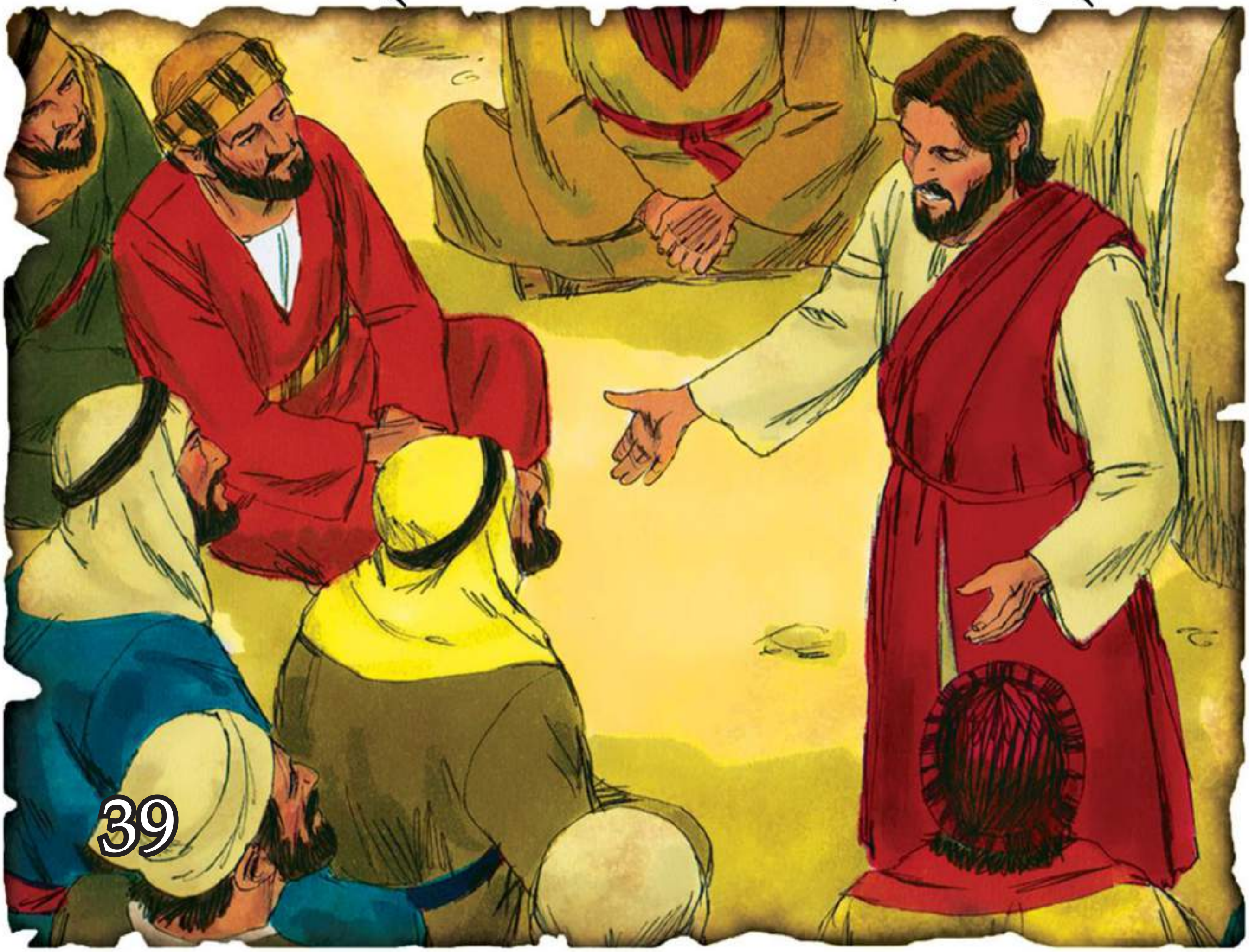

लूका 15: 1-7

1 सब चुंगी लेने वाले और पापी उसके पास आया करते थे ताकि उस की सुनें। 2 और फरीसी और शास्त्री कुड़कुड़ा कर कहने लगे,

कि यह तो पापियों से मिलता है और उन के साथ खाता भी है॥ 3 तब उस ने उन से यह दृष्टान्त कहा।

4 तुम में से कौन है जिस की सौ भेड़ें हों, और उन में से एक खो जाए तो निन्नानवे को जंगल में छोड़कर,

उस खोई हुई को जब तक मिल न जाए खोजता न रहे? 5 और जब मिल जाती है, तब वह बड़े आनन्द से उसे कांधे पर उठा लेता है।

6 और घर में आकर मित्रों और पड़ोसियों को इकट्ठे करके कहता है, मेरे साथ आनन्द करो, क्योंकि मेरी खोई हुई भेड़ मिल गई है।

7 मैं तुम से कहता हूं; कि इसी रीति से एक मन फिरानेवाले पापी के विषय में भी स्वर्ग में इतना ही आनन्द होगा,

जितना कि निन्नानवे ऐसे धर्मियों के विषय नहीं होता, जिन्हें मन फिराने की आवश्यकता नहीं॥

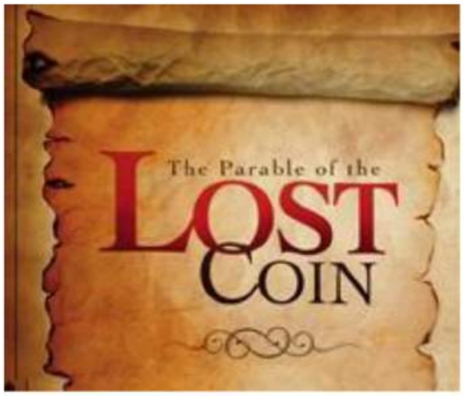

खो गया हुआ सिक्के के दृष्टान्त

लूका 15: 8-10

8 या कौन ऐसी स्त्री होगी, जिस के पास दस सिक्के हों, और उन में से एक खो जाए; तो वह दीया बारकर और घर झाड़ बुहार कर
जब तक मिल न जाए, जी लगाकर खोजती न रहे? 9 और जब मिल जाता है, तो वह अपने सखियों और पड़ोसिनियों को इकट्ठी करके कहती है,
कि मेरे साथ आनन्द करो, क्योंकि मेरा खोया हुआ सिक्का मिल गया है। 10 मैं तुम से कहता हूं; कि इसी रीति से एक मन फिराने वाले
पापी के विषय में परमेश्वर के स्वर्गदूतों के साम्हने आनन्द होता है॥

खर्चीला बेटा

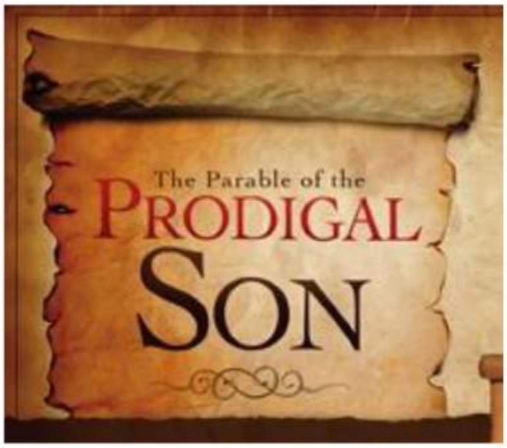

लूका 15: 20-24

20 तब वह उठकर, अपने पिता के पास चला: वह अभी दूर ही था, कि उसके पिता ने उसे देखकर तरस खाया, और दौड़कर उसे गले लगाया,
और बहुत चूमा। 21 पुत्र ने उस से कहा; पिता जी, मैं ने स्वर्ग के विरोध में और तेरी दृष्टि में पाप किया है; और अब इस योग्य नहीं रहा,
कि तेरा पुत्र कहलाऊं। 22 परन्तु पिता ने अपने दासों से कहा; फट अच्छे से अच्छा वस्त्र निकालकर उसे पहिनाओ, और उसके हाथ में अंगूठी,
और पांवों में जूतियां पहिनाओ। 23 और पला हुआ बछड़ा लाकर मारो ताकि हम खांए और आनन्द मनावें।
24 क्योंकि मेरा यह पुत्र मर गया था, फिर जी गया है : खो गया था, अब मिल गया है: और वे आनन्द करने लगे।

यीशु ने मरे हुओं में से लाजर उठाती है !
साबति वह भगवान है! 30 ईस्वी

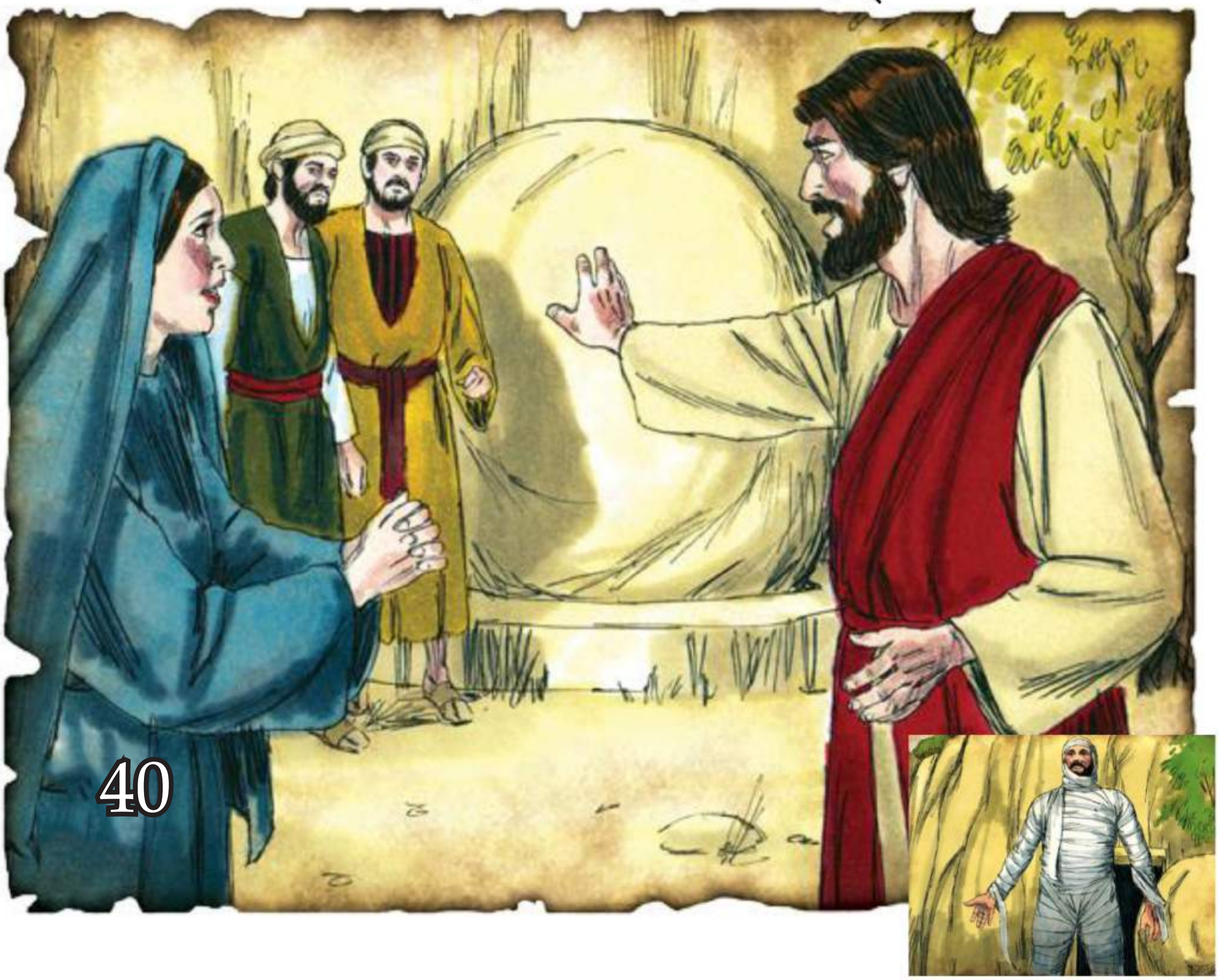

यूहन्ना 11: 25-27

25 यीशु ने उस से कहा, पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूं, जो कोई मुझ पर वश्विास करता है वह यदि मिर भी जाए, तौभी जीएगा।

26 और जो कोई जीवता है, और मुझ पर वश्विास करता है, वह अनन्तकाल तक न मरेगा, क्या तू इस बात पर वश्विास करती है?

27 उस ने उस से कहा, हां हे प्रभु, मैं वश्विास कर चुकी हूं, कि परमेश्वर का पुत्र मसीह जो जगत में आनेवाला था, वह तू ही है।

भगवान का वादा पवित्र आत्मा भेजने के लिए! 30 ईस्वी

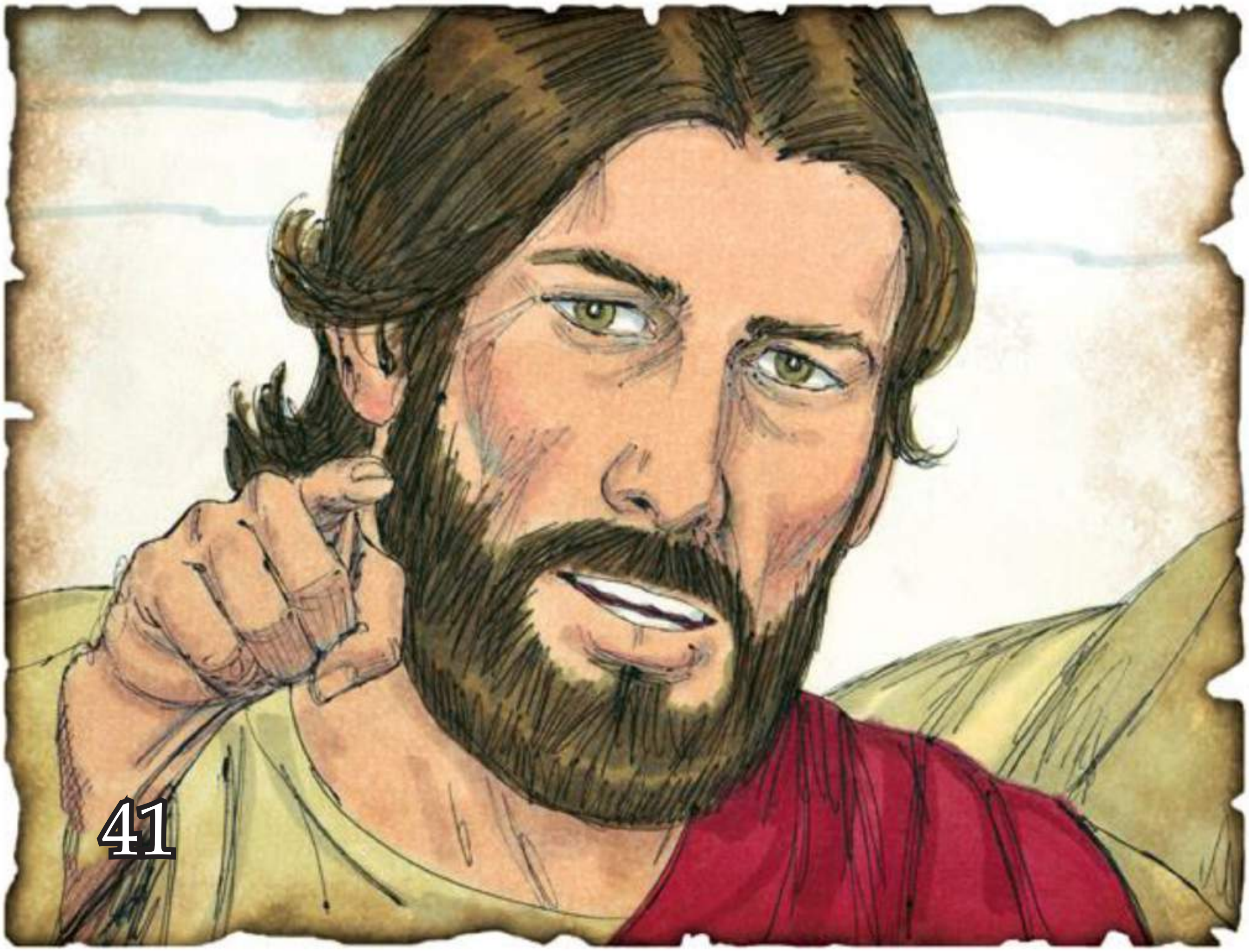

यूहन्ना 16: 13-14

13 परन्तु जब वह अर्थात सत्य का आत्मा आएगा, तो तुम्हें सब सत्य का मार्ग बताएगा, क्योंकि वह अपनी ओर से न कहेगा,

परन्तु जो कुछ सुनेगा, वही कहेगा, और आनेवाली बातें तुम्हें बताएगा।

14 वह मेरी महिमा करेगा, क्योंकि वह मेरी बातों में से लेकर तुम्हें बताएगा।

यीशु ने पतरस आशीर्वाद देता है और उनके चर्च स्थापति करता है ! 30 ईस्वी

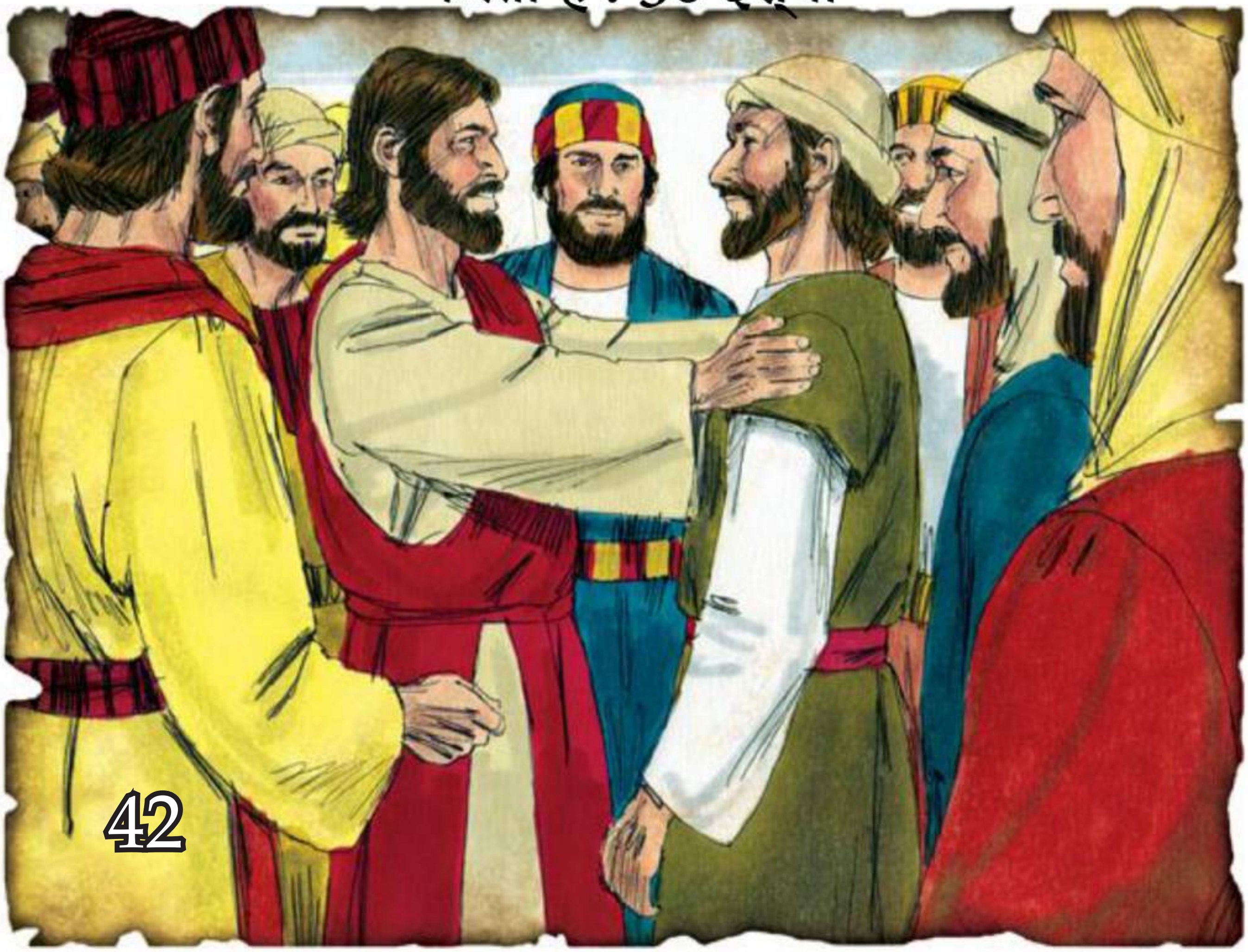

मत्ती 16: 17-19

17 यीशु ने उस को उत्तर दिया, कि हे शमौन योना के पुत्र, तू धन्य है; क्योंकि मांस और लोहू ने नहीं, परन्तु मेरे पिता ने जो स्वर्ग में है,
यह बात तुझ पर प्रगट की है। 18 और मैं भी तुझ से कहता हूं, कि तू पतरस है; और मैं इस पत्थर पर अपनी कलीसिया बनाऊंगा:
और अधोलोक के फाटक उस पर प्रबल न होंगे। 19 मैं तुझे स्वर्ग के राज्य की कुंजियां दूंगा: और जो कुछ तू पृथ्वी पर बान्धेगा,
वह स्वर्ग में बन्धेगा; और जो कुछ तू पृथ्वी पर खोलेगा, वह स्वर्ग में खुलेगा।

यीशु ने हमारे लिए और जो लोगों के लिए प्रार्थना करती है वे बाद में उस पर विश्वास करेगा! 30 ईस्वी

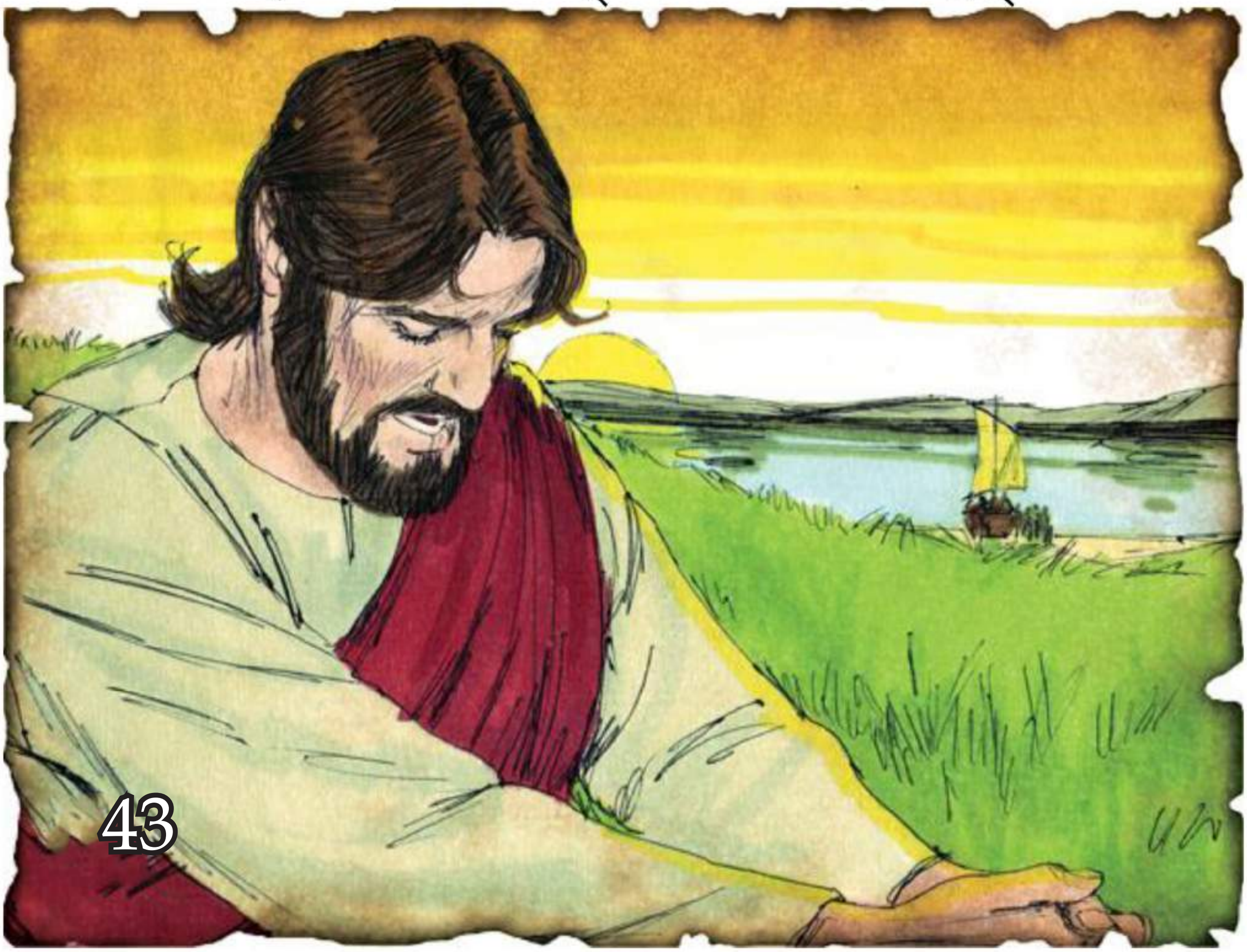

यूहन्ना 17:1-5

1 यीशु ने ये बातें कहीं और अपनी आंखे आकाश की ओर उठाकर कहा, हे पिता, वह घड़ी आ पहुंची, अपने पुत्र की महिमा कर, कि पुत्र भी तेरी महिमा करे।

2 क्योंकि तू ने उस को सब प्राणियों पर अधिकार दिया, कि जिन्हें तू ने उस को दिया है, उन सब को वह अनन्त जीवन दे।

3 और अनन्त जीवन यह है, कि वे तुझ अद्वैत सच्चे परमेश्वर को और यीशु मसीह को, जिसे तू ने भेजा है, जाने।

4 जो काम तू ने मुझे करने को दिया था, उसे पूरा करके मैं ने पृथ्वी पर तेरी महिमा की है।

5 और अब, हे पिता, तू अपने साथ मेरी महिमा उस महिमा से कर जो जगत के होने से पहिले, मेरी तेरे साथ थी।

यूहन्ना 17: 14-18

14 मैं ने तेरा वचन उन्हें पहुंचा दिया है, और संसार ने उन से बैर किया, क्योंकि जैसा मैं संसार का नहीं, वैसे ही वे भी संसार के नहीं।

15 मैं यह बिनती नहीं करता, कि तू उन्हें जगत से उठा ले, परन्तु यह कि तू उन्हें उस दुष्ट से बचाए रख।

16 जैसे मैं संसार का नहीं, वैसे ही वे भी संसार के नहीं।

17 सत्य के द्वारा उन्हें पवित्र कर: तेरा वचन सत्य है।

18 जैसे तू ने जगत में मुझे भेजा, वैसे ही मैं ने भी उन्हें जगत में भेजा।

यीशु ने मानव जाति के पापों के लिए उसकी मौत की भविष्यिवाणी! कोई नहीं समझता! 30 ईस्वी

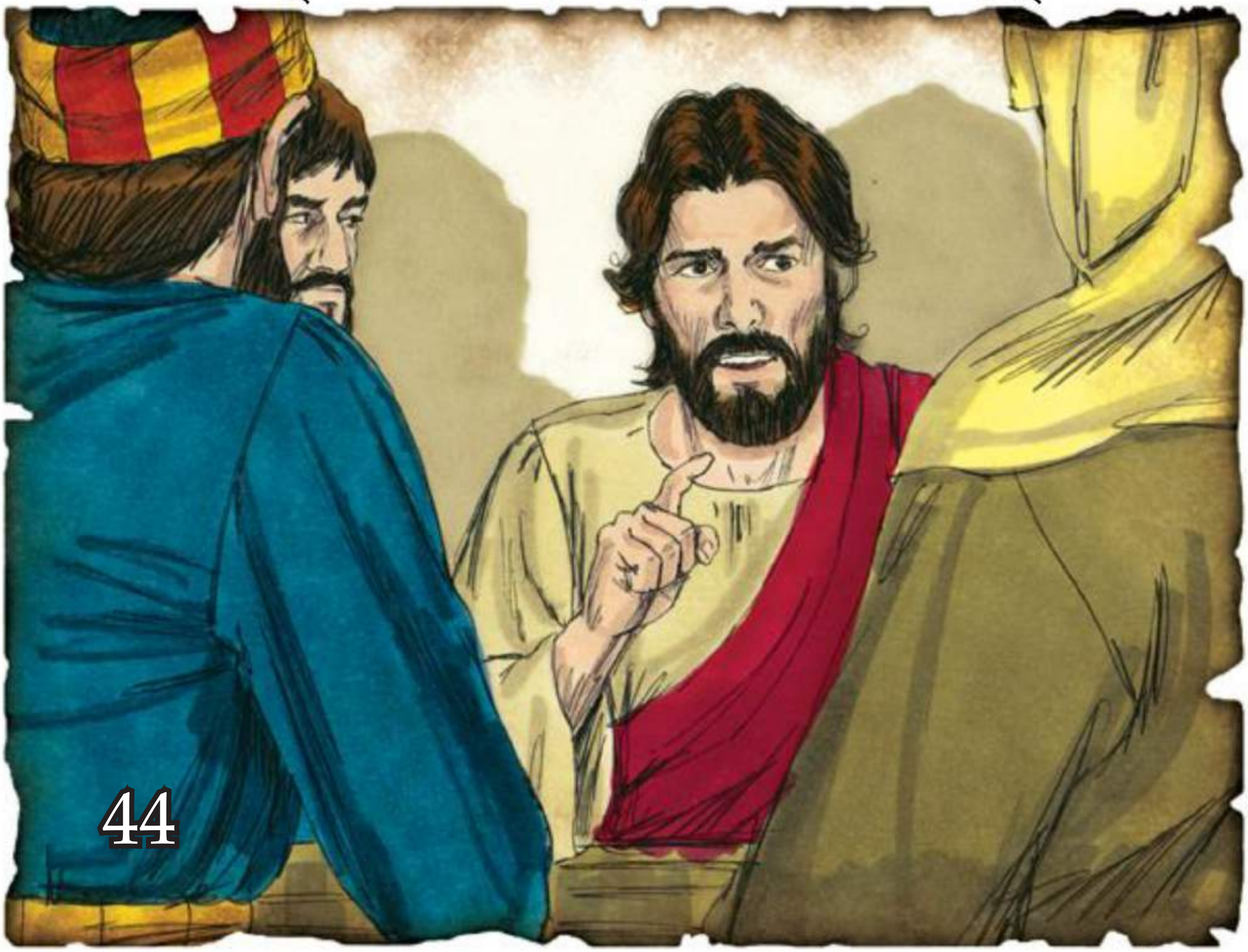

मत्ती 16:21

21 उस समय से यीशु अपने चेलों को बताने लगा, कि मुझे अवश्य है, कि यिरूशलेम को जाऊं, और पुरनियों
और महायाजकों और शास्त्रियों के हाथ से बहुत दुख उठाऊं; और मार डाला जाऊं; और तीसरे दिन जी उठूं।

मत्ती 12: 15-21

15 यह जानकर यीशु वहां से चला गया; और बहुत लोग उसके पीछे हो लिये; और उस ने सब को चंगा किया।
16 और उन्हें चिताया, कि मुझे प्रगट न करना।
17 कि जो वचन यशायाह भविष्यिद्वक्ता के द्वारा कहा गया था, वह पूरा हो।
18 कि देखो, यह मेरा सेवक है, जिसे मैं ने चुना है; मेरा प्रिय, जिस से मेरा मन प्रसन्न है:
मैं अपना आत्मा उस पर डालूंगा; और वह अन्यजातियों को न्याय का समाचार देगा।
19 वह न झगड़ा करेगा, और न धूम मचाएगा; और न बाजारों में कोई उसका शब्द सुनेगा।
20 वह कुचले हुए सरकण्डे को न तोड़ेगा; और धूआं देती हुई बत्ती को न बुझाएगा, जब तक न्याय को प्रबल न कराए।
21 और अन्यजातियां उसके नाम पर आशा रखेंगी।

यशायाह 42: 1-4

नौकर मसीहा यरूशलेम में प्रवेश करती है! 30A.D.

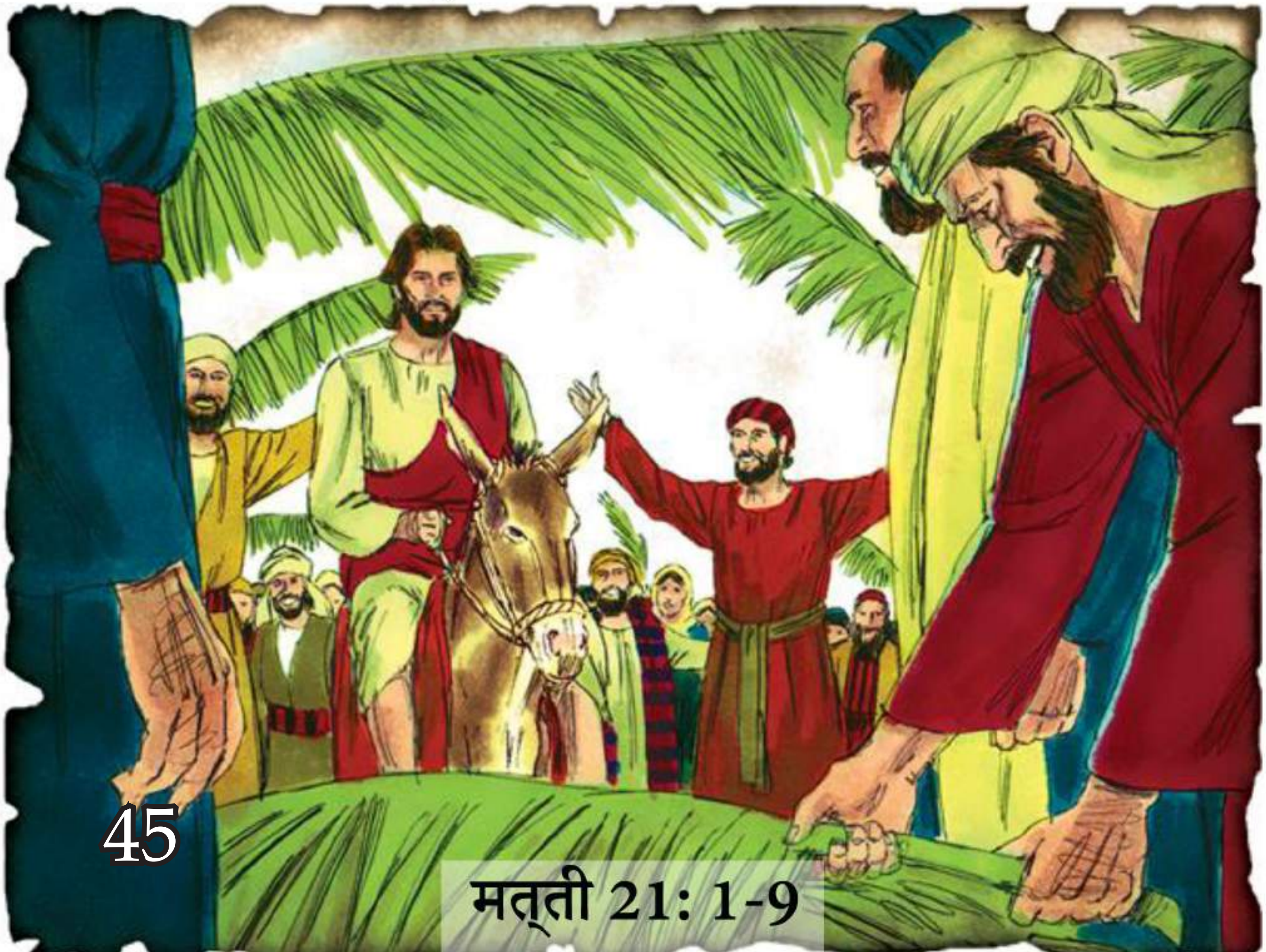

मत्ती 21: 1-9

1 जब वे यरूशलेम के निकट पहुंचे और जैतून पहाड़ पर बैतफगे के पास आए, तो यीशु ने दो चेलों को यह कहकर भेजा।

2 कि अपने साम्हने के गांव में जाओ, वहां पंहुचते ही एक गदही बन्धी हुई, और उसके साथ बच्चा तुम्हें मिलेगा; उन्हें खोलकर, मेरे पास ले आओ।

3 यदि तुम में से कोई कुछ कहे, तो कहो, कि प्रभु को इन का प्रयोजन है: तब वह तुरन्त उन्हें भेज देगा।

4 यह इसलिये हुआ, कि जो वचन भविष्यिद्वक्ता के द्वारा कहा गया था, वह पूरा हो;

5 कि सिय्योन की बेटी से कहो, देख, तेरा राजा तेरे पास आता है; वह नम्र है और गदहे पर बैठा है; वरन लादू के बच्चे पर।

6 चेलों ने जाकर, जैसा यीशु ने उन से कहा था, वैसा ही किया।

7 और गदही और बच्चे को लाकर, उन पर अपने कपड़े डाले, और वह उन पर बैठ गया।

8 और बहुतेरे लोगों ने अपने कपड़े मार्ग में बिछाए, और और लोगों ने पेड़ों से डालियां काट कर मार्ग में बिछाईं।

9 और जो भीड़ आगे आगे जाती और पीछे पीछे चली आती थी, पुकार पुकार कर कहती थी,

कि दाऊद की सन्तान को होशाना; धन्य है वह जो प्रभु के नाम से आता है, आकाश में होशाना।

जकर्याह 9:9

9 हे सिय्योन बहुत ही मगन हो। हे यरूशलेम जयजयकार कर! क्योंकि तेरा राजा तेरे पास आएगा; वह धर्मी और उद्धार पाया हुआ है,

वह दीन है, और गदहे पर वरन गदही के बच्चे पर चढ़ा हुआ आएगा।

भजन संहिता 118: 26

26 धन्य है वह जो यहोवा के नाम से आता है! हम ने तुम को यहोवा के घर से आशीर्वाद दिया है।

यीशु प्रभु फसह भोज मनाता ! भगवान का खाना!
30 ईस्वी

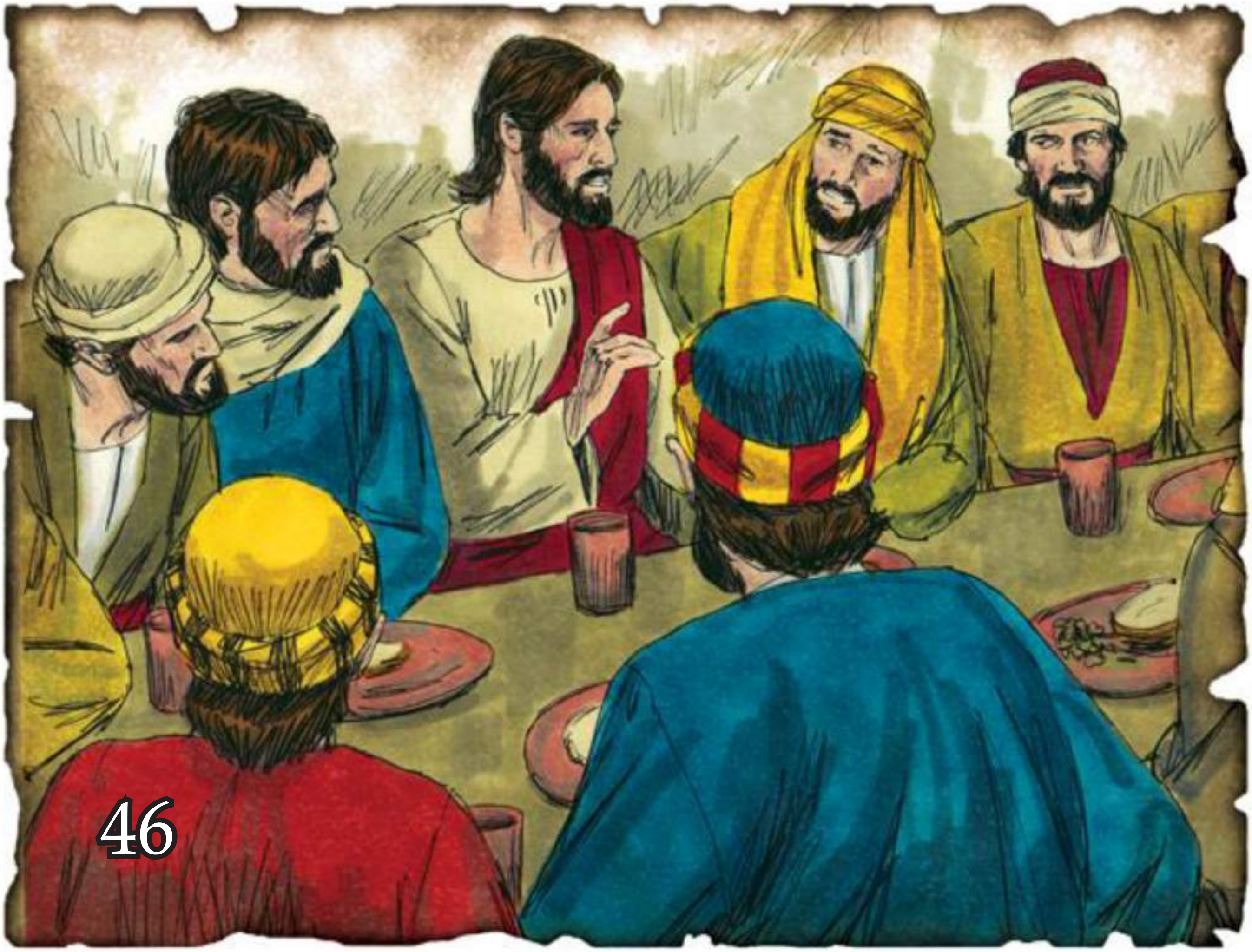

लूका 22: 15-22

15 और उस ने उन से कहा; मुझे बड़ी लालसा थी, कि दुख-भोगने से पहिले यह फसह तुम्हारे साथ खाऊं।
16 क्योंकि मैं तुम से कहता हूं, कि जिब तक वह परमेश्वर के राज्य में पूरा न हो तब तक मैं उसे कभी न खाऊंगा।
17 तब उस ने कटोरा लेकर धन्यवाद किया, और कहा, इस को लो और आपस में बांट लो।
18 क्योंकि मैं तुम से कहता हूं, कि जिब तक परमेश्वर का राज्य न आए तब तक मैं दाख रस अब से कभी न पीऊंगा।
19 फिर उस ने रोटी ली, और धन्यवाद करके तोड़ी, और उन को यह कहते हुए दी, कि यह मेरी देह है, जो तुम्हारे लिये दी जाती है:
मेरे स्मरण के लिये यही किया करो।
20 इसी रीति से उस ने बियारी के बाद कटोरा भी यह कहते हुए दिया कि यह कटोरा मेरे उस लोहू में जो तुम्हारे लिये बहाया जाता है नई वाचा है।
21 पर देखो, मेरे पकड़वाने वाले का हाथ मेरे साथ मेज पर है।
22 क्योंकि मनुष्य का पुत्र तो जैसा उसके लिये ठहराया गया जाता ही है, पर हाय उस मनुष्य पर, जिस के द्वारा वह पकड़वाया जाता है!

यीशु गतसमने के बगीचे में प्रार्थना करता है !
30 ईस्वी

मरकुस 14: 32-36

32 फिर वे गतसमने नाम एक जगह में आए, और उस ने अपने चेलों से कहा, यहां बैठे रहो, जब तक मैं प्रार्थना करूं।

33 और वह पतरस और याकूब और यूहन्ना को अपने साथ ले गया: और बहुत ही अधीर, और व्याकुल होने लगा।

34 और उन से कहा; मेरा मन बहुत उदास है, यहां तक कि मैं मरने पर हूं: तुम यहां ठहरो, और जागते रहो।

35 और वह थोड़ा आगे बढ़ा, और भूमि पर गिरकर प्रार्थना करने लगा, कि यदि हो सके तो यह घड़ी मुझ पर से टल जाए।

36 और कहा, हे अब्बा, हे पिता, तुझ से सब कुछ हो सकता है; इस कटोरे को मेरे पास से हटा ले: तौभी जैसा मैं चाहता हूं वैसा नहीं,

पर जो तू चाहता है वही हो।

यहूदा यीशु को धोखा देता है ! 30 ईस्वी

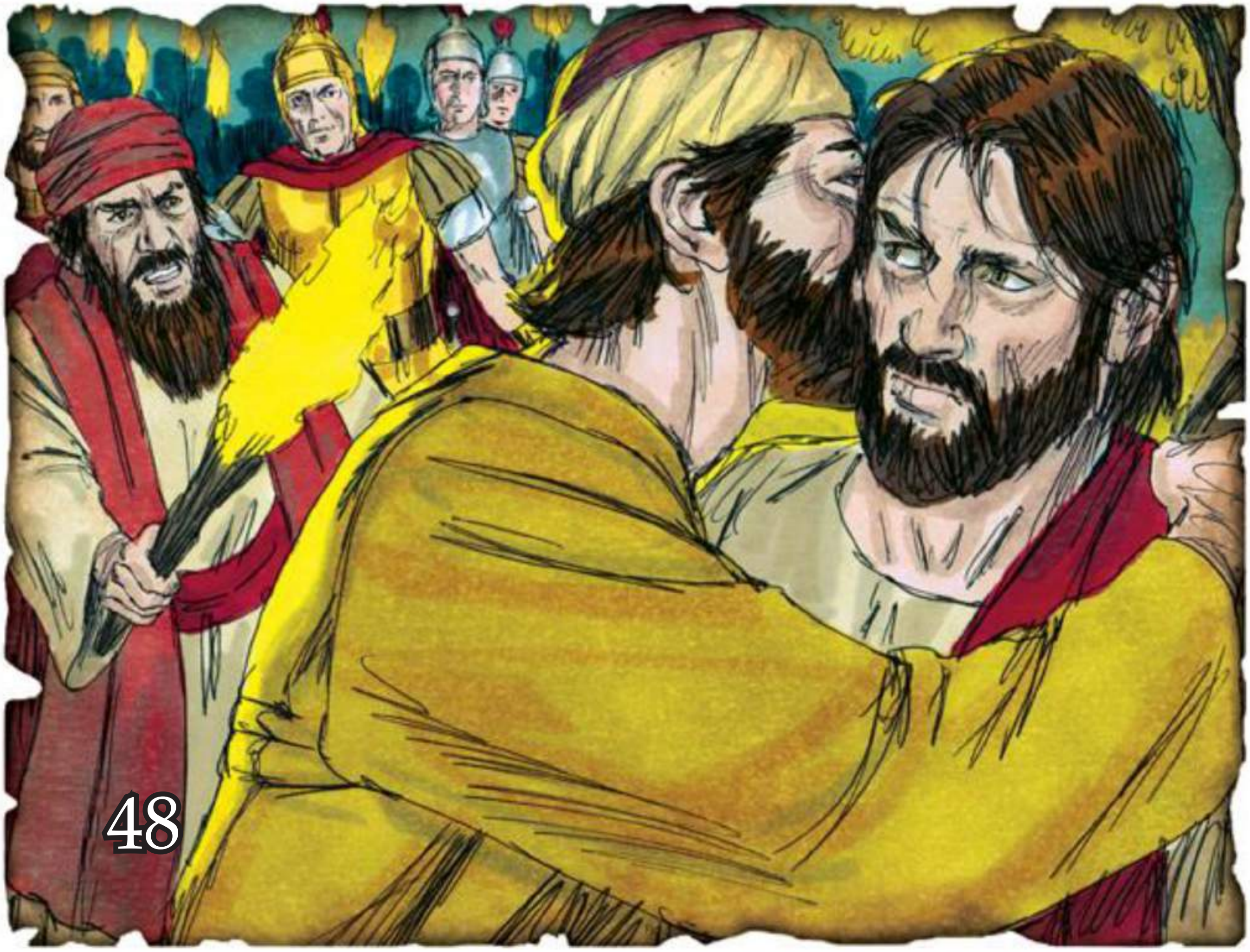

मत्ती 27: 3-10

3 जब उसके पकड़वाने वाले यहूदा ने देखा कि वह दोषी ठहराया गया है तो वह पछताया और वे तीस चान्दी के सिक्के महायाजकों
और पुरनियों के पास फेर लाया। 4 और कहा, मैं ने निर्दोषी को घात के लिये पकड़वाकर पाप किया है? उन्होंने कहा, हमें क्या? तू ही जान।
5 तब वह उन सिक्कों मन्दिर में फेंककर चला गया, और जाकर अपने आप को फांसी दी। 6 महायाजकों ने उन सिक्कों लेकर कहा,
इन्हें भण्डार में रखना उचित नहीं, क्योंकि यह लोहू का दाम है। 7 सो उन्होंने सम्मति करके उन सिक्कों से
परदेशियों के गाड़ने के लिये कुम्हार का खेत मोल ले लिया। 8 इस कारण वह खेत आज तक लोहू का खेत कहलाता है।
9 तब जो वचन यिर्मयाह भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा गया था वह पूरा हुआ; कि उन्होंने वे तीस सिक्के अर्थात
उस ठहराए हुए मूल्य को (जिसे इस्त्राएल की सन्तान में से कितनों ने ठहराया था) ले लिए।

10 और जैसे प्रभु ने मुझे आज्ञा दी थी वैसे ही उन्हें कुम्हार के खेत के मूल्य में दे दिया॥

जकर्याह 11: 12-13

12 तब मैं ने उन से कहा, यदि तुम को अच्छा लगे तो मेरी मजदूरी दो, और नहीं तो मत दो। तब उन्होंने मेरी मजदूरी में चान्दी
के तीस टुकड़े तौल दिए। 13 तब यहोवा ने मुझ से कहा, इन्हें कुम्हार के आगे फेंक दे, यह क्या ही भारी दाम है जो उन्होंने मेरा ठहराया है?
तब मैं ने चान्दी के उन तीस टुकड़ों को ले कर यहोवा के घर में कुम्हार के आगे फेंक दिया।

यीशु क्रूस पर चढ़ाया जाता है! " यह समाप्त हो गया है ! "
30 ईस्वी

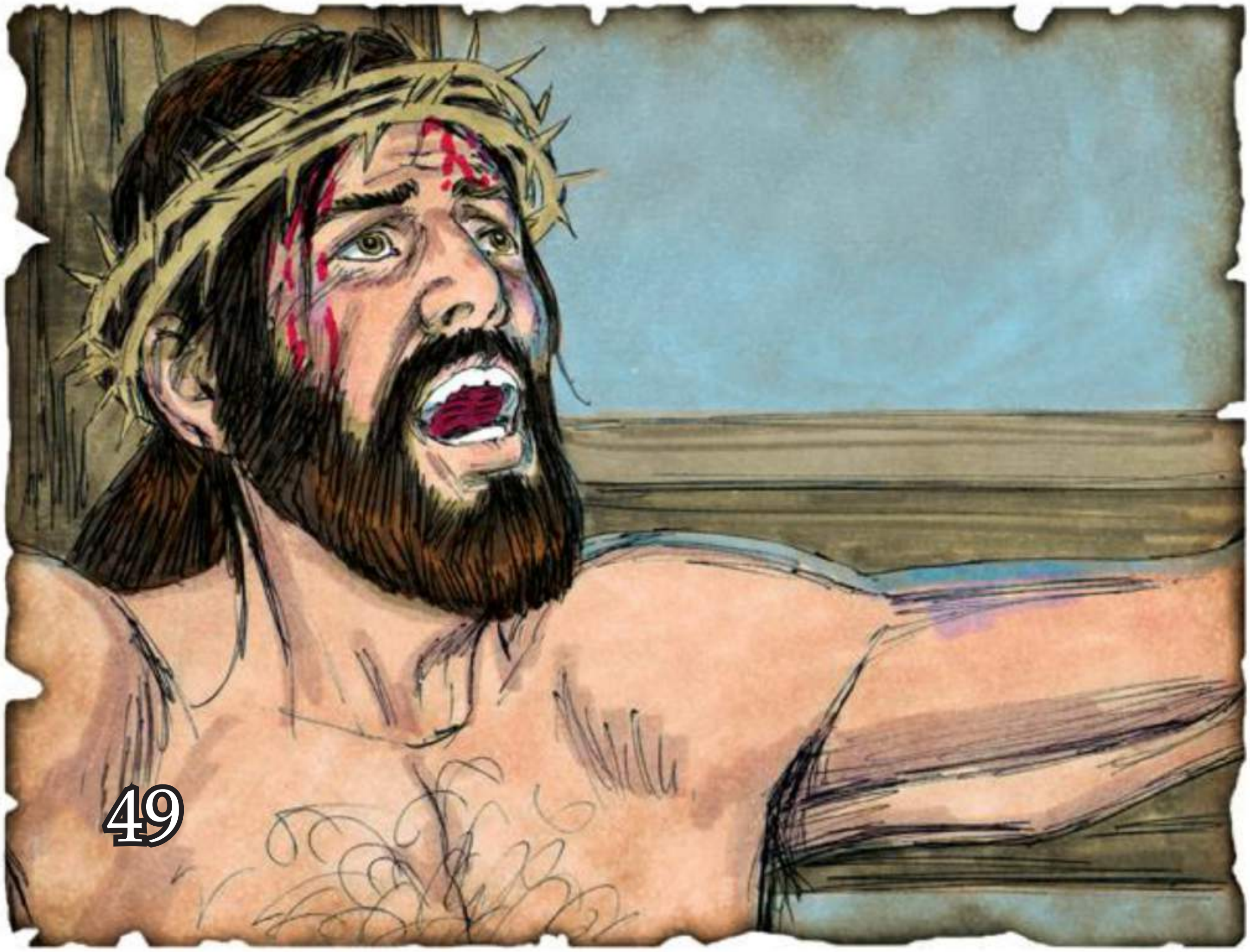

यूहन्ना 19: 28-37

28 इस के बाद यीशु ने यह जानकर कि अब सब कुछ हो चुका; इसलिये कि पवित्र शास्त्र की बात पूरी हो कहा, मैं प्यासा हूं।
29 वहां एक सिरके से भरा हुआ बर्तन धरा था, सो उन्होंने सिरके में भिगोए हुए इस्पंज को जूफे पर रखकर उसके मुंह से लगाया।
30 जब यीशु ने वह सिरका लिया, तो कहा पूरा हुआ और सिर झुकाकर प्राण त्याग दिए॥ 31 और इसलिये कि वह तैयारी का दिन था,
यहूदियों ने पीलातुस से बिनती की कि उन की टांगे तोड़ दी जाएं और वे उतारे जाएं ताकि सब्त के दिन वे क्रूसों पर न रहें,
क्योंकि वह सब्त का दिन बड़ा दिन था। 32 सो सिपाहियों ने आकर पहिले की टांगें तोड़ीं तब दूसरे की भी, जो उसके साथ क्रूसों पर चढ़ाए गए थे।
33 परन्तु जब यीशु के पास आकर देखा कि वह मर चुका है, तो उस की टांगें न तोड़ीं। 34 परन्तु सिपाहियों में से एक ने बरछे से उसका पंजर बेधा
और उस में से तुरन्त लोहू और पानी निकिला। 35 जिस ने यह देखा, उसी ने गवाही दी है, और उस की गवाही सच्ची है; और वह जानता है,
कि सच कहता है कि तुम भी विश्वास करो। 36 ये बातें इसलिये हुईं कि पवित्र शास्त्र की यह बात पूरी हो कि उस की कोई हड्डी तोड़ी न जाएगी।
37 फिर एक और स्थान पर यह लिखा है, कि जिसे उन्होंने बेधा है, उस पर दृष्टि करेंगे॥

भजन संहिता 34: 20

20 वह उसकी हड्डी हड्डी की रक्षा करता है; और उन में से एक भी टूटने नही पाती।

[जकर्याह 12:10]

यीशु ने मरे हुओं में से परमेश्वर की ओर से पुनर्जीवति कर रहा है! 30 ईस्वी

लूका 24: 4-9

4 कि तू यह जान ले, कि वे बातें जिनकी तू ने शिक्षा पाई है, कैसी अटल हैं॥

5 यहूदियों के राजा हेरोदेस के समय अबिय्याह के दल में जकरयाह नाम का एक याजक था, और उस की पत्नी हारून के वंश की थी,

जिस का नाम इलीशिबा था। 6 और वे दोनों परमेश्वर के साम्हने धर्मी थे: और प्रभु की सारी आज्ञाओं

और विधियों पर निर्दोष चलने वाले थे। उन के कोई भी सन्तान न थी, 7 क्योंकि इलीशिबा बांझ थी,

और वे दोनों बूढ़े थे॥ 8 जब वह अपने दलकी पारी पर परमेश्वर के साम्हने याजक का काम करता था।

9 तो याजकों की रीति के अनुसार उसके नाम पर चिट्ठी निकली, कि प्रभु के मन्दिर में जाकर धूप जलाए।

यीशु इम्माऊस के सड़क पर ! 30 A.D .

लूका 24: 13-16

13 देखो, उसी दिन उन में से दो जन इम्माऊस नाम एक गांव को जा रहे थे, जो यरूशलेम से कोई सात मील की दूरी पर था।
14 और वे इन सब बातों पर जो हुईं थी, आपस में बातचीत करते जा रहे थे।
15 और जब वे आपस में बातचीत और पूछताछ कर रहे थे, तो यीशु आप पास आकर उन के साथ हो लिया।
16 परन्तु उन की आंखे ऐसी बन्द कर दी गईं थी, कि उसे पहिचान न सके।

लूका 24: 25-27

25 तब उस ने उन से कहा; हे निर्बुद्धियों, और भविष्यद्वक्ताओं की सब बातों पर विश्वास करने में मन्दमतियों!
26 क्या अवश्य न था, कि मसीह ये दुख उठाकर अपनी महिमा में प्रवेश करे? 27 तब उस ने मूसा से
और सब भविष्यद्वक्ताओं से आरम्भ करके सारे पवित्र शास्त्रों में से, अपने विषय में की बातों का अर्थ, उन्हें समझा दिया।

यीशु ने अपने शिष्यों को महान कमीशन देता है!
30 ईस्वी

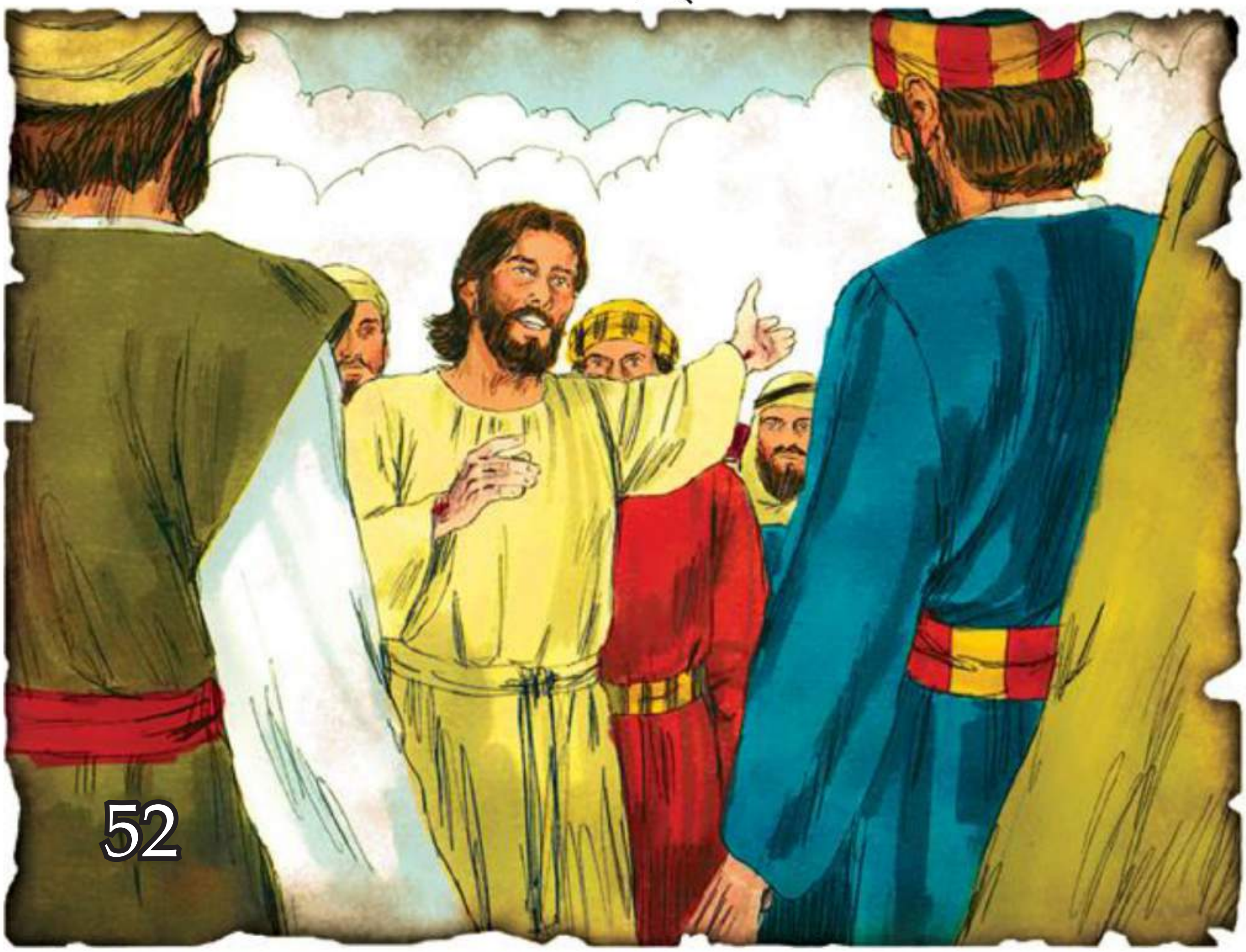

मत्ती 28: 18-20

18 यीशु ने उन के पास आकर कहा, कि स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है।
19 इसलिये तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्रआत्मा के नाम से बपतिस्मा दो।
20 और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है, मानना सिखाओ: और देखो, मैं जगत के अन्त तक सदैव तुम्हारे संग हूं॥

यीशु ने स्वर्ग में उठा लिया गया, बिजली और वादों का वादा वापस करने के लिए ! 30 ईस्वी

प्रेरितों के काम 1: 7-11

7 उस ने उन से कहा; उन समयों या कालों को जानना, जिन को पिता ने अपने ही अधिकार में रखा है, तुम्हारा काम नहीं।
8 परन्तु जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा तब तुम सामर्थ पाओगे; और यरूशलेम और सारे यहूदिया और सामरिया में,
और पृथ्वी की छोर तक मेरे गवाह होगे। 9 यह कहकर वह उन के देखते देखते ऊपर उठा लिया गया;
और बादल ने उसे उन की आंखों से छिपा लिया। 10 और उसके जाते समय जब वे आकाश की ओर ताक रहे थे, तो देखो,
दो पुरूष श्वेत वस्त्र पहिने हुए उन के पास आ खड़े हुए। 11 और कहने लगे; हे गलीली पुरूषों, तुम क्यों खड़े स्वर्ग की ओर देख रहे हो?
यही यीशु, जो तुम्हारे पास से स्वर्ग पर उठा लिया गया है, जिस रीति से तुम ने उसे स्वर्ग को जाते देखा है उसी रीति से वह फिर आएगा॥

पवित्र आत्मा, पिन्तेकुस का दिन पर आता है! सुसमाचार सुनाया जाता पीटर और 3000 यहूदियों से बच रहे हैं ! 30 ईस्वी

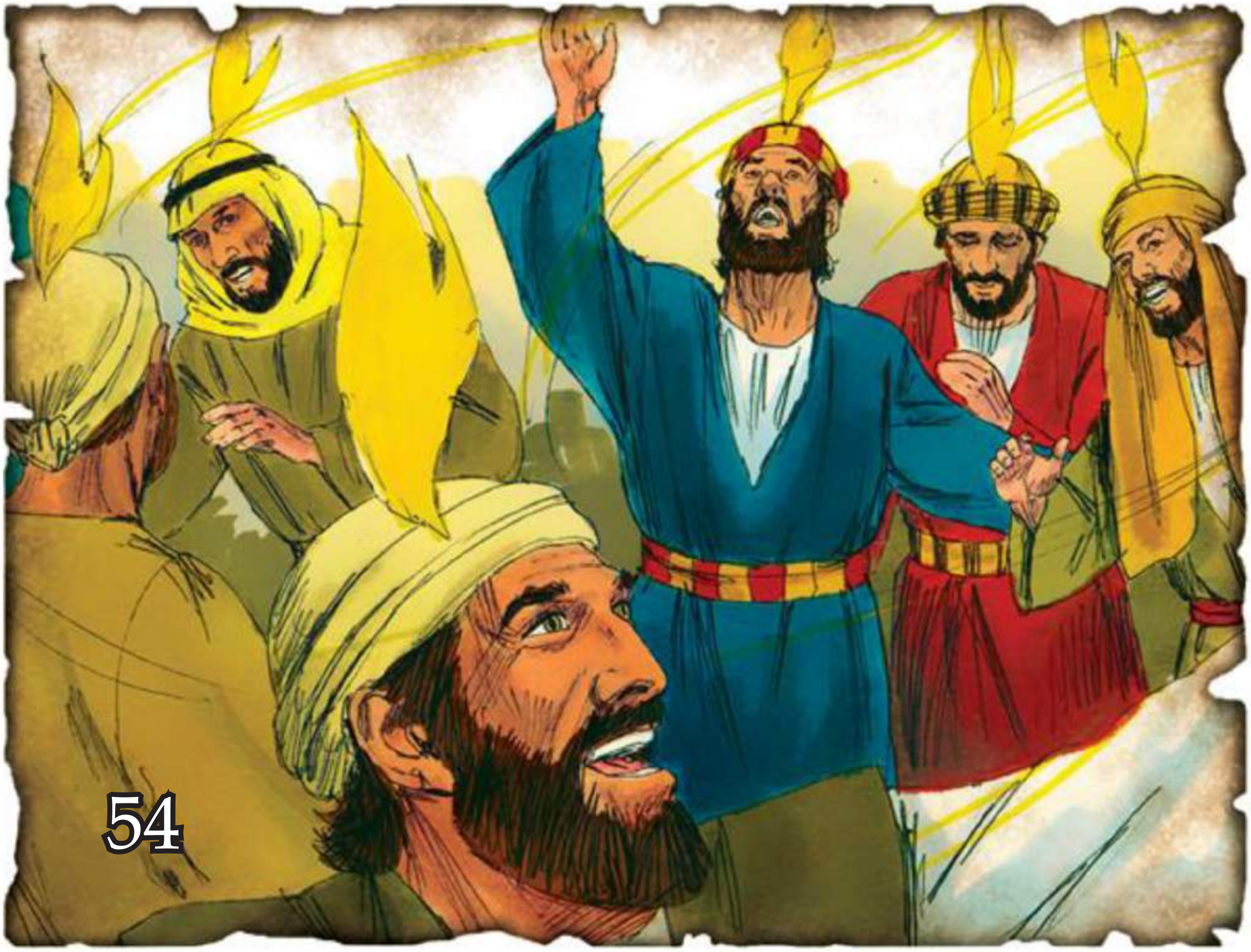

प्रेरितों के काम 2: 1-6

1 जब पिन्तेकुस का दिन आया, तो वे सब एक जगह इकट्ठे थे। 2 और एकाएक आकाश से बड़ी आंधी की सी सनसनाहट का शब्द हुआ,
और उस से सारा घर जहां वे बैठे थे, गूंज गया। 3 और उन्हें आग की सी जीभें फटती हुई दिखाई दीं; और उन में से हर एक पर आ ठहरीं।
4 और वे सब पवित्र आत्मा से भर गए, और जिस प्रकार आत्मा ने उन्हें बोलने की सामर्थ दी, वे अन्य अन्य भाषा बोलने लगे॥
5 और आकाश के नीचे की हर एक जाति में से भक्त यहूदी यरूशलेम में रहते थे। 6 जब वह शब्द हुआ तो भीड़ लग गई
और लोग घबरा गए, क्योंकि हर एक को यही सुनाई देता था, कि ये मेरी ही भाषा में बोल रहे हैं।

प्रेरितों के काम 2: 36-39

36 सो अब इस्त्राएल का सारा घराना निश्चय जान ले कि परमेश्वर ने उसी यीशु को जिसे तुम ने क्रूस पर चढ़ाया,
प्रभु भी ठहराया और मसीह भी॥ 37 तब सुनने वालों के हृदय छिद गए, और वे पतरस और शेष प्रेरितों से पूछने लगे,
कि हे भाइयो, हम क्या करें? 38 पतरस ने उन से कहा, मन फिराओ, और तुम में से हर एक अपने अपने पापों की क्षमा के लिये
यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले; तो तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे। 39 क्योंकि यह प्रतिज्ञा तुम, और तुम्हारी सन्तानों,
और उन सब दूर दूर के लोगों के लिये भी है जिन को प्रभु हमारा परमेश्वर अपने पास बुलाएगा।

स्टीवन पहला शहीद हो जाता है! जबकि शाऊल देखता है ! 31A.D.

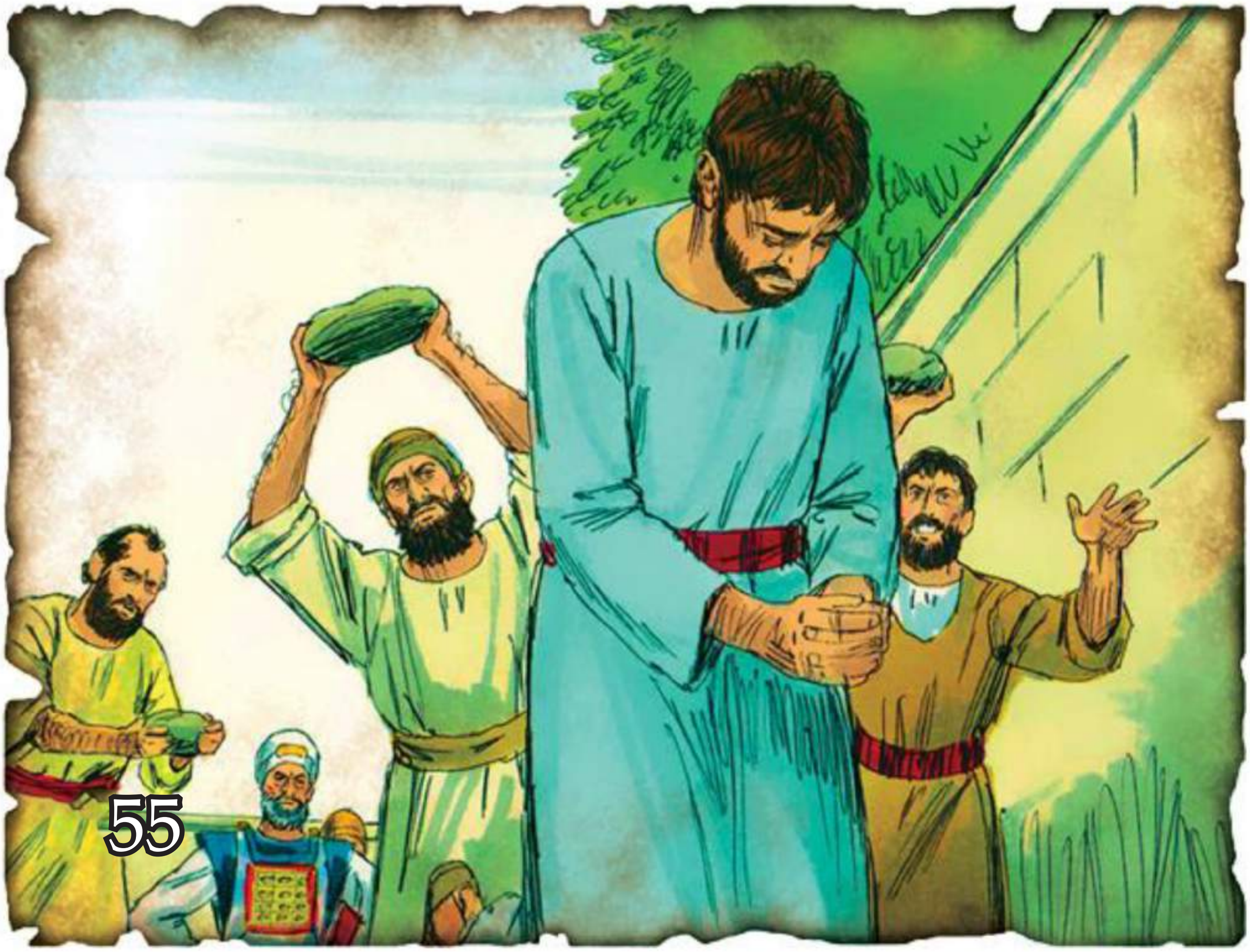

प्रेरितों के काम 7: 54-60

54 ये बातें सुनकर वे जल गए और उस पर दांत पीसने लगे। 55 परन्तु उस ने पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होकर स्वर्ग की ओर देखा
और परमेश्वर की महिमा को और यीशु को परमेश्वर की दाहिनी ओर खड़ा देखकर। 56 कहा; देखों, मैं स्वर्ग को खुला हुआ,
और मनुष्य के पुत्र को परमेश्वर के दाहिनी ओर खड़ा हुआ देखता हूं। 57 तब उन्होंने बड़े शब्द से चिल्लाकर कान बन्द कर लिए,
और एक चित्त होकर उस पर झपटे। 58 और उसे नगर के बाहर निकालकर पत्थरवाह करने लगे, और गवाहों ने अपने कपड़े उतार रखे।
59 और वे स्तिफनुस को पत्थरवाह करते रहे, और वह यह कहकर प्रार्थना करता रहा; कि हे प्रभु यीशु, मेरी आत्मा को ग्रहण कर।
60 फिर घुटने टेककर ऊंचे शब्द से पुकारा, हे प्रभु, यह पाप उन पर मत लगा, और यह कहकर सो गया: और शाऊल उसके बध में सहमत था॥

शाऊल परविर्तति और पॉल हो जाता है! 34 ईस्वी

प्रेरतिों के काम 9: 3-8

3 परन्तु चलते चलते जब वह दमश्कि के नकिट पहुंचा, तो एकाएक आकाश से उसके चारों ओर ज्योत िचमकी।

4 और वह भूम िपर गरि पड़ा, और यह शब्द सुना, क िहे शाऊल, हे शाऊल, तू मुझे क्यों सताता है?

5 उस ने पूछा; हे प्रभु, तू कौन है? उस ने कहा; मैं यीशु हूं; जसि तू सताता है।

6 परन्तु अब उठकर नगर में जा, और जो कुछ करना है, वह तुझ से कहा जाएगा।

7 जो मनुष्य उसके साथ थे, वे चुपचाप रह गए; क्योंक िशब्द तो सुनते थे, परन्तु कसिी को दखते न थे।

8 तब शाऊल भूम िपर से उठा, परन्तु जब आंखे खोलीं तो उसे कुछ दखिाई न दयिा और वे उसका हाथ पकड़के दमश्कि में ले गए।

पतरस अन्यजातियों को सुसमाचार लेता है! 37 ईस्वी

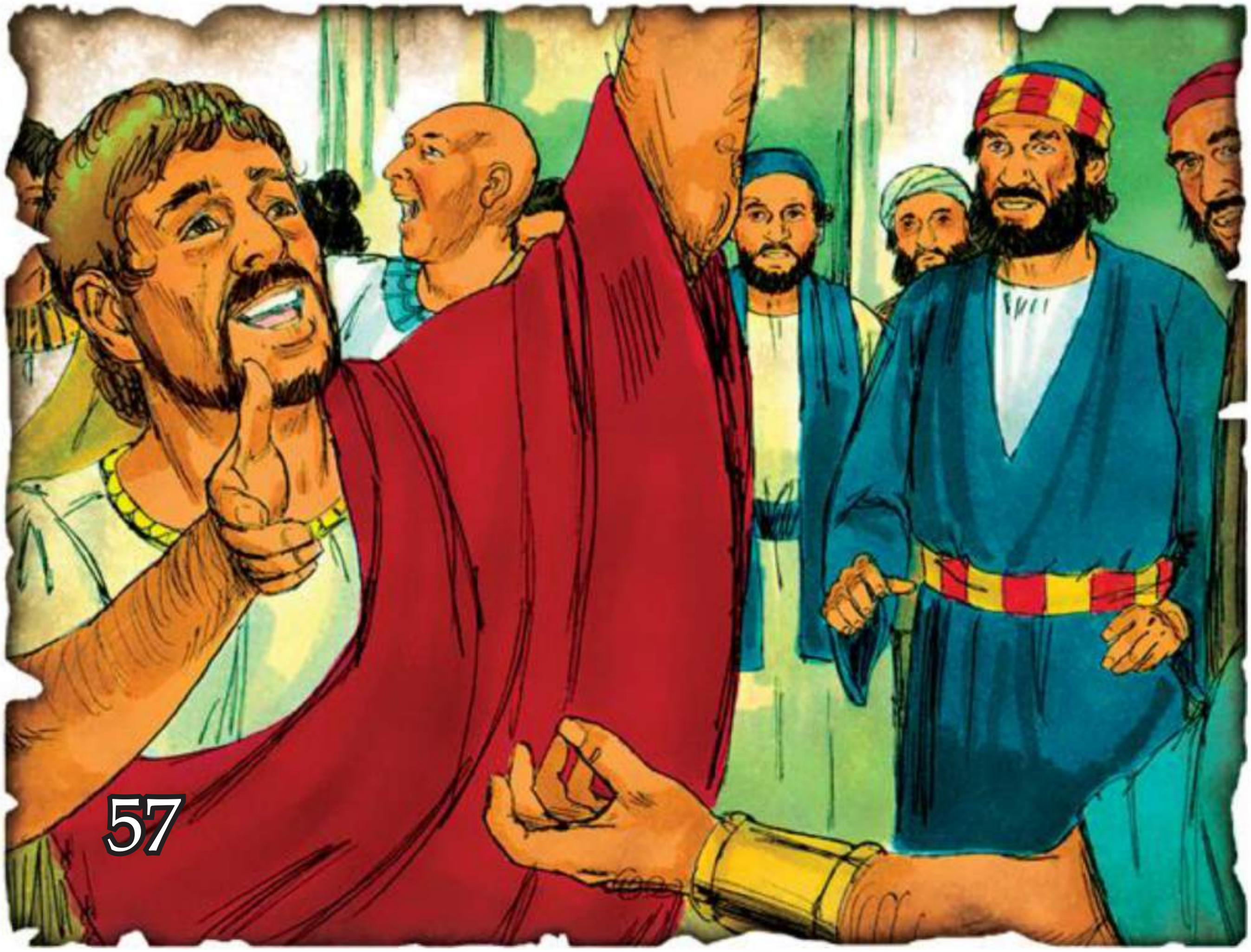

प्रेरितों के काम 10:25-29

25 जब पतरस भीतर आ रहा था, तो कुरनेलयुिस ने उस से भेंट की, और पांवों पड़ के प्रणाम कयिा। 26 परन्तु पतरस ने
उसे उठाकर कहा, खड़ा हो, मैं भी तो मनुष्य हूं। 27 और उसके साथ बातचीत करता हुआ भीतर गया,
और बहुत से लोगों को इकट्ठे देखकर। 28 उन से कहा, तुम जानते हो, कि अन्यजाति की संगति करना या
उसके यहां जाना यहूदी के लयि अधर्म है, परन्तु परमेश्वर ने मुझे बताया है, कि किसी मनुष्य को अपवित्र था अशुद्ध न कहूं।
29 इसी लयि मैं जब बुलाया गया; तो बनिा कुछ कहे चला आया: अब मैं पूछता हूं कि मुझे कसि काम के लयि बुलाया गया है

अनुग्रह की उम्र 10 आज्ञाओं या कानून की जगह।
57 ईस्वी

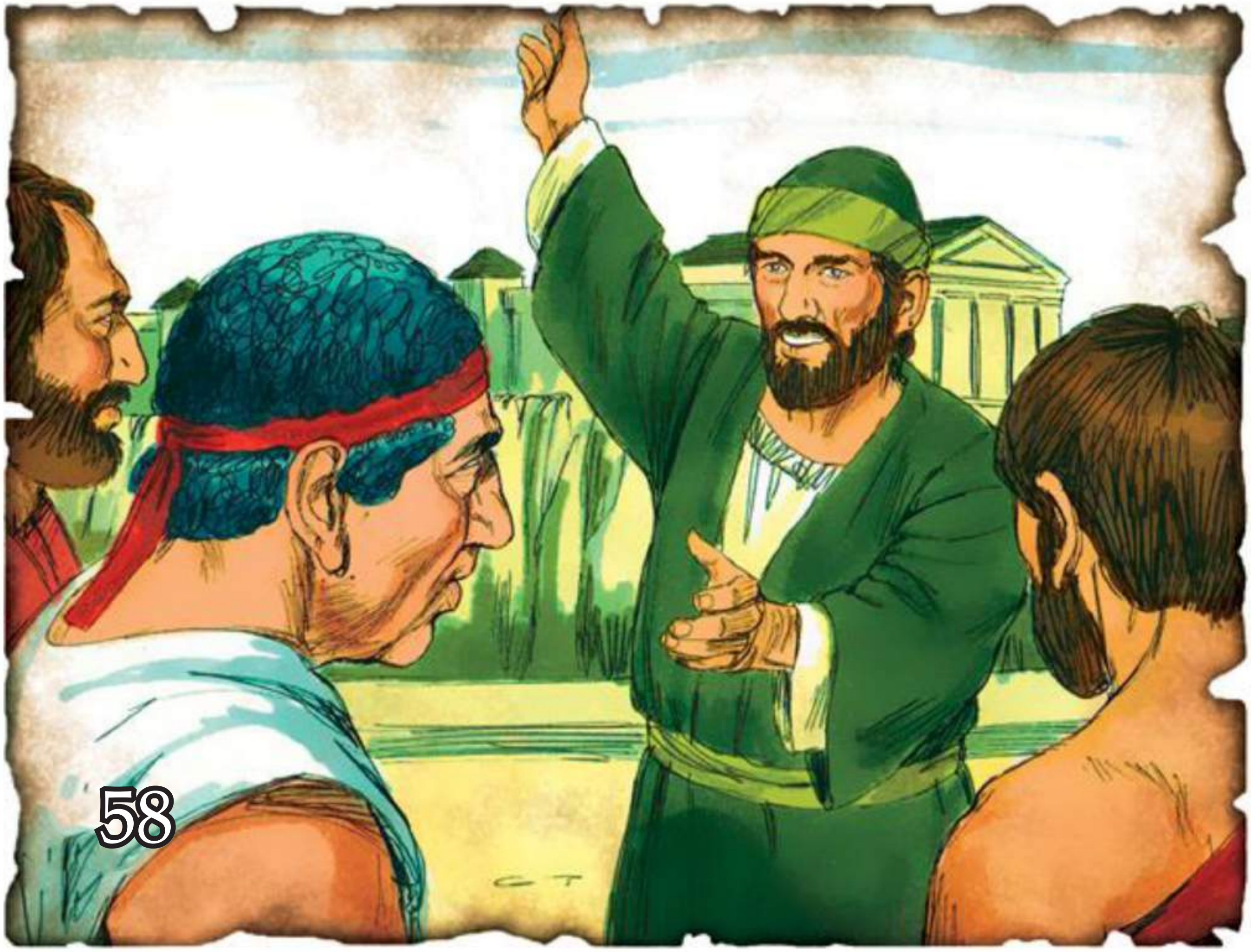

रोमियो 10: 8-13

8 परन्तु वह क्या कहती है? यह, कि वचन तेरे निकट है, तेरे मुंह में और तेरे मन में है; यह वही विश्वास का वचन है, जो हम प्रचार करते हैं।
9 कि यदि तू अपने मुंह से यीशु को प्रभु जानकर अंगीकार करे और अपने मन से विश्वास करे, कि परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया,
तो तू निश्चय उद्धार पाएगा। 10 क्योंकि धामर्ंिकता के लिये मन से विश्वास किया जाता है, और उद्धार के लिये मुंह से अंगीकार किया जाता है।
11 क्योंकि पवित्र शास्त्र यह कहता है कि जो कोई उस पर विश्वास करेगा, वह लज्जित न होगा। 12 यहूदियों
और यूनानियों में कुछ भेद नहीं, इसलिये कि वह सब का प्रभु है; और अपने सब नाम लेने वालों के लिये उदार है।

13 क्योंकि जो कोई प्रभु का नाम लेगा, वह उद्धार पाएगा।

पौलुस लखिता है क भिगवान का वादा कयिा है समय में , सारे इस्राएल का उद्धार हो जायेगा! 57 ईस्वी

रोमयिो 11: 25-36

25 हे भाइयों, कहीं ऐसा न हो, क तिुम अपने आप को बुद्धमिान समझ लो; इसलयि मैं नहीं चाहता क तिुम इस भेद से अनजान रहो,
कजिब तक अन्यजातयिां पूरी रीत सि प्रवेश न कर लें, तब तक इस्त्राएल का एक भाग ऐसा ही कठोर रहेगा।
26 और इस रीत सि सारा इस्त्राएल उद्धार पाएगा; जैसा लखिा है, क छिड़ाने वाला सयिोन से आएगा, और अभक्त कि याकूब से दूर करेगा।
27 और उन के साथ मेरी यही वाचा होगी, जब क मिैं उन के पापों को दूर कर दूंगा। {यशायाह 59: 20-21}
28 वे सुसमाचार के भाव से तो तुम्हारे बैरी हैं, परन्तु चुन लयि जाने के भाव से बाप दादों के प्यारे हैं।
29 क्योंक परमेश्वर अपने वरदानों से, और बुलाहट से कभी पीछे नहीं हटता।
30 क्योंक जैसे तुम ने पहलि परमेश्वर की आज्ञा न मानी परन्तु अभी उन के आज्ञा न मानने से तुम पर दया हुई।
31 वैसे ही उन्होंने भी अब आज्ञा न मानी क तिुम पर जो दया होती है इस से उन पर भी दया हो।
32 क्योंक परमेश्वर ने सब को आज्ञा न मानने के कारण बन्द कर रखा ताक विह सब पर दया करे॥
33 आहा! परमेश्वर का धन और बुद्ध और ज्ञान क्या ही गंभीर है! उसके वचिार कैसे अथाह, और उसके मार्ग कैसे अगम हैं!
34 प्रभु क बिुद्ध कि किसि ने जाना या उसका मंत्री कौन हुआ? {यशायाह 40:13}
35 या कसि ने पहलि उसे कुछ दयिा है जसि का बदला उसे दयिा जाए। {अय्यूब 41:11}
36 क्योंक उस की ओर से, और उसी के द्वारा, और उसी के लयि सब कुछ है: उस की महमिा युगानुयुग होती रहे: आमीन॥

सुसमाचार का भेद , समय की शुरुआत के बाद से छिपा अब सभी के लिए खुल गया है ! 57 ईस्वी

रोमियो 16: 25-27

25 अब जो तुम को मेरे सुसमाचार अर्थात यीशु मसीह के विषय के प्रचार के अनुसार स्थिर कर सकता है,
उस भेद के प्रकाश के अनुसार जो सनातन से छिपा रहा। 26 परन्तु अब प्रगट होकर सनातन परमेश्वर की आज्ञा से
भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकों के द्वारा सब जातियों को बताया गया है, कि वे विश्वास से आज्ञा मानने वाले हो जाएं।
27 उसी अद्वैत बुद्धिमान परमेश्वर की यीशु मसीह के द्वारा युगानुयुग महिमा होती रहे। आमीन॥

पॉल रोम में 67 ईस्वी में सुसमाचार प्रचार के लिए मर जाता है

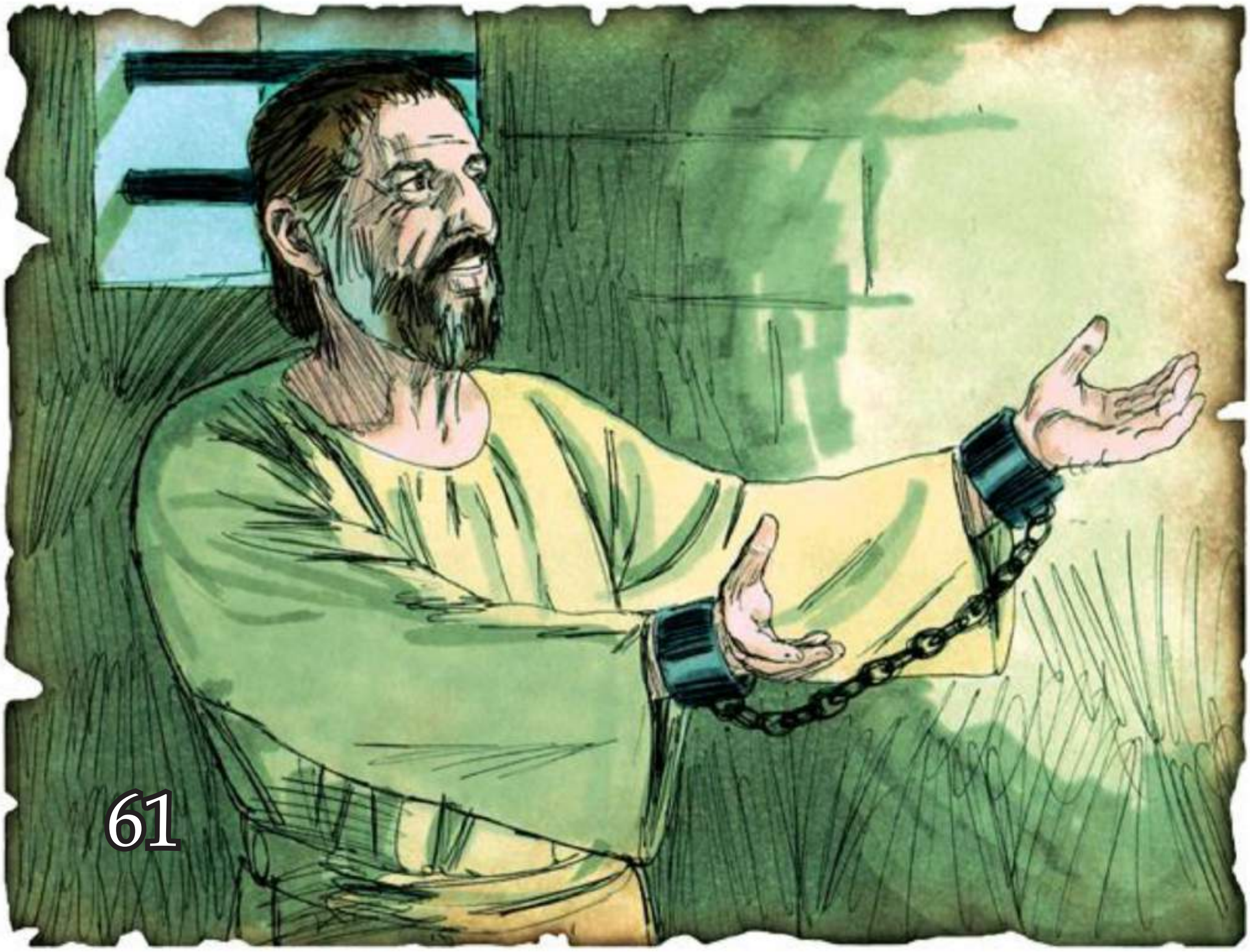

2 तीमुथयुिस 4:3-7

3 क्योंकि ऐसा समय आएगा, कि लोग खरा उपदेश न सह सकेंगे पर कानों की खुजली के कारण अपनी अभलिाषाओं के अनुसार
अपने लयि बहुतेरे उपदेशक बटोर लेंगे। 4 और अपने कान सत्य से फेरकर कथा-कहानियों पर लगाएंगे।
5 पर तू सब बातों में सावधान रह, दुख उठा, सुसमाचार प्रचार का काम कर और अपनी सेवा को पूरा कर।
6 क्योंकि अब मैं अर्घ की नाईं उंडेला जाता हूं, और मेरे कूच का समय आ पहुंचा है।
7 मैं अच्छी कुश्ती लड़ चुका हूं मैं ने अपनी दौड़ पूरी कर ली है, मैं ने वश्‍िवास की रखवाली की है।

पतरस रोम में सुसमाचार प्रचार के लिए मर जाता है!
67 ईस्वी

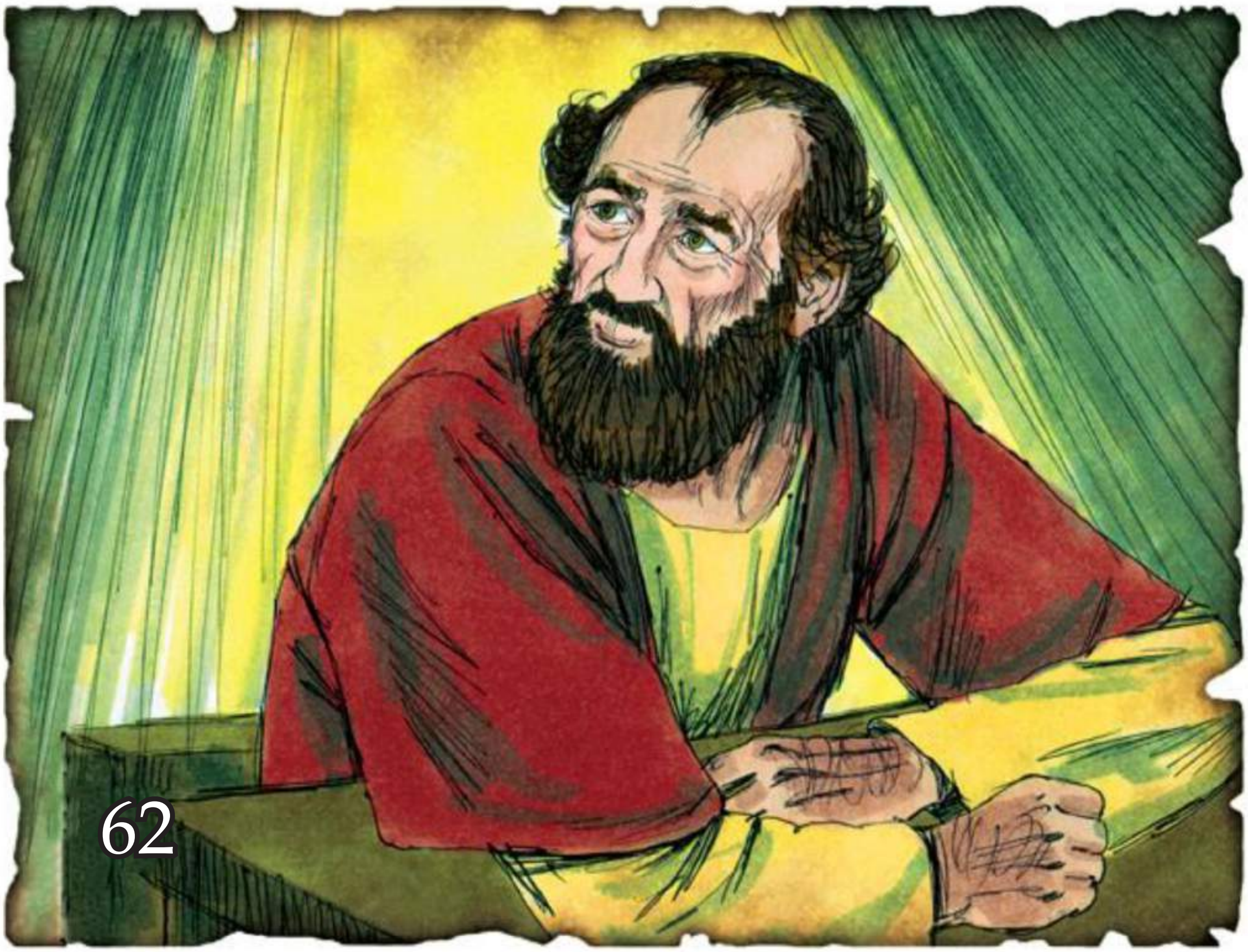

2 पतरस 1: 15-18

15 इसलियि मै ऐसा यत्न करूंगा, कि मेरे कूच करने के बाद तुम इन सब बातों को सर्वदा स्मरण कर सको।
16 क्योंकि जब हम ने तुम्हें अपने प्रभु यीशु मसीह की सामर्थ का, और आगमन का समाचार दिया था
तो वह चतुराई से गढ़ी हुई कहानियों का अनुकरण नहीं किया था वरन हम ने आप ही उसके प्रताप को देखा था।
17 कि उस ने परमेश्वर पिता से आदर, और महिमा पाई जब उस प्रतापमय महिमा में से यह वाणी आई कि यह मेरा प्रिय पुत्र है
जिस से मै प्रसन्न हूं। 18 और जब हम उसके साथ पवित्र पहाड़ पर थे, तो स्वर्ग से यही वाणी आते सुनी।

जॉन पतमुस नाम टाप निर्वासित और एशिया में सात चर्चों को पत्र लिखता है! 90 ईस्वी

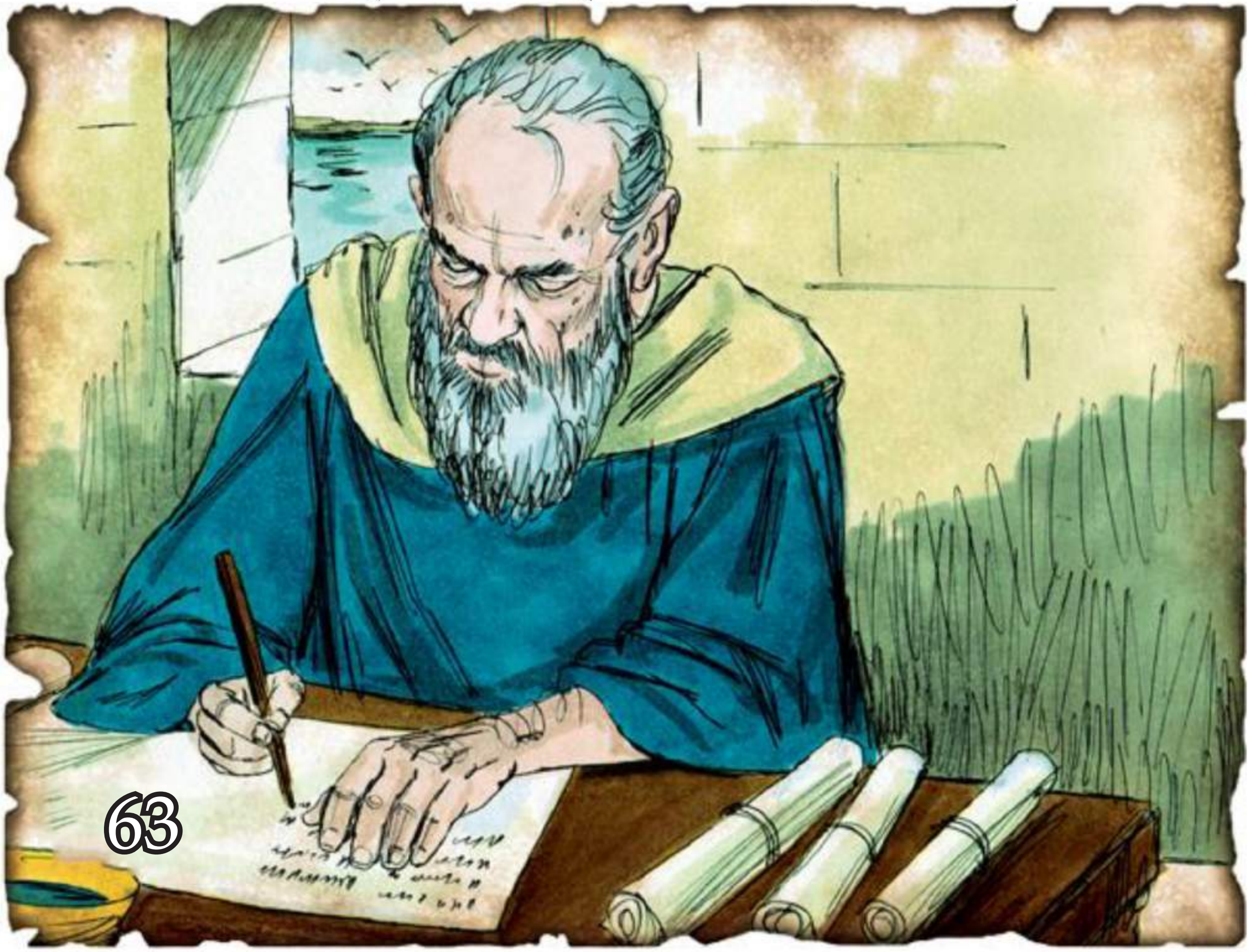

प्रकाशित वाक्य 1:9-11

9 मैं यूहन्ना जो तुम्हारा भाई, और यीशु के क्लेश, और राज्य, और धीरज में तुम्हारा सहभागी हूं, परमेश्वर के वचन,
और यीशु की गवाही के कारण पतमुस नाम टापू में था। 10 कि मैं प्रभु के दिन आत्मा में आ गया,
और अपने पीछे तुरही का सा बड़ा शब्द यह कहते सुना। 11 कि जो कुछ तू देखता है, उसे पुस्तक में लिख कर
सातों कलीसियाओं के पास भेज दे, अर्थात इफिसुस और स्मुरना, और पिरगमुन, और थुआतीरा, और सरदीस,
और फिलेदिलफिया, और लौदीकिया में।

महान क्लेश शुरू होता है, कई मर जाते हैं! 2014+ ?

प्रकाशित वाक्य 13:5-10

5 कौन उस से लड़ सकता है और बड़े बोल बोलने और निन्दा करने के लिये उसे एक मुंह दिया गया, और उसे बयालीस महीने तक
काम करने का अधिकार दिया गया। 6 और उस ने परमेश्वर की निन्दा करने के लिये मुंह खोला, कि उसके नाम
और उसके तम्बू अर्थात स्वर्ग के रहने वालों की निन्दा करे। 7 और उसे यह अधिकार दिया गया, कि पवित्र लोगों से लड़े,
और उन पर जय पाए, और उसे हर एक कुल, और लोग, और भाषा, और जाति पर अधिकार दिया गया।
8 और पृथ्वी के वे सब रहने वाले जिन के नाम उस मेम्ने की जीवन की पुस्तक में लिखे नहीं गए, जो जगत की उत्पत्ति के समय से घात हुआ है,
उस पशु की पूजा करेंगे। 9 जिस के कान हों वह सुने। 10 जिस को कैद में पड़ना है, वह कैद में पड़ेगा, जो तलवार से मारेगा,
अवश्य है कि वह तलवार से मारा जाएगा, पवित्र लोगों का धीरज और विश्वास इसी में है॥

यीशु ने सत्ता में वापस आती है ! शैतान , जानवर और झूठे नबी को हराया है ! 2014 + ?

प्रकाशित वाक्य 19: 11-16

11 फिर मै ने स्वर्ग को खुला हुआ देखा; और देखता हूं कि एक श्वेत घोड़ा है; और उस पर एक सवार है, जो विश्वास योग्य, और सत्य कहलाता है;
और वह धर्म के साथ न्याय और लड़ाई करता है। 12 उस की आंखे आग की ज्वाला हैं: और उसके सिर पर बहुत से राजमुकुट हैं;
और उसका एक नाम लिखा है, जिस उस को छोड़ और कोई नहीं जानता। 13 और वह लोहू से छिड़का हुआ वस्त्र पहिन है:
और उसका नाम परमेश्वर का वचन है। 14 और स्वर्ग की सेना श्वेत घोड़ों पर सवार और श्वेत और शुद्ध मलमल पहिन हुए उसके पीछे पीछे है।
15 और जाति जाति को मारने के लिये उसके मुंह से एक चोखी तलवार निकलती है, और वह लोहे का राजदण्ड लिए हुए उन पर राज्य करेगा,
और वह सर्वशक्तिमान परमेश्वर के भयानक प्रकोप की जलजलाहट की मदिरा के कुंड में दाख रौंदेगा।
16 और उसके वस्त्र और जांघ पर यह नाम लिखा है, राजाओं का राजा और प्रभुओं का प्रभु॥

प्रकाशित वाक्य 19:19- 21

19 फिर मै ने उस पशु और पृथ्वी के राजाओं और उन की सेनाओं को उस घोड़े के सवार, और उस की सेना से लड़ने के लिये इकट्ठे देखा।
20 और वह पशु और उसके साथ वह झूठा भविष्यद्वक्ता पकड़ा गया, जिस ने उसके साम्हने ऐसे चिन्ह दिखाए थे,
जिन के द्वारा उस ने उन को भरमाया, जिन्हों ने उस पशु की छाप ली थी, और जो उस की मूरत की पूजा करते थे,
ये दोनों जीते जी उस आग की झील में जो गन्धक से जलती है, डाले गए। 21 और शेष लोग उस घोड़े के सवार की तलवार से
जो उसके मुंह से निकलती थी, मार डाले गए; और सब पड़ी उन के मांस से तृप्त हो गए॥

शैतान 100 साल के लिए बंधे और मसीह 1000 साल राज करता है! 2016+ ?

प्रकाशित वाक्य 20 :1-4

1 फिर मै ने एक स्वर्गदूत को स्वर्ग से उतरते देखा; जिस के हाथ में अथाह कुंड की कुंजी, और एक बड़ी जंजीर थी।
2 और उस ने उस अजगर, अर्थात पुराने सांप को, जो इब्लीस और शैतान है; पकड़ के हजार वर्ष के लिये बान्ध दिया।
3 और उसे अथाह कुंड में डाल कर बन्द कर दिया और उस पर मुहर कर दी, कि वह हजार वर्ष के पूरे होने तक
जाति जाति के लोगों को फिर न भरमाए; इस के बाद अवश्य है, कि थोड़ी देर के लिये फिर खोला जाए॥
4 फिर मै ने सिंहासन देखे, और उन पर लोग बैठ गए, और उन को न्याय करने का अधिकार दिया गया;
और उन की आत्माओं को भी देखा, जिन के सिर यीशु की गवाही देने और परमेश्वर के वचन के कारण काटे गए थे;
और जिन्हों ने न उस पशु की, और न उस की मूरत की पूजा की थी, और न उस की छाप अपने माथे और हाथों पर ली थी;
वे जीवित हो कर मसीह के साथ हजार वर्ष तक राज्य करते रहे।

पैशाचिक विद्रोह को कुचल दिया , शैतान को आग की झील में डाली !,महान सफेद सिंहासन न्याय विधि! 2017 +

प्रकाशित वाक्य 20:7-15

7 और जब हजार वर्ष पूरे हो चुकेंगे; तो शैतान कैद से छोड़ दिया जाएगा। 8 और उन जातियों को जो पृथ्वी के चारों ओर होंगी,
अर्थात गोग और मगोग को जिन की गिनती समुद्र की बालू के बराबर होगी, भरमा कर लड़ाई के लिये इकट्ठे करने को निकलेगा।
9 और वे सारी पृथ्वी पर फैल जाएंगी; और पवित्र लोगों की छावनी और प्रिय नगर को घेर लेंगी:
और आग स्वर्ग से उतर कर उन्हें भस्म करेगी। 10 और उन का भरमाने वाला शैतान आग और गन्धक की उस झील में,
जिस में वह पशु और झूठा भविष्यद्वक्ता भी होगा, डाल दिया जाएगा, और वे रात दिन युगानुयुग पीड़ा में तड़पते रहेंगे॥
11 फिर मैं ने एक बड़ा श्वेत सिंहासन और उस को जो उस पर बैठा हुआ है, देखा, जिस के साम्हने से पृथ्वी
और आकाश भाग गए, और उन के लिये जगह न मिली। 12 फिर मैं ने छोटे बड़े सब मरे हुओं को सिंहासन के साम्हने खड़े हुए देखा,
और पुस्तकें खोली गईं; और फिर एक और पुस्तक खोली गई; और फिर एक और पुस्तक खोली गई, अर्थात जीवन की पुस्तक;
और जैसे उन पुस्तकों में लिखा हुआ था, उन के कामों के अनुसार मरे हुओं का न्याय किया गया। 13 और समुद्र ने उन मरे हुओं को
जो उस में थे दे दिया, और मृत्यु और अधोलोक ने उन मरे हुओं को जो उन में थे दे दिया; और उन में से हर एक के कामों के अनुसार
उन का न्याय किया गया। 14 और मृत्यु और अधोलोक भी आग की झील में डाले गए; यह आग की झील तो दूसरी मृत्यु है।
15 और जिस किसी का नाम जीवन की पुस्तक में लिखा हुआ न मिला, वह आग की झील में डाला गया॥

भगवान एक नया आकाश और नई पृथ्वी बनाता है! 2017+ ?

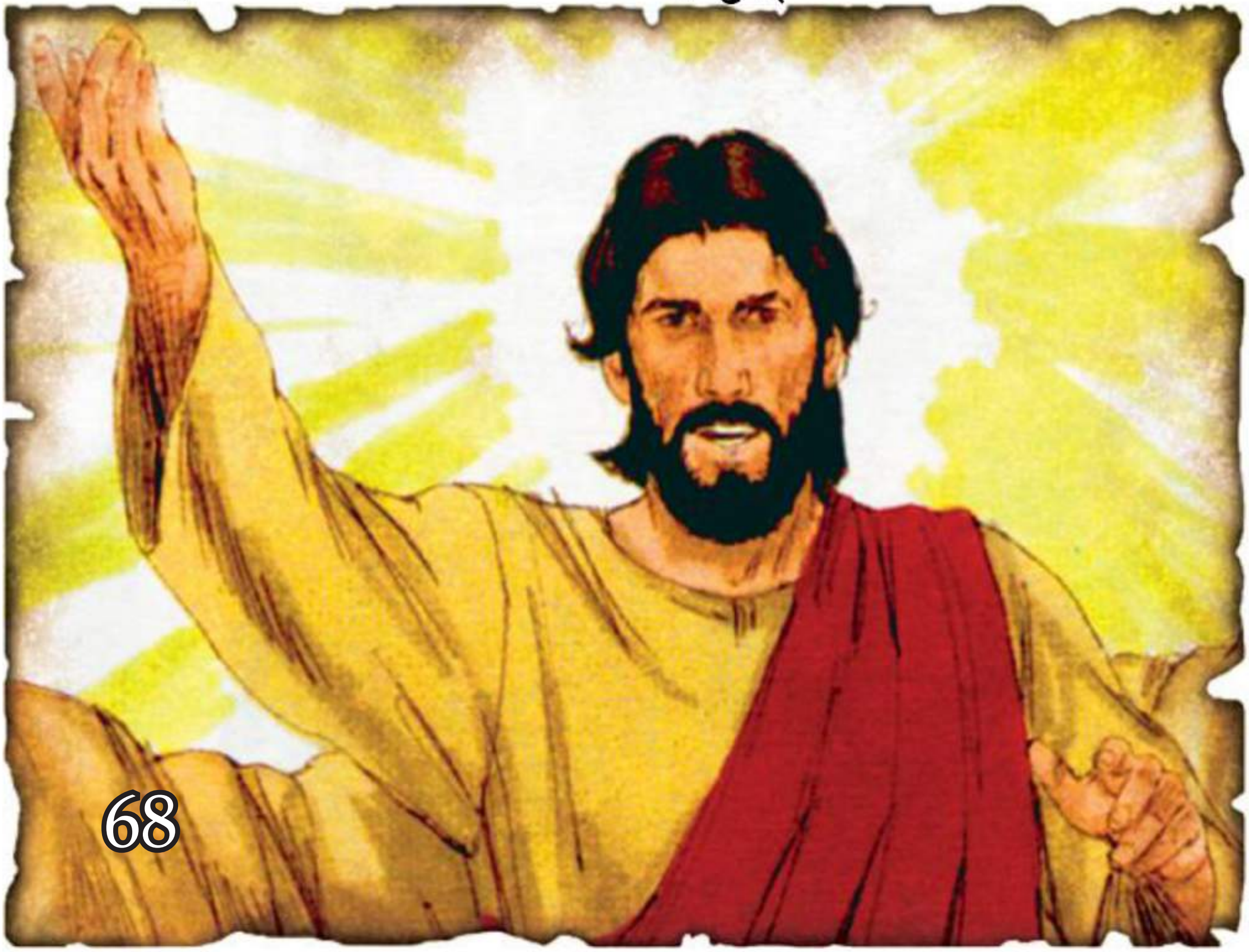

प्रकाशति वाक्य 21:1 -4

1 फरि मै ने नये आकाश और नयी पृथ्वी को देखा, क्योंकि पहिला आकाश और पहिली पृथ्वी जाती रही थी, और समुद्र भी न रहा।
2 फरि मै ने पवत्रि नगर नये यरूशलेम को स्वर्ग पर से परमेश्वर के पास से उतरते देखा, और वह उस दुल्हनि के समान थी,
जो अपने पति के लयि सिंगार कएि हो। 3 फरि मै ने सहािसन में से कसिी को ऊंचे शब्द से यह कहते सुना, कि देख,
परमेश्वर का डेरा मनुष्यों के बीच में है; वह उन के साथ डेरा करेगा, और वे उसके लोग होंगे, और परमेश्वर आप उन के साथ रहेगा;
और उन का परमेश्वर होगा। 4 और वह उन की आंखोंसे सब आंसू पोंछ डालेगा; और इस के बाद मृत्यु न रहेगी, और न शोक,
न वलािप, न पीड़ा रहेगी; पहिली बातें जाती रहीं।

यीशु ने अपने नए राज्य और नई पृथ्वी को स्थापित करता है ! 2017+

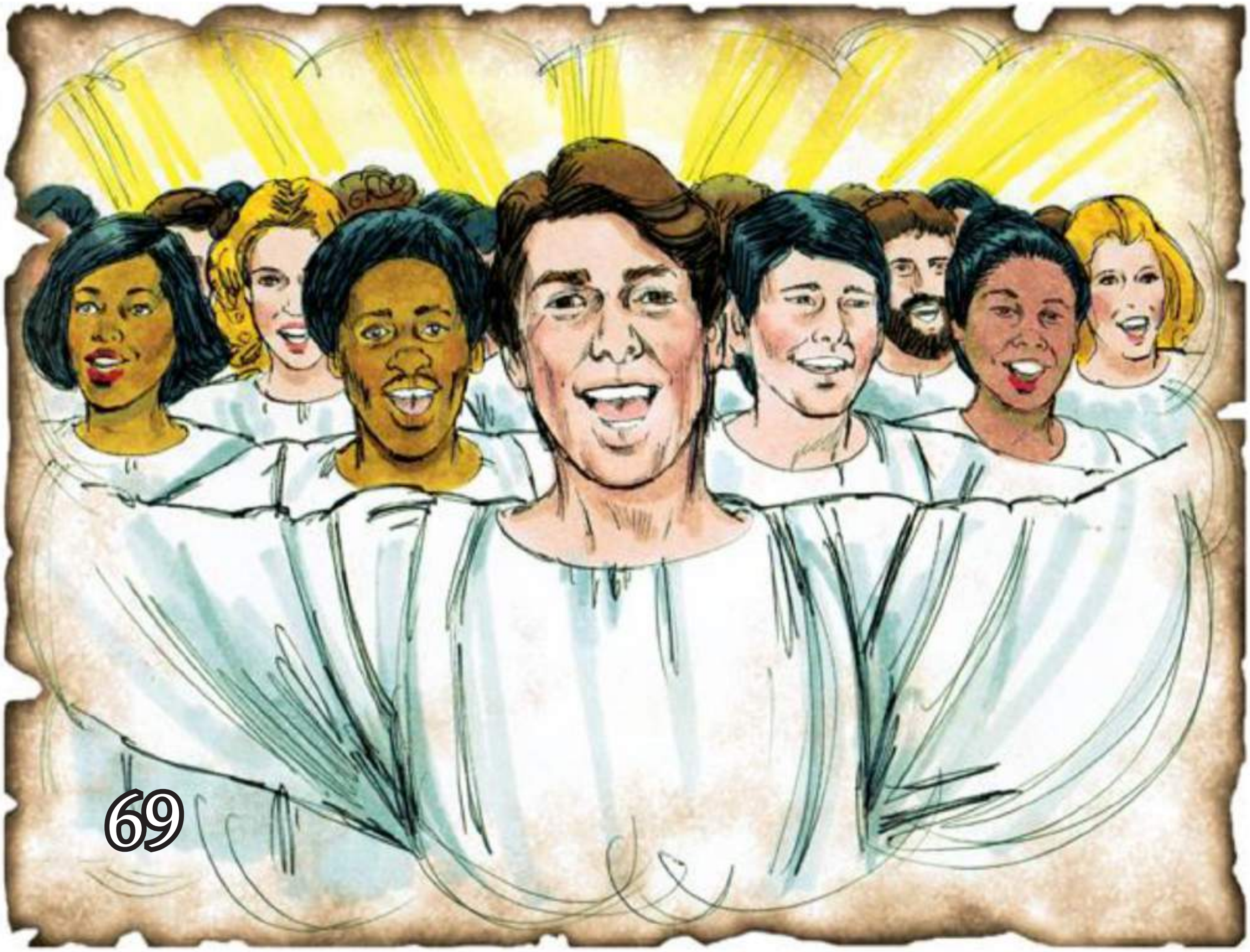

प्रकाशित वाक्य 22:1-5

1 फिर उस ने मुझे बिल्लौर की सी झलकती हुई, जीवन के जल की एक नदी दिखाई, जो परमेश्वर और मेंम्ने के सिंहासन से निकल कर
उस नगर की सड़क के बीचों बीच बहती थी। 2 और नदी के इस पार; और उस पार, जीवन का पेड़ था: उस में बारह प्रकार के फल लगते थे,
और वह हर महीने फलता था; और उस पेड़ के पत्तों से जाति जाति के लोग चंगे होते थे। 3 और फिर श्राप न होगा
और परमेश्वर और मेम्ने का सिंहासन उस नगर में होगा, और उसके दास उस की सेवा करेंगे।
4 और उसका मुंह देखेंगे, और उसका नाम उन के माथों पर लिखा हुआ होगा। 5 और फिर रात न होगी, और उन्हें दीपक
और सूर्य के उजियाले का प्रयोजन न होगा, क्योंकि प्रभु परमेश्वर उन्हें उजियाला देगा: और वे युगानुयुग राज्य करेंगे॥

यीशु ने फरि से आ रहा है, तैयार हो जाओ! शायद आज!

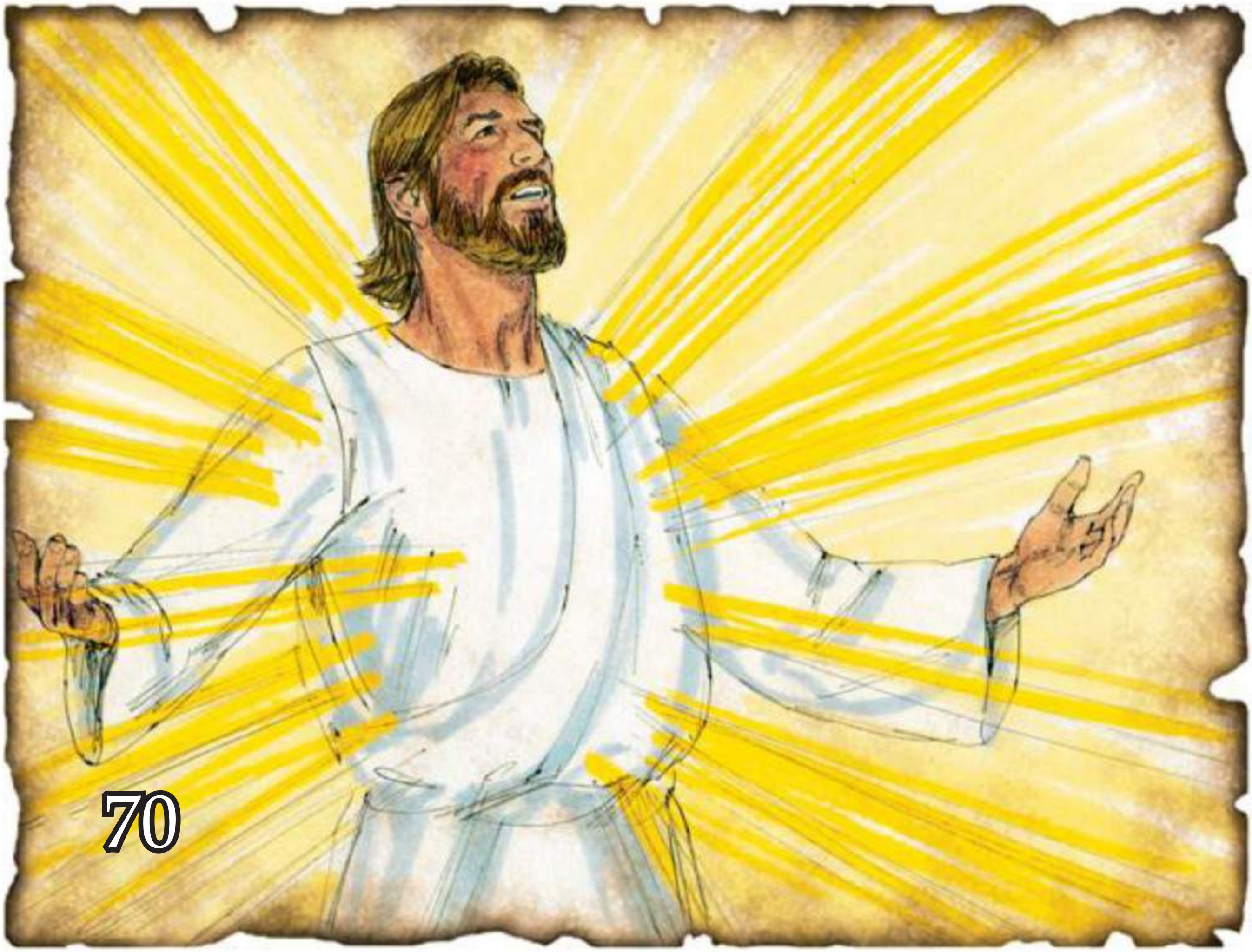

प्रकाशति वाक्य 22:3-7

3 और फरि श्राप न होगा और परमेश्वर और मेम्ने का सहािसन उस नगर में होगा, और उसके दास उस की सेवा करेंगे।
4 और उसका मुंह देखेंगे, और उसका नाम उन के माथों पर लखिा हुआ होगा। 5 और फरि रात न होगी, और उन्हें दीपक
और सूर्य के उजयिाले का प्रयोजन न होगा, क्योंक प्रिभु परमेश्वर उन्हें उजयिाला देगा: और वे युगानुयुग राज्य करेंगे॥
6 फरि उस ने मुझ से कहा, ये बातें वशि्वास के योग्य, और सत्य है, और प्रभु ने जो भवषि्यिद्वक्ताओं की आत्माओं का परमेश्वर है,
अपने स्वर्गदूत को इसलयि भेजा, कअिपने दासों को वे बातें जनि का शीघ्र पूरा होना अवश्य है दखिाए।
7 देख, मैं शीघ्र आने वाला हूं; धन्य है वह, जो इस पुस्तक की भवषि्यिद्वाणी की बातें मानता है॥

यशायाह 53:4-6 [711 B.C.]

4 निश्चिय उसने हमारे रोगों को सह लिया और हमारे ही दु:खों को उठा लिया; तौभी हम ने उसे परमेश्वर का मारा-कूटा और दुर्दशा में पड़ा हुआ समझा। 5 परन्तु वह हमारे ही अपराधो के कारण घायल किया गया, वह हमारे अधर्म के कामों के हेतु कुचला गया; हमारी ही शान्ति के लिये उस पर ताड़ना पड़ी कि जिसके कोड़े खाने से हम चंगे हो जाएं। 6 हम तो सब के सब भेड़ों की नाईं भटक गए थे; हम में से हर एक ने अपना अपना मार्ग लिया; और यहोवा ने हम सभों के अधर्म का बोझ उसी पर लाद दिया॥

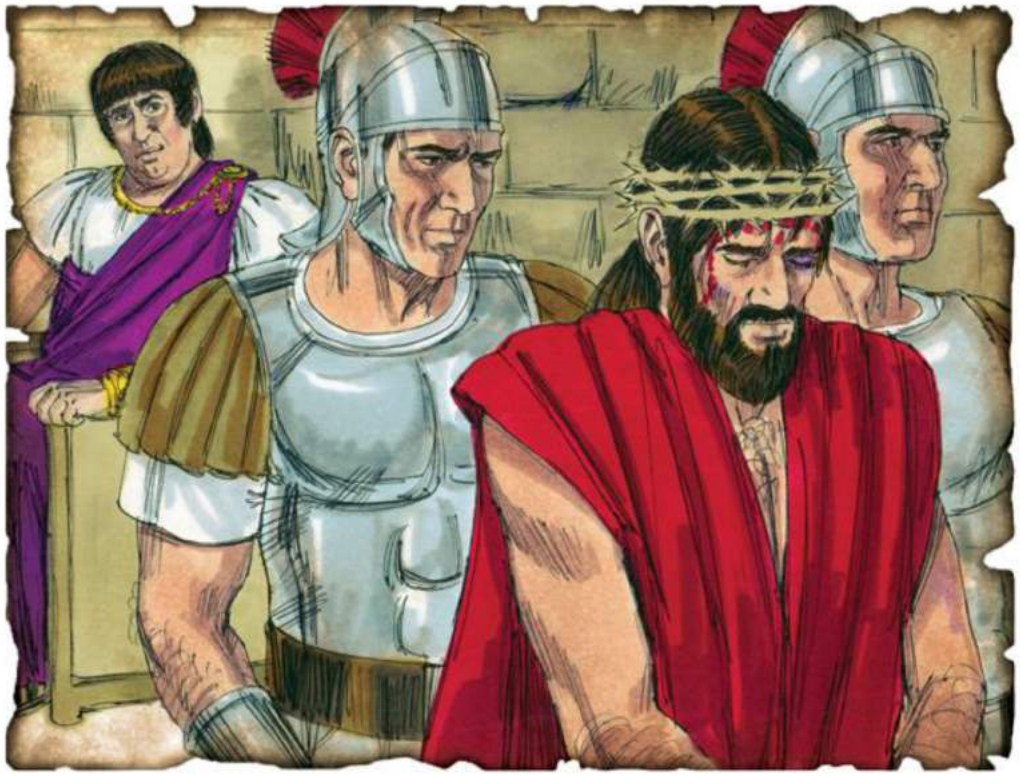

यूहन्ना 1: 10-12 [30 A.D.]

बाइबलि का इतिहास! मुक्ति के भगवान का वादा !उत्पत्ति से रहस्योद्घाटन तक! 70 कुंजी घटनाओं संकुचित छंद !
महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाओं परमेश्वर की ओर से किए गए वादे को पूरा करने के लिए एक उद्धारक भेजने के लिए!
व्यक्ति से संपर्क करें : प्रश्न या टिप्पणी
Meditate.with.power@gmail.com

बहुत धन्यवाद और कलवारी चैपल चर्च के निधन हो गया पादरी चक स्मिथ
को प्रशंसा के साथ मुझे भगवान की कृपा के बारे में शिक्षण और परमेश्वर के वचन को प्यार करने के लिए
एक विशेष New Harvest Ministries International Inc के पादरी हर्ब स्टीवर्ट के लिए धन्यवाद
खो, अनाथों और दुनिया में विधवाओं के लिए अपने जुनून के लिए । यिर्मयाह 22:16
लेआउट और इस परियोजना के डिजाइन के लिए
Ada- Boy Productions के William Joudan केलिए एक विशेष धन्यवाद
भी उपलब्ध : 30 बाइबलि अध्ययन सबक मुक्ति कहानी की व्याख्या करने के लिए
http:meditatewithpower.blogspot.com
3 फरवरी 2014 तक 5 जनवरी दिनांकित संग्रह खंड पर जाएँ
30 पाठ में पूरा अध्ययन शृंखला पढ़ने के लिए।
New Harvest Ministries International Inc. सभी अधिकार सुरक्षित।